दशम वार्षिक प्रतिवेदन

10th ANNUAL REPORT

2021-22

ଉତ୍କଳ ଗ୍ରାମୀଣ ବ୍ୟାଙ୍କ

उत्कल ग्रामीण बैंक

UTKAL GRAMEEN BANK

Sponsored by STATE BANK OF INDIA

Sapling Plantation by Chairman on World Environment day

Makers of Excellence Award 5.0 for APY

International Women's Day Celebration at Head Office, Bolangir

निर्देशक मण्डल
BOARD OF DIRECTORS

श्री अलेख चन्द्र बेउरा
अध्यक्ष
SHRI ALEKHA CHANDRA BEURA
Chairman

श्री चंचल राना (आइ.ए.एस)
मनोनीत निर्देशक, ओडिशा सरकार
Shri Chanchal Rana (IAS)
Nominee Director, Govt. of Odisha

श्री ताराकान्त भक्त
मनोनीत निर्देशक, ओडिशा सरकार
Shri Tarakanta Bhakta
Nominee Director, Govt. of Odisha

श्री निर्मल चन्द्र पट्टनायक
मनोनीत निर्देशक, भारतीय रिजर्व बैंक
Shri Nirmal Chandra Pattanaik
Nominee Director, Reserve Bank of India

श्री वि. बालासुब्रमनियन
मनोनीत निर्देशक, नाबार्ड
Shri V. Balasubhramanian
Nominee Director, NABARD

श्री प्रियदर्शन
मनोनीत निर्देशक, भारतीय स्टेट बैंक
Shri Priyadarshan
Nominee Director, State Bank of India

श्री ध्रुब चरण बल
मनोनीत निर्देशक, भारतीय स्टेट बैंक
Shri Dhruba Charan Bal
Nominee Director, State Bank of India

हमारे परामर्शदाता
OUR MENTORS

श्री दिनेश कुमार खारा
अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक
कॉरपोरेट सेन्टर, मुम्बई

Shri Dinesh Kumar Khara
Chairman, State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai

श्री अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निर्देशक, भारतीय स्टेट बैंक
कॉरपोरेट सेन्टर, मुम्बई

Shri Ashwini Kumar Tewari
Managing Director, State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai

श्री मिहिर नारायण प्रसाद मिश्रा
मुख्य महा प्रबंधक (ए एण्ड एस), भारतीय स्टेट बैंक
कॉरपोरेट सेन्टर, मुम्बई

Shri Mihir Narayan Prasad Mishra
Chief General Manager (A&S), State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai

बैंक का शीर्ष प्रबन्धन
TOP MANAGEMENT OF THE BANK

श्री अलेख चन्द्र बेउरा
अध्यक्ष
SHRI ALEKHA CHANDRA BEURA
Chairman

श्री मनमोहन साहु
महा प्रबन्धक (I)
Shri Manmohan Sahoo
General Manager (I)

श्री रश्मी रंजन साए
महा प्रबन्धक (II)
Shri Rashmi Ranjan Sai
General Manager (II)

श्री बिपिन बिहारी दाश
महा प्रबन्धक (III)
Shri Bipin Bihari Dash
General Manager (III)

श्री स्नेहांशु कुमार खण्डेइ
महा प्रबन्धक (सतर्कता)
Shri Snehansu Ku. Khandei
General Manager (Vigilance)

क्षेत्रीय प्रबन्धक
REGIONAL MANAGERS

श्री अजय कुमार नायक
क्षेत्रीय प्रबन्धक, ब्रह्मपुर
Shri Ajoya Kumar Nayak
Regional Manager, Berhampur

श्री पुरुषोत्तम घडेइ
क्षेत्रीय प्रबन्धक, जयपुर
Shri Purusotam Ghadei
Regional Manager, Jeypore

श्री असीम चंद्र पात्रा
क्षेत्रीय प्रबन्धक, रायगडा
Shri Asim Chandra Patra
Regional Manager, Rayagada

श्री ए. श्रीनिवास राव
क्षेत्रीय प्रबन्धक, संबलपुर
Shri A. Srinivas Rao
Regional Manager, Sambalpur

श्री चित्रसेन नायक
क्षेत्रीय प्रबन्धक, बरगड
Shri Chitrasen Nayak
Regional Manager, Bargarh

श्री सुभदा प्रसाद महांती
क्षेत्रीय प्रबन्धक, फुलबाणी
Shri Subhada Prasad Mohanty
Regional Manager, Phulbani

श्री कैलाश चंद्र मिश्रा
क्षेत्रीय प्रबन्धक, बलांगीर
Shri Kailash Chadra Mishra
Regional Manager, Balangir

श्री काशीनाथ मिश्रा
क्षेत्रीय प्रबन्धक, भवानीपटना
Shri Kasinath Mishra
Regional Manager, Bhawanipatna

उत्कल ग्रामीण बैंक

दशम वार्षिक प्रतिवेदन 2021-22

शुभ कामनाओं सहित

श्री अलेख चन्द्र बेउरा

अध्यक्ष

उत्कल ग्रामीण बैंक

मुख्य कार्यालय, दुरसंचार भवन,

नया बसस्टैंड के पास, बलांगीर - 767 001

दूरभाष - 06652-357264

www.utkalgrameenbank.co.in

chairman@ukgb.in

विषय सूची

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	प्रेषण पत्र	1
2.	निदेशक मंडल	2
3.	सांबिधिक लेखा परीक्षक	2
4.	क्षेत्रीय कार्यालय	3
5.	वर्ष २०२१-२२की विशेषताएँ	4
6.	निष्पादक संकेतक	5
7.	निदेशक मंडल की रिपोर्ट	9
8.	लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	28
9.	तुलन-पत्र, लाभ और हानि खाता और अनुसूचियाँ	32

प्रेषण पत्र

उत्कल ग्रामीण बैंक

प्रधान कार्यालय : बलांगीर

दिनांक : ३०.०६.२०२२

सेवा में,
सचिव,
भारत सरकार, वित्त मंत्रालय,
वित्तीय सेवाएं विभाग,बैंकिंग प्रभाग,
जीवन दीप भवन, संसद मार्ग,
नई दिल्ली - ११०००१

प्रिय महोदय,

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, १९७६ की धारा २० के प्रावधानों के अनुसरण में मैं इस पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख प्रेषित कर रहा हूँ :

१. १ अप्रैल, २०२१ से ३१ मार्च, २०२२ तक की अवधि के दौरान बैंक के कार्य-कलापों एवं गतिविधियों के संबंध में निदेशक मंडल की रिपोर्ट।

२. ३१ मार्च, २०२२ को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ एवं हानि लेखों की प्रति।

३. १ अप्रैल, २०२१ से ३१ मार्च, २०२२ तक की अवधि के लिए बैंक के लेखों के संबंध में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की प्रति।

भवदीय,

(अलेख चन्द्र बेउरा)
अध्यक्ष

बैंक का निदेशक मंडल

श्री अलेख चन्द्र बेउरा
अध्यक्ष

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मनोनीत

1) श्री निर्मल चंद्र पट्टनायक
उप-महा प्रबन्धक,
भारतीय रिजर्व बैंक,
भुबनेश्वर

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा मनोनीत

2) श्री वि. बालसुब्रमन्यन
उप-महा प्रबन्धक
राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक,
क्षेत्रीय कार्यालय, ओडिशा, भुबनेश्वर

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

3) श्री ध्रुब चरण बल
उप-महा प्रबन्धक,(एफआई ऐण्ड एमएफ)
भारतीय स्टेट बैंक,
स्थानीय प्रधान कार्यालय, भुबनेश्वर

4) श्री प्रियदर्शन
उप-महाप्रबन्धक ,
ए एण्ड एस विभाग
भारतीय स्टेट बैंक, कार्पोरेट केन्द्र, मुम्बई

ओडिशा सरकार द्वारा मनोनीत

5) श्री. चंचल राना,आइ.ऐ.स्,
जिल्लापाल एवं डि.एम.
वलांगिर, वलांगिर

ओडिशा सरकार द्वारा मनोनीत

6) श्री. ताराकान्त भक्त
उप सचिव, वित्त विभाग
ओडिशा सरकार, भुबनेश्वर

सांविधिक लेखा परीक्षक

तेजराज ऐन्ड पाल
युसीएन २६०११४
सनंदी लेखाकार, प्लट नं.-१२७८/२२५६/४२९४, भुबनेश्वर-७१०१०

शाखा परिक्षक

1.मेसर्स ए.के.ए.एच्.एस्.बि.एण्ड एसोसिएट्स
2.मेसर्स ऐ के लेन्का एण्ड को
3.मेसर्स ऐ के त्रिपाठी एण्ड को.
4.मेसर्स अमरकान्त एण्ड एसोसिएट्स
5. मेसर्स बि.सि.पि एण्ड एसोसिएट्स
6. मेसर्स बि.के.ए.एण्ड एसोसिएटस्
7. मेसर्स डि.एस.पि.के एण्ड एसोसिएट्स
8. मेसर्स डि.भि.आर् मुर्ति एण्ड को
9. मेसर्स दिलिप समीर एण्ड एसोसिएट्स
10.मेसर्स जि.एस्.सी.एस् एण्ड एसोसिएट्स
11.मेसर्स जितेन एण्ड को
12.मेसर्स जितेन्द्र पृष्टि एण्ड एसोसिएट्स
13.मेसर्स के.डि लाठ एण्ड को
14.मेसर्स के.जि.अग्रवाल एण्ड को.
15.मेसर्स एम्.के.एण्ड एम्. के
16.मेसर्स एम्.के. थेबारिया एण्ड एसोसिएट्स
17.मेसर्स एम्.यु.एसोसिएट्स
18.मेसर्स मिश्र बढाई एण्ड एसोसिएट्स
19.मेसर्स नालम् एसोसिएट्स
20.मेसर्स प्रत्युष एण्ड एसोसिएट्स
21.मेसर्स आर्.पि.ए. एण्ड एसोसिएटस्
22.मेसर्स एस्.ऐ.बि.डि एण्ड एसोसिएटस्
23.मेसर्स एस् सि पि एण्ड को.
24.मेसर्स सुदर्शन साहु एण्ड को.
25.मेसर्स सुरु कोटनी एण्ड एसोसिएटस्
26.मेसर्स टि के अग्रवाल एण्ड को.

क्षेत्रीय कार्यालय

ब्रह्मपुर
हर्ष आर्केड, सुब्बाराव स्क्वायर
ब्रह्मपुर
गंजम-767001
मो. 94384 93001
ro.berhampur@ukgb.in

रायगडा
रामकृष्ण नगर
At/Po/Dist. रायगडा - 765001
मो. 94371 76485
ro.rayagada@ukgb.in

जयपुर
एन्.के.टी रोड, होटेल उडस्, प्रथम मंजिल
PO- जयपुर - 764003
जिला - कोरापुट
मो. 82498 88034
ro.jeypore@ukgb.in

संबलपुर
पोद्दार पेट्रोल पंप के सामने
कटक रोड, धनुपाली
धनुपालि, जिला- संबलपुर
मो. 94384 93008
ro.sambalpur@ukgb.in

बरगड
खजूरटिकीरा शिव मंदिर के पास
At/Po/Dist.- बरगड
मो. 94381 93006
ro.bargarh@ukgb.in

फूलबाणी
पेनजी साही, एफसीआई रोड
At/Po फूलबाणी
जिला - कंधमाल 766801
मो. 94375 59947
ro.phulbani@ukgb.in

बलांगीर
दुरसंचार भवन, द्वितिय मंजिल
नया बस स्टैंड के पास,
At/Po/Dist. बलांगीर 767001
मो. 94384 93002
ro.bolangir@ukgb.in

भवानीपटना
बहादुर बागीचा पाडा के पास
भवानीपटना
जिला - कलाहांडी
मो. 94384 93003
ro.bhawanipatna@ukgb.in

२०२१-२२ की विशेषताएं

१. बैंक का सकल व्यापार बढ़कर रु.10744.05 करोड़ के स्तर तक पहुंचा. सकल व्यापार में 3.59% की वृद्धि के साथ रु. 372.55 करोड़ की बढत हुई (पिछले वर्ष के रु.430.25 करोड़, वृद्धि दर 4.33%)।
२. जमाराशि में पिछले वर्ष के रु. 7487.25 करोड़ की तुलना में आलोच्य वर्ष में रु. 155.82 करोड़ की वृद्धि के साथ रु. 7643.07 करोड़ तक पहुँचे. वृद्धि दर 2.08% है।
३. कासा का शेयर पिछले वर्ष के तुलना में 59.62% से 60.47% तक बढ गया।
४. पिछले वर्ष के रु.2884.26 करोड़ की तुलना में बैंक के अग्रिम राशि रु.216.73 करोड़ जो कि 7.51% की वृद्धि के साथ रु.3100.98 करोड़ तक पहुंची।
५. निवल लाभ पिछले वर्ष के तुलना में रु.-411.63 करोड़ से बढकर रु. 2.34 करोड हुआ।
६. सकल एनपीए पिछले वर्ष के रु. 854.21 करोड़ (29.62%) से 31.03.2022 को रु.675.70 करोड़ (21.79%) तक घटा।
७. निवल एनपीए पिछले वर्ष के रु. 388.50 करोड़ (16.06%) से 31.03.2022 को रु. 220.77 करोड़(8.34%) तक घटा।
८. प्रावधान कवरेज अनुपात पिछले वर्ष के तुलना में 54.52% से इस वर्ष 67.33% तक बढ गया ।
९. जमा राशियों की लागत पिछले वर्ष के 4.39% से 31.03.2022 को 3.99% तक कम हुई ।
१०. प्रति शाखा व्यापार पिछले वर्ष के तुलना में रु. 23.84 करोड से बढकर रु. 24.81 करोड़ हो गया ।
११. प्रति कर्मचारी व्यवसाय पिछले वर्ष के तुलना में रु.7.75 करोड से बढकर रु. 7.78 करोड़ हो गया ।
१२. प्रति कर्मचारी निवल लाभ पिछले वर्ष के तुलना में रु. -30.74 लाख से बढकर रु. 0.17 लाख हो गया ।
१३. निवल मूल्य 31.03.2021 के रु. - 404.72 करोड़ की तुलना में. 31.03.2022 को रु. 84.08 करोड़ तक बढ गया ।
१४. आस्तियों पर प्रतिफल पिछले वर्ष के - 4.94% से बढकर 31.03.2022 को 0.03% हो गया ।
१५. ईक्विटी पर प्रतिफल पिछले वर्ष के -42.21% से बढकर 31.03.2022 को 0.23% हो गया ।
१६. अग्रिमों पर लाभ पिछले वर्ष के 4.87% की तुलना में 31.03.2022 को 9.37% हो गया ।
१७. आय के लिए लागत का अनुपात (व्यय अनुपात) पिछले वर्ष के 71.15% से सुधार हो कर 45.23% तक कम हुआ है ।
१८. निवल ब्याज आय पिछले वर्ष के तुलना में 154.71 करोड़ से बढकर 100.42% के वृद्धि के साथ रु. 310.08 करोड़ हो गई ।
१९. 31.03.2022 को निवल ब्याज मार्जिन पिछले वर्ष के तुलना में 2.06% से बढकर 3.94% हो गयी ।
२०. 31.03.2022 को पूँजी पर्याप्तता अनुपात बढकर 3.44% रहा, जबकि 31.03.2021 को यह -16.01% था ।
२१. 31.03.2022 को कृषि के लिए वित्तपोषण बढकर रु. 2039.99 करोड़ हो गया ।
२२. 31.03.2022 को कृषि ऋणियों की संख्या 287401 है ।
२३. 31.03.2022 को एसएचजी की कुल संख्या 43278 है ।
२४. 31.03.2022 को एसएचजी ऋण बढकर रु. 475.40 करोड़ हो गया ।

निष्पादक संकेतक

(रू. हजारो में)

संकेतक			2019-20	2020-21	2021-22
क)	मुख्य निष्पादन संकेतक				
	1.	क्षेत्रगत जिले	17	17	17
	2.	शाखाओं की संख्या	435	435	433
		क) ग्रामीण	365	365	364
		ख) अर्द्ध शहरी	54	54	354
		ग) शहरी	16	16	15
	3.	कुल स्टाफ (प्रायोजक बैंक के स्टाफ को छोडकर)	1486	1339	1381
		इनमें से अधिकारी	675	598	689
	4.	जमा	70470647	74872500	76430695
		वृद्धि %	8.48	6.25	2.08
	5.	बकाया उधारियां,	2705	3530296	4465920
	6.	कुल बकाया, ऋण और अग्रिम	28941913	28842551	31009841
		वृद्धि %	-0.05	-0.34	7.51
		उपरोक्त 6 में से, प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण	26738811	25826191	27206000
		ऊपर के 6 में से, गैर लक्षित वर्ग को ऋण	10043102	3016360	3803810
		ऊपरोक्त 6 में से अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति को ऋण	11287346	10109314	1030996
		ऊपरोक्त 6 में से छोटे किसान / सीमांत किसान / कृषि जीवी को ऋण	14928966	14762809	15324371
		ऊपरोक्त 6 में से संख्या लघु को ऋण	594124	503014	510848
	7.	लागत जमा अनुपात	41.07	38.52	40.57
	8.	बकाया निवेश	43208870	47841014	53984598
		एस्एल्आर् निवेश बकाया	36240684	41919003	47103586
		गैर एस्एल्आर् निवेश बकाया	6968186	5922011	6881012
ख)	औसत				
	9.	औसत जमा	67272084	72135930	74541851
		वृद्धि %	10.09	7.23	3.34
	10.	औसत उधार	92147	718104	4597499
		वृद्धि %	-57.78	679.30	540.23
	11.	औसत ऋण और अग्रिम	29591176	29912120	29721305
		वृद्धि %	-5.34	1.08	-0.64
	12.	औसत निवेश	36363935	45316775	48928935
		वृद्धि %	23.86	15.12	7.97
		औसत एस्एल्आर निवेश	30432930	38488645	44988282
		वृद्धि %	19.32	26.46	16.89
		औसत गैर एस.एल. आर. निवेश	8931005	6828130	3940653
		वृद्धि %	42.34	-23.54	-42.29
	13.	औसत कार्यकारी निधि	75227239	83295758	84669120

संकेतक			2019-20	2020-21	2021-22
ग)	वर्ष के दौरान वितरित ऋण				
	14.	वर्ष के दौरान वितरित ऋण	23563711	25884067	20222840
		ऊपर 14 से प्राथमिकता क्षेत्र के लिए ऋण	19977405	21513364	16190735
		ऊपर 14 से गैर लक्षित वर्ग को ऋण	3586306	4370703	1244536
		ऊपर 14 से अनुसूचित जाती / अनुसूचित जनजाति को ऋण	8921220	9189846	1932858
घ)	उत्पादकता				
	15.	प्रति शाखा	228535	238425	245398
		प्रति कर्मचारी	66899	77457	77730
ङ)	वसूली के संसाधन				
	16.	संपूर्ण			
		मांग	26805585	25922839	26979600
		वसूली	16525643	14477905	15429633
		अतिदेय	10279942	11444934	11549966
		वसूली % (जून की स्थिति)	61.65	55.85	57.19
	17.	कृषि क्षेत्र			
		मांग	17925548	16886625	17574511
		वसूली	11377345	9832715	10618519
		अतिदेय	6548203	7053910	6955992
		वसूली % (जून की स्थिति)	63.47	58.23	60.42
	18.	गैर कृषि क्षेत्र			
		मांग	8880037	9036214	9402390
		वसूली	5148298	4645190	5040621
		अतिदेय	3731739	4391024	4361769
		वसूली % (जून की स्थिति)	57.98	51.41	53.61
च)	आस्तियों का वर्गीकरण				
	19.	क) मानक	20838250	20300430	24252799
		ख) अवमानक	846786	2000698	653700
		ग) संदिग्ध	6665182	6142585	5738439
		घ) हानि	591695	398838	364902
		कूल	28941913	28842551	31009841
		मानक आस्तियों का, कुल अग्रिम ऋण के प्रतिशत	72.00	70.38	78.21
छ)	लाभ प्रदत्ता का विश्लेषण				
	20.	प्राप्त ब्याज			
		क) जमा पर	3373227	3169589	2977665
		ख) उधारियों पर	5932	29374	226365

संकेतक			2019-20	2020-21	2021-22
21.	वेतन (अवकाश नकदी सहित)		1285682	1121332	1193651
22.	अन्य परिचालन व्यय		501642	484535	623545
23.	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान		1964881	4767469	2177342
	क)	अनुत्पदिक आस्तियों पर	1895295	1046810	420403
	ख)	अन्य प्रावधान	105586	3720689	1756939
	ग)	परिशोधन	0	0	0
24.	प्राप्त ब्याज				
	क)	ऋण एवं अग्रिम पर	2246302	1455338	2784226
	ख)	निवेश पर	2870532	3290772	3520660
	ग)	अन्य	0	0	0
25.	विविध आय		619604	709910	917094
26.	हानि /लाभ		-1394926	-4116279	23412
ज)	अन्य जानकारियां				
27.	शेयर पूँजी जमा प्रप्ति		9301491	9703731	14486916
28.	डी.आई. एवं सीजिसी				
	क)	दावों का निपटान	0	0	0
	ख)	मिला हुआ दावा जो अबतक समेटा नहीं	0	0	0
	ग)	निगम से स्थगित दावे	0	0	0
29.	संचायी प्रावधान				
	क)	अनुत्पदिक आस्तियों पर	5009978	4657140	4549317
	ख)	मानक आस्तियों पर	144630	57739	69663
	ग)	मृत आस्तियों पर	0	0	0
30.	अस्वीकृत ब्याज वर्ष के दौरान		455685	1146465	579930
31.	वर्ष के दौरान छोडा गया ऋण				
	क)	खाताओं की संख्या	22708	29263	14930
	ख)	राशि	950214	1398831	528214
32.	संचित हानि		9634668	13750947	13727535
33.	संरक्षित		0	0	0
	निवल अनुत्पादिक आस्तियां		3093685	3884980	2207725
	सकल अनुत्पादिक आस्तियां के लिए प्रावधान		61.82	54.52	67.33
	सकल अनुत्पादिक आस्तियां एवं अग्रिमों का		28.00	29.62	21.79
	शुद्ध अनुत्पादिक आस्तियां एवं अग्रिमों का		28.00	16.06	8.34
34.	पूंजी पर्याप्तता अनुपात		-1.34	-16.01	3.44

(रुपये करोड़ो में)

(रुपये करोड़ो में)

(रुपये करोड़ो में)

(रुपये करोड़ो में)

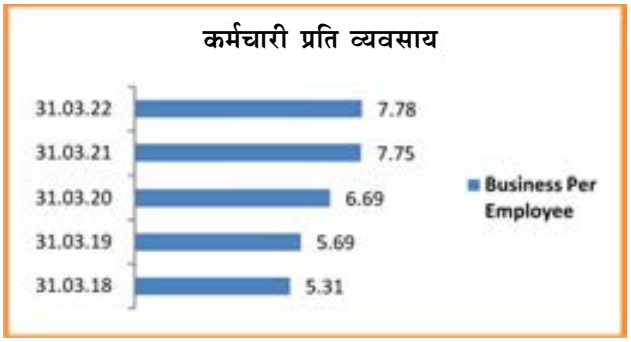

(रुपये करोड़ो में)

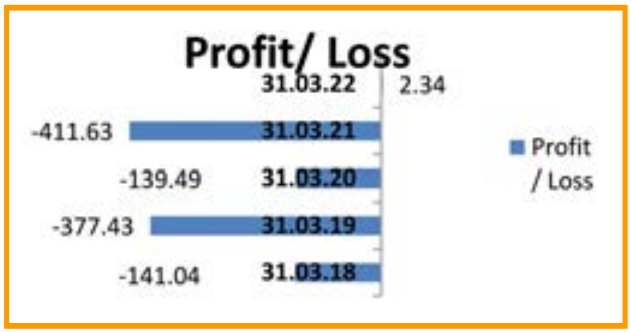

(रुपये लाखो में)

(रुपये लाखो में)

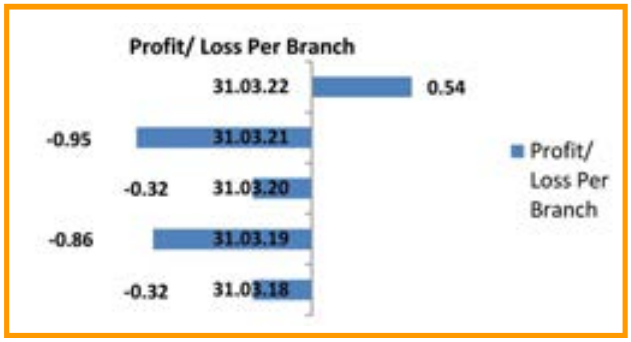

(रुपये करोड़ो में)

निदेशक मंडल की रिपोर्ट 2021-22

हमें उत्कल ग्रामीण बैंक (यूजीबी) की 10 वीं वर्षिक रिपोर्ट तथा साथ में 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए लेखाओं का लेखा-परीक्षित विवरण, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट एवं बैंक के व्यापार एवं परिचालनों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है ।

व्यापार समीक्षा

बैंक के व्यवसाय में रु. 372.55 करोड की वृद्धि हुई और यह 31.03.2021 के रू. 10,371.51 करोड से 3.59% बढकर 31 मार्च 2022 को रु. 10,744.05 करोड पर पहुँच गया ।

व्यवसाय में रु. 372.55 करोड की वृद्धि में जमाराशि की निरपेक्ष वृद्धि रु. 155.82 करोड की और ऋणों और अग्रिम राशि में रु. 216.73 करोड वृद्धि हुई ।

(रुपये करोडों में)

लाभ विश्लेषण

बैंक ने वर्ष 2021-22 के लिए रु. 2.34 करोड का शुद्ध लाभ दर्ज किया। जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान रु. 411.63 करोड का शुद्ध हानि दर्ज हुआ था । पिछले वित्तीय वर्ष से लाभ में 100.57% कि बृद्धि हुई। इस वर्ष रु. 42.04 करोड एनपीए प्रावधान, रु. 1.19 करोड मानक आस्तियों पर प्रावधान, रु. 159.67 करोड पेंशन प्रावधान, रु. 2.00 करोड बेतन प्रावधान, रु. 1.52 करोड की धोखाधड़ी प्रावधान, रु. 3.98 करोड विविध प्रावधान, रु. 7.34 करोड ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण प्रावधान रखा गया है।

बैंक का परिचालन लाभ 31.03.2022 को रू. 220.08 करोड रहा जबकि पिछले वर्ष इसी समय यह रु. 65.12 करोड था। चलित वर्ष पिछले वर्ष के मुकाबले रु. 154.96 करोड (237.96%) का परिचालन लाभ में वृद्धि दर्ज की गई।

परिचालन लाभ/हानि

(रुपये करोडो में)

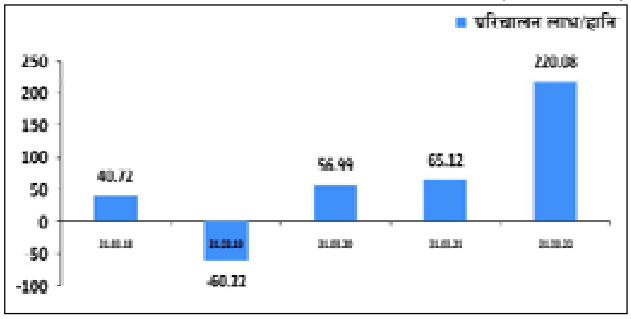

आय और व्यय

रुपये करोडो में

वीवरण	2019-20	2020-21	2021-22	वृद्धि %
ब्याज आय	511.68	474.61	630.49	32.84
ब्याज व्यय	337.92	319.9	320.4	0.16
गैर-ब्याज आय	61.96	70.99	91.71	29.19
गैर-ब्याज व्यय	178.73	160.59	181.72	13.16
सकल लाभ/परिचालन लाभ	56.99	65.12	220.08	237.96
कर व्यय	0	0	0.48	0.00
आस्थगित कर आस्ति तथा पिछले वर्ष के समायोजन (अतिरिक्त)	0	0	0	0.00
प्रावधान और आकस्मिकताएं	196.49	476.75	217.73	-54.33
पूर्वावधि अवमूल्यन और किराए	0	0	0	0.00
निवल लाभ	-139.50	-411.63	2.34	100.57

निवल ब्याज आय

वर्ष के दौरान अर्जित निवल ब्याज आय रु. 630.49 करोड है जबकि निवल ब्याज व्यय रु. 320.40 करोड है। पिछले वर्ष के रु. 154.71 करोड की तुलना में आलोच्य वर्ष के दौरान निवल ब्याज आय रु. 310.09 करोड है।

ब्याज व्यय-ब्याज आय

(रुपये करोडों में)

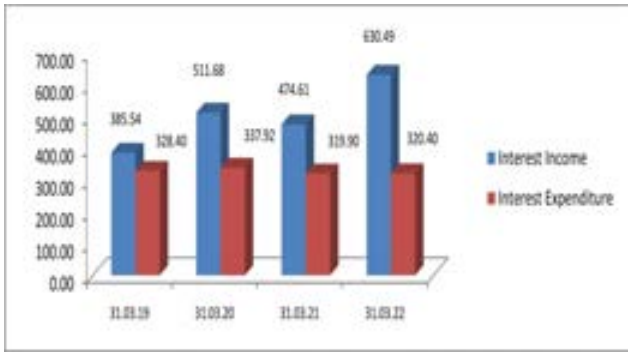

ब्याज व्यय

जमाओं पर प्रदत्त ब्याज राशि पिछले वर्ष के रु. 316.96 करोड़ से आलोच्य वर्ष में रु. 19.19 करोड़ (6.06%) कमी के साथ रु. 297.77 करोड तक घट गई।

बैंक ने इस वर्ष ऋण (SBI और NABARD से refinance) पर ब्याज के रुप में रु. 22.64 करोड़ का भुगतान किया, जबकि वित्तीय वर्ष 2020-21 में. रु. 2.94 करोड़ का भुगतान किया था, अर्थात इसमें रु. 19.70 करोड़ की बढोत्तरी हुई।

रुपये करोडो में

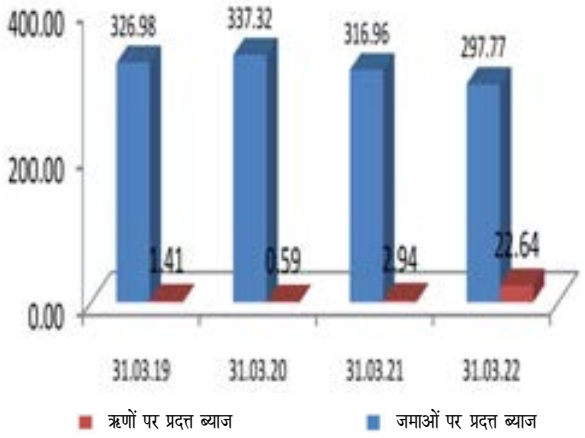

परिचालन व्यय

परिचालन व्यय 2020-21 के रु. 160.59 करोड से रु. 21.13 करोड (13.16%) बढत के साथ, वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में रु. 181.72 करोड हो गया।

ब्याज आय

वर्ष के दौरान ब्याज आय रु. 474.61 करोड से बढ कर रु. 630.49 करोड पर पहुँच गई जो कि रु. 155.88 करोड (32.84%) की निरपेक्ष बढत है।

बैंक ने चालू वित्त वर्ष में ऋणों और अग्रिमों से रु. 278.42 करोड की ब्याज आय अर्जित की है जो कि 2020-21 में. रु. 145.53 करोड थी, इस प्रकार इसमें रु. 132.89 करोड की वृद्धि हुई है।

निवेशों से प्राप्त ब्याज आय पिछले वित्तीय वर्ष के रु. 329.08 करोड की तुलना में इस वर्ष रु. 352.07 करोड रहा। निवेशों से प्राप्त ब्याज आय में 6.99% की दर से रु. 22.99 करोड की वृद्धि हुई।

ब्याज आय

रुपये करोडो में

एनपीए हेतु प्रावधान

आलोच्य वर्ष में बैंक ने एनपी के लिए रु.42.04 करोड का प्रावधान किया है जिससे अग्रिमों पर उपलब्ध कुल प्रावधान रु. 461.90 करोड पर पहुँच गया हैं। (इनमें मानक आस्तियों पर किया गया रु. 6.97 करोड का संचित प्रावधान भी शामिल है)

रुपये करोडो में

आस्तियाँ	2019-20		2020-21		2021-22	
	बकाया	प्रावधान	बकाया	प्रावधान	बकाया	प्रावधान
मानक	2083.82	14.46	2030.05	5.77	2425.28	6.97
अवमानक	84.68	8.47	200.07	20.01	65.37	6.54
अशोध्य और संदिग्ध	666.52	433.36	614.26	405.83	573.84	411.90
हानि	59.17	59.17	39.88	39.88	36.49	36.49
कुल	810.37	501.00	854.21	465.72	675.70	454.93
कुल अग्रिम	2894.19	515.46	2884.26	471.49	3100.98	461.90

अनुपात विश्लेषण

	अनुपात	2019-20	2020-21	2021-22	
				राशि/ अनुपात	परिवर्तन का प्रतिशत
1	अग्रिम पर प्रतिफल	7.59	4.87	9.37	92.40
2	निवेशों पर प्रतिफल	7.59	7.31	7.25	-0.82
3	जमाओं की लागत	5.01	4.39	3.99	-9.11
4	उधारों की लागत	6.44	4.09	4.92	20.29
5	निधियों का औसत लागत	5.02	4.39	4.05	-7.74
6	निधियों का औसत प्रतिफल	7.42	6.31	8.02	27.10
7	प्रबधंन लागत	2.38	1.93	2.15	11.40
8	कार्यकारी निधियों की % के रूप में विविध आय	0.82	0.85	1.08	27.06
9	निवल मर्जिन	-1.85	-4.92	0.06	101.22
10	वित्तीय मर्जिन	2.31	1.88	3.69	96.28
11	जोखिम लागत	2.61	5.72	2.57	-55.07
12	आस्तियों पर प्रतिफल	-1.85	-4.94	0.03	100.61
13	व्ययों का अनुपात	75.82	71.15	45.23	-36.43
14	सकल एनपीए	810.37	854.21	675.7	-20.90
15	निवल एनपीए	309.37	388.5	220.77	-43.17
16	सकल एनपीए मे प्रावधान का %	61.82	54.52	67.33	23.50
17	सकल एनपीए में अग्रिमों का %	28	29.62	21.79	-26.43
18	निवल एनपीए में अग्रिमों का %	12.93	16.06	8.34	-48.07
19	सीआरएआर	-1.34	-16.01	3.44	121.49

तुलन पत्र

तुलन पत्र की राशि में मार्च 2021 के स्तर की तुलना में रु. 784.92 करोड की वृद्धि हुई और यह रु. 9972.19 करोड हो गई।

पूँजी

प्राधिकृत पूँजी

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम (संशोधित अधिनियम), 2015 के अनुसरण में बैंक ने अपने प्राधिकृत शेयर पूँजी को रु. 100/- प्रति शेयर के 5,00,000 ईक्विटी शेयरों की कुल रु. 5 करोड से रु. 10/- प्रति शेयर के 200,00,00,000 ईक्विटी शेयरों की कुल रु. 2,000 करोड तक बढाया।

प्रदत्त पूँजी

बैंक की प्रदत्त पूँजी रु. 9,70,37,30,600 (रु. 10/- प्रति शेयर के 97,03,73,060 शेयर) हैं, जो भारत सरकार, राज्य सरकार, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा क्रमश: 50:15:35 के अनुपात में धारित है। भारत सरकार ने बैंक के पुन:पूंजीकरण के लिए डीएफ्एस पत्र संख्या F.No. 3/9/2020 - आरआरबी ता. 21.02.2022 के अनुसार रु. 683.31 करोड की स्वीकृति दी थी, जिसमे से हमें वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान केवल रु. 478.32 करोड प्राप्त हुआ है जो कि शेयर पुंजी जमा खाता में जमा किया हुआ है। शेष रु. 204.99 करोड प्राप्त होने बाद शेयर जमा प्रमाण पत्र सभी तीनो हितधारको को उसी अनुपात में दे दिया जाएगा।

स्थायी /बेमियादी बॉन्ड

नाबार्ड के निर्देश के अनुसार, सीबीएस के क्रियान्वयन की लागत राशि रु.8.13 करोड, प्रायोजक बैंक को स्थायी बॉन्ड जारी करने के लिये प्राप्त हुई है।

निवल संपत्ति

बैंक की निवल संपत्ति पिछले वित्तीय वर्ष के रु. - 404.72 करोड से रु. 488.80 करोड (120.77%) की बृद्धि के साथ रु. 84.08 करोड तक पहुँच गई।

पूंजी पर्याप्तता अनुपात 31.03.2021 की तुलना में जो -16.01% था, इस वर्ष के अंत में 3.44% तक पहुंच गया है।

पर्यवेक्षी कार्यवाही रुपरेखा (SAF) तथा त्वरित सुधारक कार्यवाही (PCA)

31.03.2018 की कमजोर वित्तीय स्थिति और उच्च एनपीए के कारण बैंक नाबार्ड के ग्रामीम बैंक के पर्यवेक्षी रुपरेखा दिशानिर्देशों दायरे में आया था। प्राम्प्ट करेक्टिव एक्शन (पीसीए) के लिए पर्यवेक्षी एक्शन फ्रेमवर्क (एसएएफ) पर और तदनुसार कार्यान्वयन के लिए वर्ष के दौरान अपनी रणनीतियों को रखा गया था।

i. कार्यन्वयन के लिए जोखिम प्रबंधन नीति, संशोधित निवेश नीति और ऋण नीति रखी गई है।
ii. एनपीए पोर्टफोलियो की विस्तृत विश्लेषण करके उपयुक्त रणनीतियां अपनाया गया। तथा मासिक निगरानी योग्य कार्य योजना (एमएपी) के साथ-साथ इसके प्रबंधन के लिए काम किया।
iii. उच्च एनपीए शाखाओंमें ऋण देने की क्षमता सीमित कर दी गयी
iv. ऋण समीक्षा तंत्र और मजबूत हुआ।
v. बेहतर गुणवत्ता परिसंपत्तियों की मंजूरी के लिए समूहिक संपर्क किया गया।
vi. ऋण प्रबंधन प्रक्रिया में सुधार लानेके लिए सीपीसी माडल के तहत ४ केन्द्रों पर परिसंपत्ति प्रबंधन हब (एएमएच) स्थापित किया गया।
vii. नई व्यवसाय में प्रवेश करने के बजाय जोखिम-भारित परिसंपत्तियों को शामिल करने के लिए असुरक्षित ऋणों पर प्रतिबंध लगाया गया।

viii. कम जोखिम भरे उत्पादों पर ध्यान - स्वर्ण ऋण, सिक्योरिटीज के खिलाफ ऋण, आवास ऋण, गुणवत्ता एसएमई ऋण (संपत्ति आधारित)।

ix. दीर्घकालिक जुडाव और लाभप्रदत्ता के लिए अच्छे निवेश ऋण प्रस्तावों का देख-भाल।

x. CGTMSE कवरेज की अनुपस्थिति में उच्च सुरक्षा समर्थन के साथ ऋण पर एकाग्रता।

xi. क्रेडिट मूल्यांकन और प्रणालियों में प्रशिक्षण और कौशल विकास एक सतत आधार पर केन्द्रित है।

xii. उच्च मूल्य वाले एनपीए अकाउंट की निगरानी करने तथा सूट दायर मामलों की निगरानी और अन्य सभी कानून साधनों के उपयोग से एनपीए खाातों को सुव्यवस्थित करने के लिए स्ट्रेस एसेट्स रिकवरी ब्रांच (SARB) का स्थापित किया गया।

xiii. उच्च लागत जमा को बंद करना और CASA जमा को बढाने पर ध्यान केन्द्रित करना।

xiv. एसबीआई लाइफ, एपीवाई, जनरल इंश्योरेंस के उत्पादों की क्रास सेलिंग और G-Sec और PSLC में ट्रेडिंग सहित शुल्क और कमीशन आधारित व्यवसाय पर अधिक ध्यान केंन्द्रित किया गया।

xv. AUCA वसूली के लिए अभियान शुरु किया गया तथा कर्मचारियों/ बैंक मित्रों के लिए प्रोत्साहन की व्यवस्था की गयी।

xvi. घाटे में चल रही शाखाओं को कम करने के लिए शाखा युक्तिकरण का प्रयास किये गये।

निम्न सारणी में टियर - I, टियर- II पूँजी, आरक्षितियाँ और पूँजी पर्याप्तता अनुपात की संगणना प्रस्तुत हैं :

	पुँजी	2019-20	2020-21	2021-22
1	टियर - I			
	अ. चुकता पूँजी	702.21	970.37	970.37
	आ. शेयर पूँजी जमा	227.94	0.00	478.32
	इ. लाभ व हानि खाते में अधिशेष	963.47	1375.09	1372.75
	कुल टियर-I पूँजी	**-33.32**	**-404.72**	**75.94**
2	टियर-II			
	अ. स्थायी/बेमीयादी बोण्ड	8.13	8.13	8.13
	आ. साधारण प्रावधान और आरक्षितियाँ	14.46	5.77	6.97
	कुल टियर-II पूँजी	**22.59**	**13.90**	**15.10**
	कुल योग (टियर-I + टियर-II) (जैसा कि टियर I पूँजी नकरात्मक है, टिर II पूँजी को CAR गणना के लिए नहीं ली गई है)	**-33.32**	**-404.72**	**91.04**
3	अ. वित्तपोषित जोखिम परिसंपत्तियों का समयोजित मूल्य, यानी, तुलन पत्र की मदें	2464.54	2501.90	2622.16
	आ. गैर-वित्तपोषित जोखिम परिसंपत्तियों का समयोजित मूल्य, यानी, तुलन पत्र की मदें	25.12	26.71	26.97
	इ. अ + आ	2489.66	2528.61	2649.13
	ई. जोखिम भारित परिसंपत्तियों में पूँजी (टियर-I + टियर II) का प्रतिशत	-1.34	-16.01	-3.44

जमाराशियाँ

जमाराशियाँ में मार्च 2021 की तुलना मे. 2.08% की वृद्धि दर से रु. 155.82 करोड की वृद्धि दर्ज की गई। 31.03.2021 की कुल जमाराशि रु. 7487.25 करोड की तुलना में 31.03.2022 को रु. 7643.07 करोड तक बढ गई।

रुपये करोडो में

जमा संमिश्रण

कासा जमाराशियाँ 31.03.2021 के रु. 4463.85 करोड की तुलना में 3.54% की दर से रु. 158.11 करोड की वृद्धि के साथ रु. 4621.96 करोड तक पहुँच गई। सावधिक जमाएँ पिछले वित्तीय वर्ष के रु. 3023.40 करोड की तुलना में -0.08% की दर से रु. 2.29 करोड की कमी के साथ रु. 3021.11 करोड तक पहुँच गई। कासा (सीएएसए) की हिस्सेदारी 31.03.2021 के 59.62% की तुलना में 31.03.2022 को 60.47% तक पहुँच गई ।

रुपये करोडो में

जमा संमिश्रण	31.03.20	31.03.21	31.03.22
चालु खाता	**122.70**	**132.14**	**128.14**
वृद्धि	13.07	9.44	-4.00
वृद्धि %	11.92	7.69	-3.03
बचत बैंक	**4045.88**	**4331.71**	**4493.82**
वृद्धि	417.89	285.83	162.11
वृद्धि %	11.52	7.06	3.74
कुल कासा	**4168.58**	**4463.85**	**4621.96**
वृद्धि	430.96	295.27	158.11
वृद्धि %	11.53	7.08	3.54
सावधि जमा	**2878.49**	**3023.40**	**3021.11**
वृद्धि	119.97	144.91	-2.29
वृद्धि %	4.35	5.03	-0.08
कुल जमाराशियाँ	**7047.07**	**7487.25**	**7643.07**
वृद्धि	550.93	440.18	155.82
वृद्धि %	8.48	6.25	2.08

उधार

31.03.2022 को बैंक की सकल उधार राशियाँ रु. 446.59 करोड है जो कि 31.03.2021 को यह रु. 353.03 करोड थी।

रुपये करोडो में

	संमिश्रण	2019-20	2020-21	2021-22	अंतर
1	नाबार्ड	0.27	353.03	446.00	92.97
2	राष्ट्रीय सपाई कर्मचारी वित्तिय विकास निगम	0.00	0.00	0.59	0.59
	कुल	0.27	353.03	446.59	93.56

निवेश

बैंक का कुल निवेश पोर्टफोलियो 31.03.2022 को बढकर 5398.46 करोड तक पहुँच गया है।

पिछले वर्ष के रु. 4784.10 करोड के स्तर की तुलना में इसमें 12.84% की दर से रु. 614.36 करोड की वृद्धि हुई है।

रुपये करोडो में

विवरण	31.03.20	31.03.21	31.03.22
एसएलआर	**3624.07**	**4191.90**	**4710.36**
वृद्धि	361.72	567.83	518.46
वृद्धि %	11.09	15.67	12.37
गैर एसएलआर	**5.50**	**3.50**	**2.25**
वृद्धि	-0.50	-2.00	-1.25
वृद्धि %	-8.33	-36.36	-35.71
अन्य बैंक के साथ सवधि जमा	**691.32**	**588.70**	**685.85**
वृद्धि	229.83	-102.62	97.15
वृद्धि %	49.80	-14.84	16.50
कुल निवेश	**4320.89**	**4784.10**	**5398.46**
वृद्धि	591.05	463.21	614.36
वृद्धि %	15.85	10.72	12.84

निवेश नीति

बैंक निवेश नीति वर्ष 2008 में बनायी गयी है ऐवं समय समय पर बोर्ड द्वारा उसकी समीक्षा / संशोधन और अनुमोदन किया जाता है। हालांकि वित्त वर्ष 2018-19 से हमने अपने प्रायोजक बैंक द्वारा परिचालित समान निवेश नीति को अपनाया है, जो आरबीआई के दिशा निर्देशों के अनुरुप है, जिसकी बोर्ड द्वारा वित्त वर्ष 2021-22 में समीक्षा की गई है।

एसएलआर निवेश

एसएलआर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैकिंग विनियमन अधिनियम 1949 के धारा 24 की शर्तों के अनुसार, बैंक ने नीति में वर्णित क्षेत्रों में निवेश किए हैं। सभी एसएलआर निवेश केवल भारत सरकार / राज्य सरकार प्रतिभूतियों / सोवरेन गोल्ड बोन्ड में किये गए है। सरकारी प्रतिभूतियों की खरीदी तथा बिक्री भारतीय स्टेट बैंक के पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा विभाग द्वारा किया जाता है।

गैर-एसएलआर निवेश

गैर-एसएलआर निवेशों को अन्य अनुसूचित बैंको के टीडीआर/म्युचुअल फंड्स में निवेश किया जाता है। मूल और ब्याज की शीघ्र प्राप्ति के लिए उस पर नजर रखते है और उस पर आगे की कार्यवाही करता है। गैर-एसएलआर निवेश पोर्टफोलियो से आय के रिसाव का कोई दृष्टांत नहीं हुआ है।

सीआरआर एवं एसएलआर

बैंक ने आरक्षित नकदी निधि अनुपात (सीआरआर) और सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर) की पर्याप्त शेष राशियों के रखरखाव

की नियामक आवश्यकताओं को पूरा किया है। बैंक में एनडीटीएल को ध्यान में रखते हुए सीआरआर और एसएलआर के मूल्यांकन को अच्छी तरह से तैयार करने की व्यवस्था है। वर्ष के दौरान पर्याप्त शेष राशियों के रखरखाव में कोई चुक नहीं हुई थी, बैंक ने 31.03.2022 तक सीआरआर में रु.320.58 करोड और एसएलआर में रु.4710.36 करोड रखे है।

ऋण संविभाग

बैंक का ऋण संविभाग 31.03.2022 वित्तिय वर्ष के अंत में रु.3100.98 करोड है, जो कि पिछले वर्ष रु.2884.26 करोड था। इस प्रकार ऋण संविभाग में रु.216.73 करोड की वृद्धि हुई है। बर्ष 2021-22 में यह वृद्धि मुख्यत: रु. 104.88 करोड KCC में ,रु. 78.56 करोड SHG में, रु. 25.72 करोड गृह ऋण और रु. 73.61 करोड स्वर्ण ऋण मे है ।

कृषि क्षेत्र को ऋण

कृषि संबंधित गतिविधियों समेत तथा एसएचजी ऋण के कृषि - अंश सहित, कृषि क्षेत्र को दिए गए ऋण 31.03.2022 को रु.2039.99 करोड रहे जबकि 31.03.2021 को ये रु.1902.42 करोड था। इस प्रकार इस में रु.137.57 करोड की वृद्धि, KCC और SHG में वृद्धि के कारण हुई है। कृषि क्षेत्र में बैंक के ऋण खातो की कुल संख्या वर्ष 2020-21 में 298071 थी जो वर्ष 2021-22 में घटकर 287401 हो गई है। 27015 कृषि ऋण खाताओं की कमी रु.119.44 करोड राशि के अपलिखित करके ओर NPA में कमी के कारण हुई है।

बैंक ने गत वर्ष के रु. 1020.96 करोड के संवितरण की तुलना में इस वर्ष के दौरान कृषि क्षेत्र को रु. 1439.40 करोड के ऋणों का संवितरण किया है। KCC और SHG में नवीनीकरण के कारण, ऋण संवितरण में रु.418.44 करोड की संतोषजनक वृद्धि हुई है।

पिछले वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर कुल ऋण संविभाग में खेती और सहायक गतिविधियों का कुल ऋण संविभाग 65.95% था। 31.03.2022 को समाप्त आलोच्य वर्ष में इस संविभाग में 65.78% तक कमी आई। पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021-22 में, व्यक्तिगत ऋण में महत्वपुर्ण वृद्धि हुई है जिससे बैंक का कुल ऋण संविभाग बढ.गया है और जिसके कारण कृषि क्षेत्र के हिस्सेदारी में कमी आई है ।

संशोधित किसान क्रेडिट कार्ड सिस्टम में फसल ऋण

भारत सरकार और नाबार्ड के दिशा निर्देशानुसार, हमने खरीफ-2012 से फसल ऋण उधारकर्ताओं के लिए संशोधित किसान क्रेडिट कार्ड सिस्टम को लागू किया है। ऋण सीमा को 5 साल के लिए निश्चित किया जाता है और दस्तावेज अधिकतम अनुमेय सीमा के लिए प्राप्त किया जाता है। वर्ष वार सीमा को वित्तपोषण के वर्तमान पैमाने के आधार पर और निवेश की भावी लागत को ध्यान में रखते हुए निश्चित किया जाता है।

हमने पिछले वित्तीय वर्ष में. रु.1216.36 करोड के बकाया क्रेडिट के साथ 234266 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गये थे। जबकी आलोच्य वर्ष में रु.1329.22 करोड बकाया क्रेडिट के साथ 229434 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गये।

वर्ष 2021-22 के दौरान, हमने 161580 केसीसी कार्ड धारकों को रु. 1007.62 करोड की राशि संवितरित की जबकि वर्ष 2020-21 के दौरान ये आँकडे क्रमश: 124159 कार्ड धारक एवं रु 746.76 करोड थे।

ब्याज अनुदान (भारत सरकार)

बैंक ने भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार सभी फसल ऋण उधार कर्ताओं के लिए, जिन्होंने 3.00 लाख रुपये तक ऋण लिए है, 7% प्रति वर्ष (अग्रिम)की ब्याज दर लागू की है, भारत सरकार इस पर 2% प्रतिवर्ष की दर से अनुदान प्रदान कर रहा है । वर्ष 2021-22 के दौरान 2% ब्याज के अनुदान पर भारत सरकार से रु.10,07,17,740/- रुपये की राशि का दावा किया है । भारत सरकार द्वारा दिए गये निर्देशों के अनुसार हमने तुरंत वापसी भुगतान करने वाले किसानों के लिए दी गई ब्याज पर 3% प्रोत्साहन राशि को संबंधित लाभभोगियों को अग्रेषित कर दिया है जो कि रु. 2,56,96,472/- है और तदानुसार भारत सरकार को दावा प्रस्तुत किया गया है।

फसल ऋण - ब्याज अनुदान (ओडिशा सरकार)

ओडिशा सरकार ने 2015-16 से रु.3.00 लाख सीमा तक फसल ऋण लेने वालों के लिए 2%तक ब्याज अनुदान लागू की है। SLBC/ODI/76/2015-16 के अनुसार, किसानों को यह 2% ब्याज अनुदान दिया जाता है और उनसे सभी फसल ऋणों में 5% ब्याज दर ली जाती है। इस योजना के तहत, किसानों को ब्याज के 2% हिस्से का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। हमने वर्ष 2021-22 के दौरान प्रतिपूर्ति के लिए रु.13,22,90,891/- का अपना दावा ओडिशा राज्य सरकार को भेजा है। इस के अलावा ओडिशा सरकार रु.50,000/- सीमा तक की फसल ऋण लेने वालों को 1% अतिरिक्त ब्याज अनुदान प्रदान कर रहा है, और KALIA योजना के हिताधिकारियों को भी 1% अतिरिक्त ब्याज अनुदान प्रदान कर रहा है। हमने 2021-22 के दौरान रु.91,64,281/- का अपना दावा रु.50,000/- सीमा तक वालों को 1% ब्याज अनुदान और और KALIA योजना के हिताधिकारियों को भी 1% अतिरिक्त ब्याज

अनुदान की दर से रु.51,63,519.00 का दावा ओडिशा सरकार को भेजा है एवं यह राशि प्राप्त होने पर लाभार्थीयों को प्रदान किया जाएगा ।

ग्राम सभाओं का आयोजन

ग्राहकों को, विशेषतया किसानों को अपने फसल ऋणों को नवीकृत करने के लिए सभी शाखाओं द्वारा ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया है। कोविड १९ के बावजूद किसानों को कवर करने के लिए सुबह और शाम के समय इन सभाओं का आयोजन किया गया है और फसल बीमा योजना के परिलाभों के लिए योग्य बनने के लिए अपने फसल ऋण खातों के नवीकरण करने की आवश्यकता से उन्हें सुग्राहित कर दिया गया है। शाखा परिचालन कर्मचारियों के अलावा, क्षेत्रीय और प्रधान कार्यालय के अधीनस्थ कर्मचारी तक सब ने इन ग्राम सभाओं में भाग लिया। इस से अच्छे परिणाम निकले और फसल ऋण खातों को नवीकरण योजना का सफल कार्यान्वयन किया गया।

स्वयं सहायता समूह

आलोच्य वर्ष के दौरान हमारे बैंक ने (लगभग 4.00 लाख ग्रामीण महिलाओं को कवर करते हुए) 43278 स्वयं सहायता समूहों को वित्तपोषित किया। 31.03.2022 को इसका बकाया शेष रु.475.40 करोड रहा है।
वर्ष के दौरान बैंक ने 28404 समूहों को रु. 378.48 करोड वितरित किया।

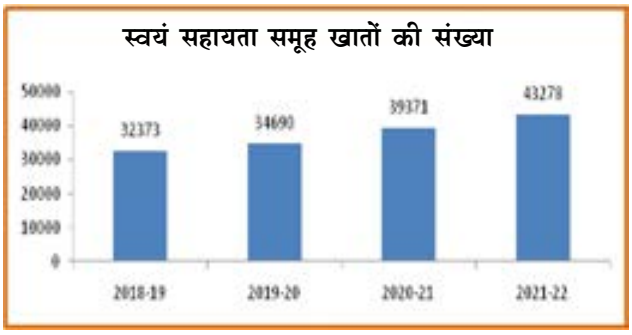

एसएचजी - ब्याज अनुदान

- महिला स्वयं सहायता समूह के लिए DAY-NRLM अंतर्गत 2021-22 आर्थिक वर्ष में ब्याज अनुदान योजना

इस योजना के अंतर्गत एनआरएलएम अथवा केंद्र व राज्य सरकार के अन्य विभागों अथवा नाबार्ड या किसी गैर सरकारी संगठन द्वारा संवर्धित ऐसे संपूर्ण महिला स्वयं सहायता समूह, जो हमारे बैंक से सम्बंन्धित है, योजना का लाभ लेने हेतु पात्र है। योजना के लिए भारत सरकार ने श्रेणी - 1 के अंतर्गत पूरे देश में 250 पिछड़े जिलों की पहचान की है। जिनमें से हमारे अधिसूचित क्षेत्र में चौदह जिले बलांगिर, देबगढ, गजपति, गंजाम, कालाहांडी, कंधमाल, कोरापुट, मलकानगिरी, नबरंगपुर, नुआपाडा, रायगढ, संबलपुर, सोनपुर और सुंदरगढ है। इन चौदह जिलों कि ऐसी सभी महिला स्वयं सहायता समूह 3 लाख रुपये तक के ऋण पर 7% व्याज अनुदान पाने योग्य है, तथा अतिरिक्त 3% व्याज अनुदान त्वरित भुगतान पर पाने योग्य है। इस तरह इन्हे 7% की दर से ऋण का भुगतान अधिकतम 3 लाख तक किया गया है और सरकार 7% तथा वास्तविक व्याज दर (12.50%) के बीच के अंतर के बरावर तक की व्याज की सहायता देगी , बशर्ते वह 5.50% से अधिक ना हो। इस संबध में हमने भारत सरकार से वर्ष 2021-22 में रु. 11,72,76,526/-, 5.5% ब्याज अनुदान में और रु. 5,46,28,059/-, 3% त्वरित भुगतान ब्याज अनुदान के लिए दावा किया है।

ओडिशा सरकार द्वारा लाई गई मिशन शक्ति योजना जो की महिला स्वयं सहायता समूह की बेहतर दृश्यक और उनमें बेहतर जागरुकता लाने के लिए लाई गई है, जिसके द्वारा ओडिशा सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों को 0% वर्षिक दर पर ऋण दे कर उन पर व्याज भार कम कर दिया है। इसमें ग्रामीण और शहरी महिला स्वयं सहायता समूह शामिल है, बशर्ते ऋण 3 लाख रुपये तक हो। यह सुबिधा 1 अप्रेल 2019 से राज्य व्याज अनुदान योजन के तहत उनको प्रमोट करने वाली एजेंसीओं की परवाह किए बिना उपलब्ध है। ओडिशा सरकार के मिशन शक्ति विभाग ने स्वयं सहायता समूह के बैंक लिंकेज और व्याज अनुदान के लिए BLIS पोर्टल विकसित किया है, जिसके द्वारा उपयुक्त व्याज अनुदान की गणना की जाती है और उसे योग्य महिला स्वयं सहायता समूह के खातो में डि.बि.टी के द्वारा जमा कर दिया जाता है । हमारे बैंक ने ओडिशा सरकार के मिशन शक्ति विभाग के साथ महिला स्वयं सहायता समूह की जानकारी BLIS पोर्टल पर साझा करने के लिए MOU पर हस्ताक्षर किया हैं । तदानुसार हमारे बैंक की आवश्यक स्वयं सहायता समूह की जानकारी वित्त वर्ष 2021-22 के लिए ओडिशा सरकार के BLIS पोर्टल पर डाल दी गयी है, जिससे संबधित विभाग उपयुक्त ब्याज अनुदान की राशि

महिला स्वयं सहायता समूह के खातो में डि.बि.टी के द्वारा जमा कर देता है ।

श्रेणी -2 के जिलें जो की बरगड, बौध और झारसुगुडा जो हमारे कार्य क्षेत्र में आते हें इनमें सभी महिला स्वयं सहायता समूह को ब्याज अनुदान में किसी भी प्रकार की रियायत भारत सरकार द्वारा प्रदान नही की जाती है, जिसके कारण हमारे बैंक की ब्याज दर इन सभी महिला स्वयं सहायता समूह के लिए इन जिलों में 12.50% है ।हालाकिं ओडिशा सरकार के मिशन शक्ति विभाग इन महिला स्वयं सहायता समूहों को इन तीन जिलों में BLIS पोर्टल के द्वारा जैसा कि उपर बताया गया है ब्याज अनुदान प्रदान करता है ।

प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण सहायता

आरबीआई के परिपत्र संख्या एफआईडीडी.सीओ. योजना बीसी सं. 14/04.09.01/2016-17 दिनांक 7 जुलाई, 2016 की शर्तो के अनुसार अतिदेय ऋणों का 75 प्रतिशत प्राथमिकता क्षेत्र के होने चाहिए, जो 01.01.2016 से प्रभावी है। जिनमें (अ) कृषि (खेती ऋण, कृषि अवसंरचना, आनुषंगिक गतिविधियाँ), (आ) सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्यम (उत्पादन एवं सेवा क्षेत्र, खादी एवं ग्रामीण उद्योग और पीएमजेडीवाई के ओवर ड्राफ्ट), (इ) शिक्षा ऋण, (ई) आवास ऋण, (उ) सामाजिक अवसंरचना ऋण (ऊ) नवीकरणीय ऊर्जा (ऋ) कमजोर वर्ग (ए) अन्य (एसएचजी/जेएलजी), व्यथित व्यक्ति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के लिए गठित सरकार द्वारा प्रायोजित संस्थाओं के लिए) शामिल है।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको के लिए प्राथमिकता क्षेत्र को दिए जाने वाले ऋणों का लक्ष्य बकाये अग्रिमों का 75% है। इस के अंतर्गत निर्धारित उप-क्षेत्रीय लक्ष्य निम्न प्रस्तुत है :

श्रेणी	लक्ष	% में हमारी स्थिति
कुल प्राथमिकता क्षेत्र	कुल अतिदेयताओं का 75%	87.73
कृषि	कुल अतिदेयताओं का 18%	65.79
छोटे व सीमांत किसान	कुल अतिदेयताओं का 8%	49.42
सूक्ष्म उद्यम	कुल अतिदेयताओं का 7.50%	7.54
कमजोर वर्ग	कुल अतिदेयताओं का 15%	55.91

रुपये करोडो में

क्र. सं.		2019-20		2020-21		2021-22	
		खातो की संख्या	बकाया	खातो की संख्या	बकाया	खातो की संख्या	बकाया
1.	कमजोर वर्ग	142002	1039.37	134514	1028.47	211466	1733.84
2.	महिला ऋण ग्राहक	30149	715.73	92730	738.42	101567	888.68
3.	अल्प संख्यक वर्ग	16660	59.41	14400	50.30	13992	51.08
4.	अजा/अजजा	171595	1128.73	145238	1010.93	146983	1030.95

प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र

प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र (पीएसएलसी) के संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र संख्या एफआईडीडी.सीओ.योजना बीसी 23/04.09.01/2015-16 दिनांक 07.04.2016 के अनुसार ई-कुबेर पोर्टल पर विपणन एक सतत् प्रक्रिया है। विपणित किए सभी पीएसएलसी ३१ मार्च को समाप्त हो जाते हैं ,जो कि रिपोर्टिंग तिथि के बाद से वैध नहीं है भले ही उनकी खरीदी बिक्री की तारीख जो भी हो ।

हमने वित्त वर्ष 2017-18 से ई-कुबेर पोर्टल में कारोबार करना शुरु किया है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान हमने रु.850.00 करोड का शुद्ध पीएसएलसी कारोबार किया है तथा शुद्ध प्रीमियम लाभ रु. 17.72 करोड है, जबकि पिछले वर्ष रु. 24.10 करोड का प्रीमियम लाभ हुआ था।

राज्य की ऋण योजनाओं में भागीदारी

रुपये करोडो में

		2019-20		2020-21		2021-22	
		लक्ष्य	प्राप्ति	लक्ष्य	प्राप्ति	लक्ष्य	प्राप्ति
1.	फसल ऋण	1106.83	870.02	1217.52	746.76	1335.31	1007.63
2.	कुल कृषि तथा संबद्ध गतिविधियाँ	563.98	151.64	617.63	274.20	647.19	43.78
3.	एनएफएस	450.90	950.87	495.99	1104.74	817.45	855.43
4.	ओपीएस	251.16	25.21	279.02	25.64	393.88	58.06
5.	कुल प्राथमिकता	2372.87	1997.74	2610.16	2151.34	3193.83	2352.89
	उपलब्धि का %		84.19%		82.42%		73.66%

खुदरा ऋण

वर्ष के दौरान आवास ऋण, शिक्षा ऋण, बंधक ऋण, व्यक्तिगत ऋण, एमएसएमई, आदि खुदरा क्षेत्र के ऋणों के अंशदान को बढाने हेतु हमने विशेष ध्यान दिया। लाभ प्रदता को बढाने के लिए ऋण संविभाग के विशाखन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर, परिचालन कर्मचारियों के क्षमता वर्धन को उच्च प्राथमिकता दी गयी।

वर्षान्त स्थिति इस प्रकार है :

रुपये करोडो में

	क्षेत्र	बकाया					
		31.03.2020		31.03.2021		31.03.2022	
		खाते	राशि	खाते	राशि	खाते	राशि
	आवास ऋण	4075	196.11	3682	184.87	3638	210.59
	बंधक ऋण	127	15.70	113	12.13	97	11.51
	शिक्षा ऋण	412	10.93	308	8.18	221	5.74
	मांग ऋण	6930	56.86	6974	66.53	7023	78.31
5	एनएफएस - सावधि ऋण/एमएसएणई	19870	415.97	15929	428.91	12380	398.11
6	वैयक्तिक ऋण	1782	28.06	1419	24.86	1296	22.96
7	वैयक्तिक स्वर्ण ऋण	43415	197.56	51234	273.36	60087	346.60
	कुल	**76611**	**921.19**	**79659**	**998.84**	**84742**	**1073.82**

भारतीय प्रतिभूतिकरण, आस्ति पुन: निर्माण एवं प्रतिभूति केंद्रीय पंजी (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सेक्यूरिचाइजेशन, एसेट रीकंस्ट्रक्शन एंड सिक्युरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया - सी.ई.आर.एस.ए.आई.)

हमारे बैंक ने आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुरुप सीईआरएसएआई में पंजीकरण करा लिया है और अनुदेशों का अनुपालन किया। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुन: संरचना एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनिमय) द्वारा 31.03.2022 तक रक्षित हमारे सभी ऋणों के संबंध में साम्यिक बंधकों का सीईआरएसएआई में पंजीकरण करा लिया गया है।

इसके साथ, हमारे बैंक के पक्ष में सृजित प्रतिभूति हित का विस्तृत विवरण नागरिकों/अन्य बैंको/वित्तीय संस्थाओं आदि द्वारा खोजे जाने के लिए सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है। इसके परिणामस्वरुप, धोखाधडी एक ही संपत्ति पर एक से ज्यादा वित्तपोषण की रोकथाम की जा सकती है।

साख सूचना कंपनियाँ

हमारा बैंक चार क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) का सदस्य है, यथा - भारतीय शाख सूचना ब्युरो लिमिटेड, सीआरआईएफ हाइ मार्क क्रेडिट इनफर्मेशन सर्वीसेज प्राइवेट लिमिटेड, ईक्वी फैक्स क्रेडिट इनफर्मेशन सर्वीसेज प्राईवेट लिमिटेड और एक्सपीरियन क्रेडिट इनफर्मेशन कंपनी ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड। सीआईसी बैंकों और अन्य ऋणदाताओं से मासिक आधार पर ऋण और क्रेडिट कार्ड से संबन्धित व्यक्तियों और गैर-व्यक्तियों (वाणिज्यिक संस्थाओं) के भुगतानों का रिकार्ड एकत्र करते है और बनाए रखते है। इस जानकारी का उपयोग करके क्रेडिट इंफार्मेशन रिपोर्ट (CIR) और क्रेडिट स्कोर विकसित किया जाता है, जिससे ऋणदाता ऋण आवेदनों का मूल्यांकन और अनुमोदन कर सकते है।

हमारा बैंक CIC के वेब पोर्टाल पर डाटा का अपलोडिंग नियमित रुप से करता है और हमारे सभी क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाएं अपने ऋण निर्णयों में ऋण आवेदनों के साख इतिहास की जानकारी प्राप्त कर रहे है।

आस्ति गुणवत्ता -

क्रेडिट प्रस्तावों के केंद्रीकृत प्रसंस्करण के लिए ब्रह्मपुर, संबलपुर, बरगड और झारसुगुडा जैसे ४ केन्द्रों में आस्ति प्रबंधन केन्द्र (AMH) की स्थापना की गयी है । यह लागत प्रभावी तरीकों और व्यवसाय उन्मुख दृष्टिकोण का उपयोग करके गुणवत्तापूर्ण संपत्ति के निर्माण और बैंक के प्रदर्शन में सुधार के लिए एक उपकरण के रुप में कार्य कर रहा है । वर्तमान में यह ४ केन्द्र भौगलिक निकटता, परिचालन सुबिधा और व्यवसायिक स्तर के आधार पर ४४ शाखाओं के लिए काम कर रहे हैं ।

बर्ष के दौरान बैंक ने क्रेडिट एप्लिकेसन प्रोसेसिंग सिस्टम को स्वचालित करने का निर्णय लिया है और एक सफ्टवेयर का चयन किया है जिसे लोन ओरिजिनेटिंग सफ्टवेयर (LOS) कहा गया है । साफ्टवेयर के तीन प्रमुख शीर्ष है - खुदरा, एमएसएमई और कृषि । LOS, BANCEDGE को वास्तविक समय में डेटा भेजता एवं उससे प्राप्त करता है । इस साफ्टवेयर का कृषि भाग क्रियान्वित किया जा चुका है और अन्य दो भाग भी क्रियान्वित होने वाले है ।

कोभिड-१९ महामारी से प्रभावित इकाइयों को संपाशश्विक मुक्त ऋण प्रदान करने के लिए, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग के माध्यम से भारत सरकार ने अतिरिक्त कार्यशील पूंजी अवधी ऋण के लिए 100% गारंटी कवरेज प्रदान करने के लिए आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ECLGS) की शुरुआत की है । यह नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड (NCGTC) द्वारा गारंटीकृत है ।

अनर्जक आस्तियों का प्रबंधन

अनर्जक आस्तियाँ 31 मार्च 2021 के रु.854.21 करोड़ से 31.03.2022 को रु.675.70 करोड़ तक, यानी कुल रु.178.51 करोड़ तक कम हो गई।

कुल अग्रिमों के प्रतिशतता के रुप में सकल एनपीए 31.03.2021 के 29.62% से कम हो कर 31.03.2022 को 21.79% तक आ गया है। निवल एनपीए (निवल अग्रिमों के प्रतिशतता के रुप में) 16.06% से कम हो कर 8.34% हो गया है। निवल एनपीए रु. 388.50 करोड़ से कम हो कर रु.220.77 करोड़ हो गया है।

आस्ति वर्गीकरण : रुपये करोडो में

आस्थियाँ	2019-20		2020-21		2021-22	
	बकाया	%	बकाया	%	बकाया	%
मानक	2083.82	72.00	2030.05	70.38	2425.28	78.21
अवमानक	84.68	2.93	200.07	6.94	65.37	2.11
अशोध्य एवं संदिग्ध	666.52	23.03	614.26	21.30	573.84	18.51
हानि	59.17	2.04	39.88	1.38	36.49	1.18
कुल एन्पीए	810.37	28.00	854.21	29.62	675.40	21.79
कुल अग्रिम	2894.19	100.00	2884.26	100.00	3100.98	100.00

एनपीए में कमी के लिए रणनीतियाँ

एनपीए की कटौती/रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाए गए

1. निगरानी योग्य कार्य योजना (एमएपी) त्रैमासिक आधार पर तैयार की गई और आरबीआई, नाबार्ड को प्रदान की गई और निष्पादित कार्य समीक्षा के लिए बोर्ड को प्रस्तुत किया गया।

2. अधिक एनपीए वाली शाखाओं द्वारा नए ऋण की मंजूरी पर प्रतिबंध, उन्हें एनपीए की केंद्रित निगरानी और पूनर्पाप्ति / उन्नयन के लिए स्वतंत्र किया गया।
3. शाखा वार और क्षेत्रवार लक्ष्य अलग-अलग मापदंडों के तहत आवंटित किए गए हैं जिनका उद्देश्य नियमित आधार पर निगरानी करना है।
4. एन पि ए कि कमी/वसूली के लिए शाखाओं की निगरानी , सहयता तथा मार्गदर्शन के लिए, सेवानिवृत्त अधिकारीयों को क्षेत्रीय कार्यालयों के वार् रुम में तैनात कियागया ।
5 दबावग्रस्त परिसंपत्तियों की निगरानी के लिए आस्ति निगरानी केन्द्र की स्थापना मुख्य कार्यालय में किया गया है ।
6. उच्च मूल्य ऋण की मासिक समीक्षा बकाया के आधार पर नियंत्रकों द्वारा किए गए -
   अ. रु 2 लाख से रु. 5 लाख - प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रबंधक अग्रिम द्वार।
   आ. रु. 5 लाख से अधिक - क्षेत्रीय प्रबंधकों द्वारा
   इ. 10 लाख से ऊपर - संबंधित महाप्रबंधकों द्वारा नियमित पखवाडा समीक्षा और अध्यक्ष द्वारा मासिक समीक्षा
7. उच्च मूल्य एनपीए के अनुवर्तन और वसूली के लिए SARB का सुदृढीकरण।
8. अधिक एनपीए वाली शाखाओं को, अनुवर्तन करते हुए एनपीए को कम करने के लिए, प्रधान कार्यालय / क्षेत्रीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों के बीच आबंटित किया गया।
9. शाखाओं के प्रदर्शन को जानने के साथ-साथ उनके बीच प्रतिस्पर्धात्मक माहौल बनाने के लिए इंट्रानेट साइट को मजबूत किया गया।
10. क्षेत्रीय कार्यालय / प्रधान कार्यालय अधिकारियों द्वारा एनपीए उधारकर्ताओं को टेलीफोन / व्यक्तिगत कॉल।
11. वसूली-सह-नवीकरण शिविरों और रात्रि शिविरों का आयोजन।
12. प्रदर्शन समीक्षा बैठकों और एनपीए समीक्षा बैठकों के दौरान उच्च मूल्य एनपीए पर विशेष ध्यान।
13. एनपीए में कमी और प्रगति की निगरानी के लिए तीन अलग-अलग अभियान चलाए गए।
14. जब्ती और नीलामी में शीघ्रता आई।
15. सरफेसी अधिनियम अधिनियम के तहत कारिवाई - 13(2) व 13(4) नोटिस जारी की गई और कब्जे और नीलामी की गई।
16. डीआरटी मामलों की दायर करना और उसकी निगरानी तेज की गयी।
17. बोर्ड के अनुमोदन के साथ विशेष ओटीएस रु.5.00 लाख तक के ऋणों के लिए लागू किया गया है।
18. लोक अदालतों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई।
19. बैंक अदालत हर महीने नियमित रुप से आयोजित की गई।
20. नियमित वसूली के साथ-साथ, आवश्यक प्रशिक्षण के बाद 24 योग्य बीसी-सीएसपी को वसूली एजेंटों के रुप में तैनात किए गए है।
21. सरफेसी क्रिया के लिए समाधान ऐजेन्सियों को लगाया गया है ।

ऐसी रणनीतियों के मुख्य परिणाम निम्नानुसार है :

एनपीए न्यूनीकरण अभियान

एनपीए कम करने के लिए 3 अभियान को चालू किया गया - केसिसि ऋणके लिए "कितना बाकि रहा", एस.एच्.जि. ऋणके लिए "एस.एच्.जी. नवीकरण", SME और अन्य P-सेगमेंट ऋण की कमी के लिए "स्टार शाखा अभियान"। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान इन तीन अभियानों के तहत उपलब्धियां निम्नानुसार है :

रुपये करोडो में

कितना बाकि राहा		एस्.एच्.जि. नबीकरण		स्टार शाखा अभियान	
खातों की संख्या	वसूली	खातों की संख्या	वसूली	खातों की संख्या	वसूली
30165	161.71	5167	39.63	7343	66.34

NPA ह्रास करने के लिए 01.07.2021 'UGB Special OTS 2021-22' नामक नया अभियान चालु किया गया।

रुपये करोडो में

31.03.2022 को UGB Special OTS अभियान के उपलब्धियां			
खातों की संख्या	बकाया राशि	तय राशि	वसूली राशि
8462	54.13	35.04	23.42

शाखाओं द्वारा रात्रि शिविर / ऋण आदाय शिविर आयोजित किए गए। 3548 शिविरों के माध्यम से रु. 70.01 करोड रुपये वसूल किए गए। SARFAESI कारवाई से 347 खाताओं से रु. 3.71 करोड वसूली किया गया ।

AUCA वसूली के लिए 01.07.2021 से 'Conquer AUCA' नामक नया अभियान चालु किया गया एवं ईस अभियान में 31.03.2022 तक रु. 23.69 करोड वसूल किया गया , जबकि 31.03.2021 तक इस में रु. 10.75 करोड वसूल किया गया था।

तनावग्रस्त संपत्ति वसूली शाखा

चापग्रस्त संपत्ति वसूली शाखा (SARB) को उच्च मूल्य एनपीए खातों को संभालने के लिए मजबूत किया गया और शाखाओं से उच्च ऋणों के प्रवास के लिए और कानूनी कारवाई /SARFAESI कारवाई शुरु / जारी रखने के लिए सौंपा गया। SARB 141उच्च मूल्यों के NPA खातों के रु.30.22 करोड एवं 61 AUCA खातों के रु. 11.24 करोड बकाया को संभाल रहा है।

2021-22 वित्त वर्ष के दौरान SARB द्वारा रु. 7.94 करोड की NPA वसुली एवं रु. 5.32 करोड मूल्य के 15 समझौता प्रस्ताव स्वीकृत किये गये है।

समझौते द्वारा निपटान

वर्ष 2021-22 के दौरान बैंक ने समझौतों द्वारा निपटान के अंतर्गत कई वर्षों से अतिदेय रहे ,एनपीए खातों में अधिक मात्रा में वसूलियाँ की।

रुपये करोडो में

समझौता	2019-20	2020-21	2021-22
खातों की संख्या	8640	5693	9383
राशि	51.97	49.10	51.17

लोक अदालत, बैंक अदालत, UGB Special OTS, Special OTS for Tractor एवं अन्य समझौता द्वारा यह निपटान कि गई है।

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली - निरीक्षण व लेखा परीक्षा

बैंक की सभी क्रिया-कलाप आंतरिक लेखा परीक्षा के अधीन हैं, जिसमें मुख्य रुप से सभी शाखाओं के लिए लागू जोखिम केन्द्रित लेखा परीक्षा (आरएफआईए) शामिल है। बैंक के 50% कारोबार को समवर्ती ऑडिट, 1 करोड से ऊपर के ऋण खातों के लिए क्रेडिट ऑडिट, तथा आवश्यकतानुसार क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा स्नैप ऑडिट और नवप्रवर्तित अनुपालन ऑडिट किए गए है।

जोखिम केन्द्रित लेखा परीक्षा (आरआईएफए)

हमारे प्रायोजक बैंक, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा सुझाये, जोखिम केन्द्रित लेखा परीक्षा (आरएफआईए) बैंक में अगस्त - 2013 से शुरु किया गया है। मानदंडों को और कठिन बनाने , बैहतर रेटिंग के लिए योग्य बनने हेतु बैंक ने निरीक्षण रेटिंग के न्यूनतक मानदंडों को दिनांक 08.11.2016 से परिवर्तित किया है। लेखापरीक्षा प्रणाली को और मजबूत करने के लिए, हमारे प्रायोजक बैंक द्वारा सलाह के अनुसार जोखिम केन्द्रित लेखा परीक्षा (आरएफआईए) का नया प्रारुप बैंक में 30.12.2017 से शुरु किया गया है।

वर्ष के दौरान 287 शाखाओं की लेखा परीक्षा होनी थी और 212 शाखाओं की लेखा परीक्षा की जा चुकी है। 212 शाखाओं द्वारा प्राप्त रेटिंग निम्नवत् है :

रेटिंग	वर्ष 2021-22 के दौरान लेखा परिक्षित 212 शाखाओं में से
खूब नियंत्रित - A+	02
पर्याप्त नियंत्रित - A	208
साधारण रुप से नियंत्रित - B	02
असंतोषजनक नियंत्रण - C	Nil
कुल योग	212

302 लेखापरीक्षा रिपोर्टो में से, जो वर्ष के दौरान बंद होने की थीं , 216 का अनुपालन किया गया है और निपटाया गया है।

संगामी लेखा परीक्षा

हमारे बैंक में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के एक हिस्से के रुप में, नाबार्ड द्वारा जारी किये गये नीति निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2017-18 से संगामी लेखा परीक्षा शुरु की गयी है। कर्मचारी उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए 14 लेखा परीक्षकों की सहायता से 84 शाखाओं में संगामी लेखा परीक्षा की जाती है। हम अनुबंध आधार पर सेवा निवृत्त बैंक अधिकारियों को संगामी लेखा परीक्षक नियुक्त करते है।

संगामी लेखा परीक्षा इस आशय से तैयार किया गया है कि वह (१) नकद धारण (२) प्रतिभूतियों की अभिरक्षा (३) विवेकाधिकारों का प्रयोग (४) विविध और उचंत खाते (५) समाशोधन के अंतर (६) तुलन पत्र की बाह्य मदें, सुरक्षा मद, आस्ति गुणवत्ता की जाँच, आदि कवर करे।

इनके अलावा, कार्य क्षमता स्तरों को बढाने के लिए निम्न लेखा परीक्षाएं भी की गयी है।

सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा

बैंक का डाटा सेंटर हर साल सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा के अधीन होता है। CISA योग्य ऑडिटर की मदद से 8 क्षेत्रीय कार्यालयों और प्रमुख कार्यालय में IS ऑडिट भी आयोजित किया गया। सीमित आईटी आर्किटेक्चर वाली शाखाएं RFIA ऑडिट के दौरान कवर की जाती है।

क्रेडिट ऑडिट

वित्तवर्ष 2020-21 के दौरान सभी 24 योग्य ऋण खातों को क्रेडिट ऑडिट के अधीन किया गया और उनकी ऑडिट रिपोर्ट का अनुपालन किया गया और निपटाया गया। वित्तवर्ष 2021-22 के दौरान क्रेडिट ऑडिट नही किया गया ।

बोर्ड की लेखा समिति

बैंक बोर्ड की लेखा समिति का गठन किया गया है। उप महाप्रबंधक, (FI & MF), भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, भुवनेश्वर (बैंक बोर्ड में निदेशक) लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष हैं। उप महाप्रबंधक (NABARD), ओडिशा क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर (बैंक बोर्ड में निर्देशक), उप महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, भुवनेश्वर (बैंक बोर्ड में निर्देशक) और उपसचिव, वित्तीय बिभाग, ओडिशा सरकार (बैंक बोर्ड में निर्देशक) लेखा परीक्षा समिति के सदस्य हैं। समिति ने वर्ष के दौरान 3 बार बैठक की और निरीक्षण गतिविधियों, परिसंपत्ति प्रबंधन और बैंक की लेखा स्थिति की निगरानी की।

प्रबंधन लेखा परीक्षा

हमारे प्रायोजक बैंक द्वारा नवंबर 2020 में हमारे बैंक की प्रबंधन लेखापरीक्षा की गई है। दिनांक 12.01.2021 की प्रबंध लेखा परीक्षा

की अनुपालन रिपोर्ट, हमारे द्वारा अंतिम कारिवाई रिपोर्ट के साथ हमारे प्रायोजक बैंक को प्रस्तुत किया गया है। वित्तवर्ष 2021-22 के दौरान प्रबंधन लेखापरीक्षा नही की गई है ।

बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35(6) के अंतर्गत नाबार्ड का निरीक्षण

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार हमारे बैंक की लेखा परीक्षा की है। अंतिम अनुपालन रिपोर्ट निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत की गई है।

बैंक का नीतिगत ढांचा

हमारे कार्यों में एकरुपता लाने के लिए हमने बैंकिंग के सभी क्षेत्रों की पहचान और उसके लिए नीतिगत ढांचा तैयार करने के लिए प्रयास किया है। नीतियों को बनाते समय हमने भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, प्रायोजित बैंक और बैंकिंग से संबंधित विभिन्न अधिनियमों में निहित सामान्य नीतियों को ध्यान में रखा है। बैंक की रिकार्डों में फिलहाल निम्न नीतियाँ है। इन पर बोर्ड बैठकों में विधिवत् चर्चा के बाद इन्हें अनुमोदित किया गया है।

1. जोखिम प्रबंधन नीति
2. परिसम्पत्तियां और देयताएं प्रबंधन नीति
3. निवेश नीति
4. ऋण नीति
5. केवाईसी / एएमएल नीति
6. ब्याज दर नीति
7. ग्राहक शिकायतें / शिकायत निवारण नीति
8. ग्राहक अधिकार नीति
9. जमाकर्ता शिक्षा और जागरुकता निधि (डीईएएफ) योजना की नीति और बैंक में अदावित जमा राशियाँ और अपरिचालित खाते
10. वसूली और एनपीए प्रबंधन नीति
11. व्यवसाय निरंतरता योजना
12. वित्तीय समावेशन एवं बैंक मित्र नीति
13. सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नीति और सूचना सुरक्षा (आईएस) नीति
14. ईंटरनेट बैंकिंग नीति
15. साइबर सुरक्षा नीति
16. आंतरिक लेखा परीक्षा नीति
17. सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा नीति
18. संगामी लेखा परीक्षा नीति
19. क्रेडिट ऑडिट पॉलिसी
20. सतर्कता नीति
21. सावधान करने की (विजिल ब्लोइंग) नीति
22. धोखाधडी जोखिम प्रबंधन नीति
23. स्टाफ अलर्टनेस अवार्ड नीति
24. अधिप्राप्ति नीति
25. ई-कचरा प्रबंधन नीति
26. स्थानांतरण नीति
27. प्रशिक्षण नीति
28. जाली नोटों के पता लगाने, अवरुद्ध करने और रिपोर्टिंग से संबंधित मानक परचान प्रक्रिया (एसओपी)
29. एसेट्स प्रबंधन हब पर मानक संचालन प्रक्रिया
30. स्वर्ण आभूषण के बंधक के प्रति ऋण नीति
31. समझौता नीति
32. लोक अदालत - मानक परचान प्रक्रिया (एसओपी)
33. सरफेसी के अन्तर्गत कब्जे किए गये संपत्ति की बिक्री हेतु - मानक परचान प्रक्रिया (एसओपी)
34. पट्टा परिसर नीति (एसओपी)
35. आग जनित दुर्घटना नीति (एसओपी)
36. सी सी टी वी नीति (एसओपी)

ये नीतियाँ यह सुनिश्चित करने के लिए सहायक है कि बैंक गतिविधियों के प्रत्येक महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए बैंक के पास प्रभावी और निरुपित सिस्टम और प्रक्रियाएँ है। विनियामक आवश्यकताओं के अनुपालन करने में वे परिचालन कर्मचारियों का मार्गदर्शन भी करते है।

वित्तीय समावेशन

वित्तीय समावेशन स्वतंत्रता के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंग उद्योग की चिंता का विषय रहा है। समाज के असंबद्ध और वंचित लोगों के घर पर बैंकिंग सेवा प्रदान करने की हमारी पहल के पीछे उत्तोलन प्रौद्योगिकी मूल विचार है।

वित्तीय समावेशन के एक हिस्से के रुप में, बैंक के पास 1088 बैंक मित्र (सीएसपी) काम करते है। जो 10887 गाँवों को कवर करते हैं, जिनमें किसी भी बैंक का औपचारिक बैंकिंग आउटलेट नहीं है। 10887 में से 315 गाँव 2000 और उससे अधिक की आबादी वाले हैं और शेष 10572 गाँव जिनकी आबादी 2000 से कम है। बैंक मित्र 6 कॉर्पोरेट बिजनेस कॉरेस्पन्डेंस (बीसी) द्वारा तैनात किए जाते हैं। बैंक के लिए काम करने वाले कॉर्पोरेट बीसी सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड, ऑर्गनाईजेशन फॉर डेवलपमेंट इंटीग्रेटेड सोशल एंड हेल्थ एक्शन (ODISHA), फिआ टेक्नोलोजि सर्विसेज प्रा. लिमिटेड (FIA), समृद्धि समावेशी विकास नेटवर्क (SIGN), जीरो-मास प्रा. लि. (ZMPL) और ओडिशा आजीविका मिशन (OLM) है। नाबार्ड से वित्तीय सहायता (एफआईएफ (वित्तीय समावेशन फंड) के माध्यम से) के साथ कनेक्टिविटी समस्याएँ होने वाले (जिसे डार्क और ग्रे क्षेत्र के रुप में पहचाना गया है) 381 स्थानों पर बैंक ने सौर ऊर्जा संचालित वी-सैट स्थापित की है। लेन-देन के लिए बैंक मित्रों को माइक्रो एटीएम भी प्रदान किए जाते है।

बैंक मित्र एक निश्चित स्थान कियोस्क पर हमारे सीबीएस प्लेटफॉर्म में वास्तविक समय के आधार पर बैंकिंग लेनदेन करते हैं। निम्नलिखित बैंकिंग लेनदेन बैंक मित्र पॉइंट्स पर किए जाते हैं।

क. बचत बैंक और आवर्ती जमा खाता खोलना
ख. नकद निकासी और जमा
ग. ऋण की किस्तों की प्राप्ति
घ. AEPS-Offus और AEPS-Onus पर लेनदेन एवं वित्तीय और गैर वित्तीय जैसे शेषराशि पूछताछ एवं मिनी स्टेटमेन्ट.
ङ. रूपे डेबिट कार्ड से Off us और On us लेन-देन
च. सामाजिक सुरक्षा योजना जैसे PMSBY,PMJJBY एवं APY का किओस्क में पंजीकरण ।

KIOSK में संपूर्ण वित्तीय समावेशन (FI) ऑपरेशन लाभार्थियों के बायोमेट्रिक सत्यापन के सिद्धांत पर काम करते हैं और ऑनलाइन होते हैं, हमारे CBS सर्वर को तुरंत हिट करते हैं, जो वास्तविक समय के आधार पर CSPs द्वारा किए गए लेनदेन के अपडेशन की सुविधा CBS सर्वर में प्रदान करते हैं। ग्राहक का आधार नंबर डालकर AEPS का लेनदेन हो रहा है। माइक्रो एटीएम के माध्यम से, ग्राहक लेनदेन के लिए अपना एटीएम कार्ड स्वैप करता है। कुल बैंक लेनदेन के साथ तुलना करने पर, बैंक मित्र में किए गए लेनदेन का हिस्सा (%) निम्नलिखित है :

क्रं.	बैंक मित्र चैनल	कुल लेनदेन का %	
		2020-21	2021-22
1	नकद निकासी और जमा	4.82	3.69
2	AEPS - Onus	2.53	3.63
3	AEPS - Offus	1.56	2.23
4	रूपे डेबिट कार्ड से लेन-देन	0.31	0.22
5	कुल समग्र प्रतिशत	9.22	7.48

वित्त वर्ष 2021-22 के अंत में बैंक मित्र द्वारा 9,70,888 बचत बैंक जमा खाता खोले गए (CASA शेष रु.195.40 करोड)। बैंक मित्रा द्वारा खोले और बनाए गए आवर्ती जमा खातों की संख्या 2985 है (रु. 0.79 करोड रुपये की शेष राशि के साथ)

वित्तीय समावेशन - खातों में आधार सीडिंग और वैध मोबाइल नंबर इनपुट करना

आधार सीडिंग की प्रक्रिया को तेज करने के लिए, हमने अपने कॉर्पोरेट बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट्स के साथ मामला उठाया है। मौजूदा ग्राहकों की आधार संख्या एकत्र करने के लिए बैंक द्वारा बैंक मित्रों को प्रोत्साहित किया जाता है। मौजूदा ग्राहकों के वैध मोबाइल नंबरों को शामिल करने के लिए बैंक मित्रों को प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जा रहा है।

वित्तीय समावेशन सामाजिक सुरक्षा योजनाएं

(PMJJBY, PMSBY & APY)

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY)

हमने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 73158 नए ग्राहकों को शामिल किया है, जो कुल खातों को 144777 तक ले गए हैं। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान PMJJBY के तहत कुल 194 दावों को रु. 388.00 लाख में निपटाया गया।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY)

हमने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 110738 नए ग्राहकों को पंजीकृत किया है, जो कुल खातों को 423709 खातों तक ले गए हैं। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान PMSBY के तहत कुल 18 दावों को रु. 36.00 लाख में तय किया गया था।

अटल पेंशन योजना (APY)

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अटल पेंशन योजना (APY) के तहत कुल 12775 नामांकन किया गया, जो कुल 54206 खातों तक ले गए हैं। हमारे बैंक को अक्टुबर-नवम्बर 2021 के दौरान PFRDA के अभियान "MAKERS OF EXCELLENCE(5.0)" में AWARD OF EXCELLENCE से सम्मानित किया गया है ।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह (FLW)

हमारे बैंक ने " डिजिटल चुनो, सुरक्षा के साथ " विषय के साथ 14 फरवरी से 18 फरवरी 2022 तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया। जनता के बीच वित्तीय साक्षरता बढाने के लिए निम्नलिखित तीन विषयों को केन्द्रित किया गया है ।

क. डिजिटल लेनदेन की सुविधायें ।

ख. डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा

ग. ग्राहकों का संरक्षण

शिविरों के दौरान पर्चे, ब्रोशर और बैनर के रुप में प्रचार सामग्री को ग्राहकों में वित्तीय जागरुकता का संदेश फैलाने के लिए वितरित किया गया।

आधार नामांकन और अद्यतन केंद्र

हमारे बैंक ने अपने ग्राहकों सहित आधार नामांकन और अद्यतन की सेवाओं का विस्तार करने के लिए यूआईडीएआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार 10% ब्रांच नेटवर्क यानी 45 स्थानों पर आधार नामांकन केंद्र खोलने का काम शुरु किया है। हम सेवा प्रदाता मैसर्स ODISHA की मदद से आउटसोर्स मॉडल में आधार नामांकन और अद्यतन केंद्र का संचालन कर रहे हैं।

प्रति विक्रय

एसबीआई जीवन बीमा

गैर-ब्याज आय के अर्जन के साथ-साथ, वित्तीय समावेशन के एक अंश के रुप में तथा बैंक ग्राहकों के जीवन बीमा आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु बैंक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कार्पोरेशन लिमिटेड का कार्पोरेट एजेंट बन गया। बैंक वर्ष 2021-22 के दौरान रु.9.42 करोड के नये व्यापार प्रीमियम (एनबीपी) का संग्रहण कर रु.2.06 करोड का कमीशन अर्जित किया जबकि पिछले वर्ष 2020-21 के दौरान रु.7.53 करोड के नये व्यापार प्रीमियम (एनबीपी) का संग्रहण कर रु.1.69 करोड का कमीशन अर्जित किया गया।

एसबीआई सामान्य बीमा

कार्पोरेट एजेंट की हैसियत से हमने वर्ष 2016-17 में एसबीआई सामान्य बीमा व्यापार शुरु किया और ग्रूप हेल्थ बीमा योजना और ग्रूप व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना नाम के दो उत्पादों का भी विपणन करने के साथ-साथ हमने इच्छुक ऋणकर्ताओं को वित्तपोषित आस्तियों के लिए बीमा प्रदान किया। बैंक वर्ष 2021-22 के दौरान रु. 73.24 लाख के नये व्यापार प्रीमियम (एनबीपी) का संग्रहण कर रु.7.50 लाख का कमीशन अर्जित किया। जबकि पिछले वर्ष 37.00 लाख के नये व्यापार प्रीमियम (एनबीपी) का संग्रहण कर रु.4.00 लाख का कमीशन अर्जित किया गया था।

सूचान प्रौद्योगिकी

बैंक ने निम्नलिखित नई सूचना प्रौद्योगिकी पहल शुरु की है :

तत्काल भुगतान प्रणाली (IMPS) रिमिटर

लाभभोगी बैंक के रुप में IMPS सुविधा अक्टुबर 2015 में प्रायोजक बैंक के उप सदस्य के रुप में शुरु की गई।

AEPS - आधार-पे :

हमारे ग्राहकों को हमारे बैंक के आधार लिंक्ड खाते का उपयोग करके व्यापारी प्रतिष्ठानों में नकद रहित लेनदेन करने में सक्षम बनाने के लिए, बैंक में आधार-पे (जारीकर्ता) सुविधा शुरु की गई है। इस सुविधा का उपयोग करके हमारे बैंक ग्राहक, अन्य बैंक के आधार भुगतान एप्लिकेशन का उपयोग करके आउटलेट पर नकद रहित लेनदेन करने में सक्षम है।

वैकल्पिक वितरण चैनल (ADCs) :

पारम्परिक बैंकिंग माध्यम से लेन-देन के तुलना में वैकल्पिक वितरण चैनलों के माध्यम से बैंकिंग लेन-देन में वृद्धि हो रहा है, जिससे शाखाओं में ग्राहकों की भीड काफी कम हो गयी है। जिसके परिणामस्वरुप विपणन और व्यवसाय विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है। बैंक द्वारा शुरु किए गए विभिन्न वैकल्पिक वितरण चैनलों ने ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाया है।

RTGS / NEFT

हम अपने प्रायोजक बैंक के माध्यम से शाखाओं में RTGS / NEFT लेनदेन कर रहे हैं।

डेस्कटॉप एटीएम

ग्राहकों को छोटी रकम निकालने की सुविधा के लिए बैंक ने प्रायोगिक परियोजना आधार पर हमारे पांच शाखाओं में डेस्कटॉक एटीएम स्थापित किए हैं। यह किसी भी अन्य एटीएम की तरह काम करता है और अन्य बैंक ग्राहक भी अपना पैसा निकाल सकते हैं। डेस्कटॉप एटीएम के लिए अलग एटीएम रुम की कोई आवश्यकता नहीं है और कोई सुरक्षा समस्या नहीं है।

माईक्रो एटीएम

नाबार्ड से वित्तीय सहायता (एफआईएफ (वित्तीय समावेशन फंड) के माध्यम से समस्त शाखाओं में माईक्रो एटीएम उपलब्ध करवाया गया है । इसी के द्वारा शाखाओं मे लेनदेन सहज तथा सुबिधा मे हो रहा है ।

सीबीएस में एनपीए मॉड्यूल का उन्नयन

हमने एनपीए को बेहतर नियामक अनुपालन के साथ ट्रैक करने के लिए सीबीएस प्रणाली में एग्री एंड यूआरआई मॉड्यूल के उन्नत संस्करण को लागू किया है और वर्तमान में सभी एनपीए डेटा, सिस्टम उत्पन्न होते हैं।

वेब बेस्ड संगामी लेखा व्यबस्था (WEBCAS)

यह एक संगामी लेखा व्यवस्था हैं, जो कि मुख्य रुप से एक नियन्त्रण प्रक्रिया, बेहतर लेखांकन कार्यो की स्थापना का अभिन्न अंग, प्रभावी नियन्त्रण और सतत आधार पर संचालन की निगरानी करना हैं। इसकी सतत् रुप से RBI के निर्देशानुसार, हमारे बैंक के अग्रिम और अन्य जोखिम को ढकने के लिए समीक्षा की जाती है। इस संगामी लेखा व्यवस्था का पुर्नरुत्थान किया गया हैं साथ ही WEB आधारित व्यवस्था भी लाई गई है।

डिजिटल खाता खोलना:

इस डिजिटल युग में, डिजिटल अर्थव्यवस्था में हमारा योगदान देते हुए हमारे बैंक मे ग्राहको को निर्बाध सेवाओं के वितरण के लिए UGB DIGI (Utkal Grameen Bank Digital Savings Account) Video KYC के द्वारा और UGB INSTA (Utkal Grameen Bank Insta Savings Account) की शुरुआत की गई है।

स्वयं पासबुक कियोस्क:

हमाने बैंक ने विभिन्न शाखाओं मे 16 स्वयं पासबुक कियोस्क की स्थापना की है। यह हमारे ग्राहको को परेशानी रहित पासबुक छापने मे हमे सक्षम करता है।

सूचना सुरक्षा :

बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए बैंक अत्यधिक महत्व देता है। बैंक ने सूचना सुरक्षा नीति, सूचना प्रौद्योगिकी नीति तैयार की है और बोर्ड की स्वीकृति प्राप्त करने के बाद इसे लागू किया है। एक नीति के रूप में। हमारे एप्लिकेशन सेवा प्रदाता मेसर्स सी-एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड में बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी परिसंपत्तियाँ, बाहरी आईएस ऑडिट एजेंसी द्वारा वर्षिक आधार पर सूचना सुरक्षा समीक्षा के अधीन हैं। बैंक के नियंत्रण कार्यालय आवधिक अंतराल पर बाहरी एजेंसी द्वारा सूचना सुरक्षा लेखा परीक्षा के अधीन हैं।

सीबीएस आवेदन में प्रवेश के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण प्रणाली सभी शाखाओं में लागू की गई है। यह आवेदन में अनाधिकृत व्यक्तियों के लॉग-इन को समाप्त करता है और किसी भी धोखाधडी या दुर्भावना के लिए जवाबदेही तय करने में सहायता करता है।

सीबीएस प्लेटफॉर्म, वाइड एरिया नेटवर्क (डब्लूएएन) पर कार्य करता है, जो वी-सैट, 4G और आरएफ जैसे विभिन्न वाहक पर प्रदान की गई कनेक्टिविटी पर कार्य करता है।

ब्रांच कनेक्टिविटी अपग्रेडेशन :

जैसे-जैसे लेन-देन की मात्रा में वृद्धि हुई है, शाखाओं को तेज गति से लेनदेन करने में सक्षम बनाने के लिए, शाखा कनेक्टिविटी को 2 एमबीपीएस आरएफ तक बढा दिया गया है। 31.03.2022 तक, 341 शाखाओं को 2 एमबीपीएस आरएफ कनेक्टिविटी के लिए अपग्रेड किया गया है। जिस में से 312 शाखाओं में 4G को भी Secondary Connectivity के रुप में रखा गया है।

इस के अलावा 367 शाखाओं को Server विहीन JAVA Application का उपयोग किया गया।

सुरक्षा उपाय - सी.सी.टि.वी. एवं बर्गलर अलार्म प्रणालियों की संस्थापना

डकैती, लुटपाट आदि की बढती घटनाओं के मद्देनजर बैंक की आस्तियों, ग्राहकों और कर्मचारियों को प्रभावी सुरक्षा देने वाली भौतिक सुरक्षा प्रणालियाँ सर्वोपरि महत्व रखती है। बैंक ने अपनी सभी 433 शाखाओं में सी.सी.टि.वि कैमरा, बर्गलर आलार्म और अग्निशामक यंत्र प्रदान किया है।

ग्राहक सेवा एवं शिकायत प्रबंधन :

यद्यपि शिकायतों से बचा नहीं जा सकता है, कुछ शिकायतें हमारे प्रदर्शन और प्रणालियाँ और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने के लिए उपयोगी प्रतिक्रिया प्रदान करती हैं। एक ग्राहक की वास्तविक शिकायत का अर्थ है बैंक को हमारे कौशल और दक्षता को उन्नत करने का अवसर है। बैंक ने ग्राहकों की शिकायतों के निवारण और ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिकायतों / शिकायतों के निवारण नीति को स्थान दिया है। बैंक ने शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण पर अत्यधिक जोर दिया है और निर्धारित समयसीमा के भीतर शिकायतों का निपटान करने के लिए अनुवर्ती प्रणाली को मजबूत किया गया है। शाखाएँ ग्राहकों की बैठकें आयोजित कर रही हैं तथा सुधारात्मक कदम उठाने के लिए उनके विचारों का सज्ञान लिया जाता है। यथासंभव संबंधित क्षेत्रीय प्रबंधक भी इन ग्राहक सभाओं में भाग लेते है।

शिकायतों के निवारण तथा अनुपालन की प्रस्तुति के लिए उनके निरीक्षण की निम्नलिखित प्रणाली प्रचलन में है :

शिकायत की प्रकृति	क्षेत्रीय कार्यालय/ शाखा में प्रभारी अधिकारी	प्रधान कार्यालय स्तर पर
सामान्य शिकायतें (सतर्कता प्रकृति से भिन्न)	शाखा प्रबंधक (शाखा स्तर पर) क्षेत्रीय प्रबंधक (क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर)	मुख्य प्रबंधक (लेखा) संबंधित नेटवर्क के महाप्रबंधक
सतर्कता प्रकृति की शिकायतें	- -	मुख्य सतर्कता अधिकारी अध्यक्ष
बैंकिंग लोकपाल से/ माध्यम से शिकायतें	क्षेत्रीय प्रबंधक/ शाखा प्रबंधक	विभाग प्रमुख (लेखा और अनुपालन) संबंधित नेटवर्क के महाप्रबंधक

प्राप्त शिकायतों की स्थिति उनकी समीक्षा और जानकारी के लिए प्रत्येक बैठक में, निदेशक मंडल को दी जा रही है।

"बोर्ड में ग्राहक सेवा समिति" के नाम पर एक उप-समिति का गठन किया गया है। इसके अलावा, ग्राहक सेवा स्थायी समिति शाखा स्तर, क्षेत्रीय कार्यालय स्तर और प्रधान कार्यालय स्तर पर है।

ग्राहकों की शिकायतें : 31.03.2022 की स्थिति

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1	वर्ष के आरंभ में लंबित शिकायतों की संख्या	0
2	वर्ष 2021-22 के दौरान प्राप्त शिकायतें	65
3	कुल शिकायतें	65
4	वर्ष के दौरान हल की गई / निपटाई गई शिकायतों की संख्या	62
5	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	3

बैंकिंग लोकपाल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के लिए बैंक के प्रधान कार्यालय में महा प्रबंधक - 1 को प्रधान नोडल अधिकारी के रुप में पदनामित किया गया। वर्षके दौरान बैंकिंग लोकपाल से / माध्यम से प्राप्त शिकायतों की स्थिति निम्नवत है :

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1	वर्ष के आरंभ में लंबित शिकायतों की संख्या	0
2	वर्ष 2021-22 के दौरान प्राप्त शिकायतें	16
3	कुल शिकायतें	16
4	वर्ष के दौरान हल की गई / निपटाई गई शिकायतों की संख्या	16
5	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	Nil

धोखाधडी, भ्रष्टाचार या अन्य किसी दुराचरण से संबंधित चिंताएं व्यक्त करने के लिए मार्ग प्रदान करने के उद्येश्य से व्हिसिल ब्लोइंग नीति भी लागू है।

सूचना का अधिकार नियम

बैंक के विभिन्न कार्यकर्ताओं के कार्य में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व को बढावा देने के उद्देश्य से बैंक के नियंत्रणाधीन जानकारी तक पहुँच सुनिश्चित करने वाले नागरिकों के सूचना के अधिकार की व्यवहारिक व्यवस्था को आरंभ करने के लिए बैंक ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 को उसके शाब्दिक एवं अभिप्रेत अर्थों में कार्यान्वित किया है।

	केंद्रीय सहायक जन-सुचना अधिकारी	जन-सूचना अधिकारी	अपीलीय प्राधिकरण
शाखा	शाखा प्रबंधक	क्षेत्रीय प्रबंधक	महा प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय	क्षेत्रीय प्रबंधक	महा प्रबंधक	अध्यक्ष
प्रधान कार्यालय	मुख्य प्रबंधक (लेखापरीक्षा एवं निरीक्षण)	महा प्रबंधक	अध्यक्ष

वर्ष 2021-22 के दौरान बैंक को 44 आवेदन एवं अपील प्राप्त हुए हैं तथा सभी आवेदनों एवं अपीलों का निपटारा निर्धारित समय में कर दिया गया है।

मानव संसाधन प्रबंधन

वर्ष 2021-22 की समाप्ति तक, स्टाफ शक्ति का संघटन निम्नवत है :

अधिकारी वेतनमान - IV	10
अधिकारी वेतनमान - III	34
अधिकारी वेतनमान - II	135
अधिकारी वेतनमान - I	510
कार्यालय सहायक	581
कार्यालय परिचारक	111
कुल	**1381**

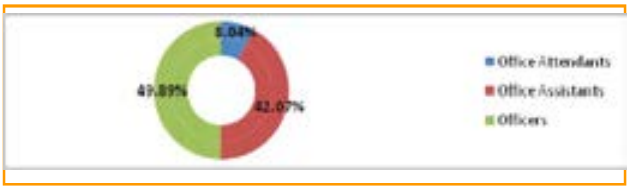

वर्ष के दौरान, 136 कर्मचारी बैंक की सेवा से निवृत हुए हैं। 11 कर्मचारियों ने त्यागपत्र दिया है एवं 9 कर्मचारियों का देहांत हो गया है।

भर्तियाँ

भर्ती वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के आधार पर बैंक ने 1 अधिकारी वेतनमान - III, 7 अधिकारी वेतनमान - II, 115 अधिकारी वेतनमान - I और 72 कार्यालय सहायक को वर्ष 2021-22 के दौरान नियुक्त किया गया । हालांकि 5 कार्यालय सहायक को प्रतिपूरक आधार पर नियुक्त किया गया है ।

पदोन्नतियाँ

2021-22 के दौरान 64 कार्यालय सहायक को अधिकारी वेतनमान -I के रुप में, 33 अधिकारी वेतनमान - I को अधिकारी वेतनमान - II के रुप में, 8 अधिकारी वेतनमान - II को अधिकारी वेतनमान - III के रुप में एवं 4 अधिकारी वेतनमान - III को अधिकारी वेतनमान - IV के रुप में पदोन्नति दिया गया।

प्रशिक्षण - स्टाफ अध्ययन केंद्र (UGBLC)

बैंक ने एक प्रशिक्षण नीति तैयार की थी जो सभी स्टाफ सदस्यों को कम-से-कम तीन वर्षों में एक बार प्रशिक्षण देने की परिकल्पना करती है। वर्ष के दौरान कोभिड-१९ के कारण कोई प्रशिक्षण संचालित नहीं हुआ ।

बैंक के 26 अधिकारियों और कर्मचारियों नें NAMCABS MSME FINANCE, नया KCC, कृषि ऋण में जोखिम न्युनीकरण, कृषि ऋण में एनपिए प्रवन्धन, वित्तीय विवरणो का विश्लेषण आदि महत्वपूर्ण विषयों पर RBI (भुबनेश्वर), SBIRB (हैदराबाद), जैसे प्रशिक्षण संस्थानों में वर्चुयल माध्यम से प्रशिक्षण ग्रहण किए। 55 अधिकारी (एस सी/एस टी) और 74 कार्यालय सहायक(एस सी/एस टी)ने पूर्व पदोन्नति प्रशिक्षण वर्चुयल माध्यम से ग्रहण किए।

कर्मचारी कल्याण उपाय

समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी

हमारे अधिकांश कर्मचारी सदस्य युवा है और सडक से यात्रा करते हैं। अक्सर विभिन्न अधिकारिक कार्यों जैसे नकद प्रेषण, वसूली और इकाइयों के निरीक्षण के लिए क्षेत्र का दौरा, बैठकों की समीक्षा आदि के लिए यात्रा करते हैं। वे सडक दुर्घटनाओं के जोखिम से अवगत है और मृत्यु के खतरे का भी सामना करते है।

हमने कर्मचारियों की बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने और संगठन के प्रति वफादारी बनाने के लिए निम्नलिखित बीमा राशि के साथ समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी ली है।

क्रमांक	श्रेणी	बीमा राशि
1.	अधिकारी	रु. 10.00 लाख
2.	कार्यालय सहायक	रु. 5.00 लाख
3.	कार्यालय परिचारक	रु. 3.00 लाख

EDLI (कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा)

यह इपीएफ अधिनियम के तहत एक वैधानिक आवश्यकता है। नियोक्ता रु.7.02 लाख के जीवन बीमा कवरेज के लिए बैंक के सभी कर्मचारियों के लिए सेवा में रहने तक प्रीमियम का योगदान देता है।

कोभिड-१९ हेतु अतिरिक्त बीमा योजना

बैंक ने कोविड-१९ महामारी के दौरान कर्मचारियों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, एस्.बी.आई लाईफ इंश्योरेंस के साथ संपूर्ण सुरक्षा पोलिसी नामक एक अतिरिक्त बीमा पोलिसी ली है । पोलिसी में अधिकारी के लिए बीमा राशि रु. 20.00 लाख एवं कार्यालय सहायक तथा कार्यालय परिचारक के लिए रु. 10.00 लाख है ।

अस्पताल में भर्ती के लिए चिकित्सा बीमा

समस्त कार्यरत कर्मचारियों के लिए स्टार हेल्थ एण्ड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी के साथ अनुबंध करते हुए, 01.10.2020 से अस्पताल में भर्ती के लिए चिकित्सा बीमा का प्रारम्भ किया गया । इसके अंन्तर्गत अधिकारी के लिए बीमा राशि रु. 4.00 लाख एवं कार्यालय सहायक तथा कार्यालय परिचारक के लिए रु. 3.00 लाख है ।

उपदान तथा छुट्टी नकदीकरण निधि

बैंक ने उपदान के संबंध में अंतरिम आवश्यकताओं का ध्यान रखा है। 31.03.2022 को उपदान के लिए रु.71.58 करोड और छुट्टी नकदीकरण के लिए रु.33.37 करोड प्रावधान किया गया है।

बैंक में पेंशन योजना

भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग III, धारा 4 की अधिसूचना संख्या 533 दिनांक 24.12.2018 को उत्कल ग्रामीण बैंक (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 2018 और उत्कल ग्रामीण बैंक (अधिकारी और कर्मचारी) सेवा (संशोधन) विनियम, 2018 प्रकाशित किया गया था। 2021-22 बर्ष के दौरान पेंशनभोगियों द्वारा रु. 8.07 करोड वापस किया गया है और रू. 73.64 करोड का भुगतान किया जा चुका है । नबीनतम बीमांकिक मूल्यांकन स्थिति के अनुसार कुल पेंशन देय रु. 798.34 करोड है । भारतीय रिजर्व बैंक के मानदण्डों के अनुसार आवश्यक प्रावधान रु.798.34 करोड का 80% जो की 31.03.2022 तक रु. 638.67 करोड है । इस निर्धारित परिशोधन के अनुसार और प्रायोजक बैंक के सलाह के अनुसार बर्ष 2021-22 के दौरान रु. 159.67 करोड की प्रावधान की गयी है ।

वेतन संशोधन प्रावधान

बैंके ने दिनांक 01.11.2017 से 11वें Bi-partiete वेतन भुगतान के बकाया भुगतान के लिए 31.03.2021 को रु. 46.79 करोड और 31.03.2022 रु. 2.00 करोड की राशि प्रावधान की है ।

औद्योगिक संबंध :

प्रबंधन एवं अधिकारी संघ तथा कर्मचारी संघ ने स्टाफ सदस्यों के कल्याण तथा व्यापार विकास के लिए मिल कर कार्य किया है और वर्ष के दौरान उभरे सामान्य मुद्दे के सौहार्दपूर्ण समाधान प्रस्तुत किए हैं। वर्ष के दौरान मैत्रीपूर्ण एवं मिलनसार परिवेश प्रधान रहा है।

ए.सी./एस्.टी. तथा औबीसी कर्मचारियों के लिए कल्याण :

बैंक ने एस.सी./एस.टी कल्याण संघ तथा ओबीसी कल्याण संघ के

साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाये रखे है, तथा भर्ती, पदोन्नति आदि सभी पहलुओं में संवैधानिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। उनकी शिकायतों का निवारण करने के लिए बैंक ने कल्याण संघों तथा संपर्क अधिकारियों के साथ नियमित बैंठकें की हैं।

बैंक के कर्मचारियों का मनोबल तथा प्रेरणा को उच्च रखने के लिए सभी उपाय किये हैं।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडन पर नीति

इसके अनुसार आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया और वे प्रधान कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों पर कार्यरत हैं।

सेवानिवृत्ति लाभ का निपटान :

सभी सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने कि प्रक्रिया सेवानिवृत्ति के तीन महीने पहले शुरु होती है, जिसमें सेवानिवृत्ति लाभ की भुगतान सही समय पर हो।

अनुग्रह राशि का भुगतान :

बैंक ने मृतक स्टाफ सदस्यों के कानूनी उत्तराधिकारियों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति देने के स्थान पर तथा लंबे समय से बीमार तथा बीमारी के कारण मर गए स्टाफ सदस्यों को अनुग्रह राशि का भुगतान किए जाने के संबंध में भारत सरकार की अधिसूचना सं.F/20/05/2003 - आर.आर.बी. दिनांकित 9.6.2006 में शामिल दिशानिर्देशों का कार्यन्वयन किया है।

सतर्कता प्रशासन

जैसा कि बैंक का आकार युवा और अनुभवहीन कार्यबल के साथ बढ रहा है, सतर्कता रहना तथा सतर्कता बरतना बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

प्रायोजक बैंक के पत्र क्रमांक : A & S /RRB / SKJ / 415 दिनांक 12 सितंबर 2017 अनुसार, उनके सक्रिय भागीदारी के साथ, बोर्ड के अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, सतर्कता प्रशासन का एक नया समूह बैंक में शुरु किया गया है। हमारे बैंक में प्रायोजक बैंक के पत्र संख्या A & S /RRB / HD / 424 दिनांक 29 जनवरी 2021 के अनुसार बोर्ड से अनुमोदन प्राप्त करने के वाद 15.02.2021 से संशोधीत सतर्कता प्रशासन को और मजवुत किया है ।

संशोधित सतर्कता प्रशासन के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक के मूख्य सतर्कता अधिकारी, डिएफएस (वित्तीय सेवा विभाग) द्वारा नियुक्त और कोर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में तैनात एसीवीओ (अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी) के माध्यम हमारे बैंक के सतर्कता प्रशासन की देखरेख कर रहे हैं । वह हमारे बैंक के सभी अधिकारियों और कर्मचारीयों के लिए सीएफए,एफएसए और एसएसए (जहां भी आवश्यक हो) प्रस्तुत कर रहे हैं । एसीवीओ निम्नलिखित सतर्कता गतिबिधियों की निगरानी भी कर रहे है : अ) लंबित सतर्कता मामलों की समीक्षा, आ) शिकाायत निवारण नीति और ह्विसिल ब्लोअर नीति, इ)निवारक सतर्कता समिति (पीवीसी) की बैठक, ई) विजिलेंस बिभाग के अधिकारियों द्वारा शाखाओं का दौरा, उ) कार्य आवर्तन, ऊ) अधिकारियों की बर्षिक संपत्ती रिटर्न जमा करना, ऋ)स्टाफ की जवाबदेही की स्थिति की जांच, ए) अधिकारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम और ऐ) धोखाधडी की निगरानी

हमारे बैंक में तैनात सीवीओ (मुख्य सतर्कता अधिकारी) के पद को महाप्रबंधक (सतर्कता) के रुप मे नामित किया गया है ।

इस वर्ष के दौरान 25 में से 13 अनुशासनात्मक मामलों की निपटान की गई।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह :

बैंक ने 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2021 तक प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों और सभी शाखाओं में सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया है।

बोर्ड

बैंक के बोर्ड का गठन निम्नांकित को मिलाकर हुआ है

अ. बैंक के अध्यक्ष
आ. भारत सरकार द्वारा नियुक्त दो गैर-अधिकारिक निदेशक
इ. नाबार्ड एवं भारतीय रिजर्व बैंक,
दोनों से एक-एक नॉमिनी निदेशक
ई. प्रायोजक बैंक से दो नामित निदेशक
उ. ओडिशा सरकार से दो नामित निदेशक

साथ में बैंक के अध्यक्ष, बोर्ड के अध्यक्ष हैं।

बोर्ड बैठक का नियम में यह है कि प्रत्येक तिमाही में बोर्ड की कम-से-कम एक बार एवं वर्ष में कम-से-कम छः बैठकें होंगी। कैलेंडर वर्ष 2021 के दौरान बोर्ड की 06 बैठक हुई।

आभार प्रदर्शन

बैंक के निदेशक मंडल, बैंक के साथ हमेशा जुडे ग्राहकों से प्राप्त निरंतर विश्वास और संरक्षण के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते है।

बोर्ड, समय समय पर बैंक को मिले मार्गदर्शन तथा मूल्यवान सहयोग के लिए प्रायोजक बैंक, भारत सरकार, ओडिशा सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, एनपीसीआई, यूआईडीएआई, अन्य वित्तीय संस्थाओं तथा बैंकों के प्रति असीम आभार प्रकट करता है।

बोर्ड ओडिशा के बलांगीर, सुबर्णपुर, बरगढ, संबलपुर, देवगढ, झारसुगुडा, सुंदरगढ, कालाहांडी, नुआपाडा, कंधमाल, बौध, कोरापुट, मलकानगिरि, रायगडा, नबरंगपुर, गजपति और गंजाम जिला कलेक्टरों, डीआरडीए के परियोजना निदेशकों और जिलों के अन्य सरकारी विभागों को उनके समर्थन

और प्रोत्साहन के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करता है।

बोर्ड हमारे प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं अर्थात, मेसर्स सी-एज टेक्नोलॉजीज, मुंबई और हमारे कॉरपोरेट बिजनेस कॉरेस्पोडेंट्स द्वारा दिए गए समर्थन को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करना चाहता है।

बोर्ड ने वर्ष 2021-22 के लिए बैंक के वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा निर्धारित समय पर पूरा करने में उनके सहयोग के लिए मेसर्स तेजराज एण्ड पाल (बैंक के केंद्रीय वैधानिक लेखा परीक्षक) और अन्य सांविधिक लेखा परीक्षकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

साथ ही बोर्ड के लिए व्यापक प्रचार प्रदान करने में सहायता करने के लिए सभी जनसंपर्क अधिकारियों, प्रेस तथा मीडिया को अपना आभार व्यक्त करता है। साथ ही बोर्ड, बैंक के समग्र विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए अधिकारी संघ, कर्मचारी संघ, तथा एस.सी/एस.टी/ओबीसी कल्याण संघों को धन्यवाद करता है।

स्टाफ के प्रत्येक सदस्य ने जो उत्कृष्ट प्रदर्शन, जिम्मेदारी एवं संलग्नता के साथ प्रतिबद्ध सेवाएं दर्शाई है, उनका वर्णन करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है।

उत्कल ग्रामीण बैंक के
निर्देशक मंडल की ओर से
(अलेख चन्द्र बेउरा)
अध्यक्ष

स्वतंत्र लेखा परीक्षा की रिपोर्ट

सेवा में
सदस्य, उत्कल ग्रामीण बैंक
बलांगीर

स्वतंत्र वित्तीय विवरणो कि लेखा परीक्षा पर रिपोर्ट

वित्तीय विवरणी पर रिपोर्ट

योग्य अभिमत

हमने 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार उत्कल ग्रामीण बैंक की स्वतंत्र वित्तीय विवरणियों कि लेखा परीक्षा की है, जिनमें 31 मार्च, 2022 कि तुलन पत्र और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ व हानि खाता तथा नकद प्रवाह विवरणों तथा महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सार एवं अन्य व्याख्यात्मक सूचना शामिल है. इन वित्तीय विवरणी में हमारे द्वारा लेखा पच्चीस (25) शाखाओं तथा प्रधान कार्यालय एवं अन्य शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा परीक्षित दो सौ पचास (250) शाखाओं की विवरणों है. शेष एक सौ उनसठ (159) शाखाओं, जिनकी लेखा परीक्षा नहीं की गयी, उनके विवरणी शाखा परिचालकों द्वारा प्रमाणित किया गया है. जिन शाखाओं की लेखा परीक्षा हमने की है और जिन शाखाओं की लेखा परीक्षा अन्य लेखा परीक्षकों ने की है, उनका चयन बैंक को सूचित राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार किया गया है। लेखा परीक्षा न किए जाने वाले शाखाओं में कुल ऋण की 22.99%, कुल जमा की 27.96%, कुल ब्याज आय की 8.75% है एवं कुल ब्याज खर्च की 25.18 % है।

हमारी राय, हमारी जानकारी और हमें दी गई सूचना के अनुसार, प्रस्तुत वित्तीय विवरण बैंक के व्यवहारों का सही और उचित चित्र दर्शाने के लिए सही रुप से तैयार किया गया है जो कि सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरुप हैं जो कि, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, १९७६ एवं बैंकिंग बिनियमन अधिनियम, १९४९ के अनुरुप है।

(i) पठित तुलन पत्र पूर्ण एवं सही तुलन पत्र है, जिस में सभी आवश्यक विवरण सम्मिलित है और 31, मार्च 2022 को बैंक के व्यवहारों का सही और उचित चित्र दर्शाने के लिए सही रुप से तैयार किया गया है।
(ii) पठित लाभ और हानि लेखा कवर किए गए वर्ष के लिए सही शेष दर्शाता है।
(iii) नकदी प्रवाह के विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह

योग्य अभिमत के आधार

हमने अपना लेखा परीक्षा ICAI द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार किया । उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है । यह लेखा परीक्षा आईसीएआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया है । हम ICAI द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार बैंक से स्वतंत्र हैं, साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो हमारे क्षेत्राधिकार मे वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है । हमारा मानना है कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है, वह हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है ।

मामले की प्रभाव

निम्नलिखित बातों पर ध्यान आकर्षित किया जाता है

1. जैसा कि वित्तीय विवरणों की अनुसूची-18 के नोट संख्या 12 में कहा गया है, कुछ आस्तियां एवं देयताएं मिलान के लिए बाकी है। जो कि वर्षान्त मिलान कि प्रक्रिया के तहत प्रक्रियाधीन है जो कि परिणामी समायोजन के अधीन है।
2. जैसा कि वित्तीय विवरणों की अनुसूची-18 के नोट संख्या 26 में कहा गया है, बैक ने वर्ष के दौरान रुपये 35.04 करोड एवं रुपये 29.30 करोड के मूल्य के OTS एवं समझौता प्रस्ताव प्राप्त किए हैं।
3. जैसा कि वित्तीय विवरणों की अनुसूची-18 के नोट संख्या 26 में कहा गया है, बैंक ने उसमें उल्लेखित विभिन्न सकारात्मक संकेतको ध्यान मे रखते हुए अपने खाते Going Concern के आधार पर तैयार किए हैं।

संलग्न वित्तीय परिणामों पर हमारा निष्कर्ष उन मामलो के सबंध में सशोंधित नहीं है।

वित्तिय विवरणी के लिए प्रबंधन और उन पर अभिशासन की जिम्मेदारी

बैंक के निर्देशक मंडल इन संलग्न वित्तिय विवरणो की तैयारी के सबंध में जिम्मेदार है जो आमतौर पर भारत में स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धान्तो के अनुसार बैंक की वित्तीय स्थिती और वित्तिय प्रदर्शन का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते है, जिसमें लेखा मानक ICAI द्वारा और क्षेत्रीय ग्रामीण अधिनियम 1976 के प्रावधानों, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 29 और भारतीय रिजर्व बैंक (RBI), राष्ट्रीय कृषि और विकास बैंक (NABARD) द्वारा समय समय पर जारी किए गए परिपत्र और दिशानिर्देशों को अनुपालन किए जाते है। इस जिम्मेदारी में बैंक की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधडी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकार्ड का रखरखाव भी शामिल है। उचित लेखांकन नीतियों चयन और आवेदन; निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण है और पर्याप्त आंतरिक वित्तिय नियंत्रणो का डिजाईन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो की लेखांकन के रिकार्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्तित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो वित्तीय वक्तव्यों कि तैयारी और प्रस्तुतीकरण के लिए प्रासांगिक है जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और सामग्री के दुरुपयोग से मुक्त होते है। वित्तीय विवरणो के तैयार करने के लिए बैंक कि चिंता, प्रकटीकरण जैसा कि लागू होता है चिंता से संबंधित मामलों और लेखांकन के चलते चिंता का आधार का उपयोग करते हुए जारी रखने के लिए बैंक की क्षमता का आकलन करने के लिए प्रबंधन जिम्मेदार है, जबतक कि प्रबंधन या तो बैंक को समाप्त कर रहे है या बंद करने का ईरादा नही रखता है। संचालन, या ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है की क्या संपूर्ण रुप से वित्तीय विवरण सामग्री के दुरुपयोग से मुक्त है चाहे धोखाधडी या त्रुटि के कारण और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करने के लिए जेसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन उच्चस्तर का आश्वासन है। लेकिन यह गारेंटी नहीं है कि SAS के अनुसार किया गया लेखा परीक्षा हमेशा मौजुद होने पर इसी सामग्री के गलत होने का पता लगाएगा। गलतियाँ धोखाधडी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती है और माना जाता है की सामग्री यदि ब्यक्तिगत रुप से या कुल मिला कर, तो वे वित्तीय वक्तव्य के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णय कों प्रभावित करने कि अपेक्षा की जाएगी। SAS के अनुसार एक लेखा परीक्षा के भाग के रुप में, हम पेशेवर निर्णय लेते है और पूरे लेखा परीक्षा में व्यवसायिक संदेह को बनाए रखते है। और :

- वित्तिय विवरणों कि सामग्री के लिए गलत विवरण के जोखिमों को पहचानें और उनका आकलन करे, चाहे धोखेवाजी या त्रुटि के कारण उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी प्रक्रियाओं को डिजाईन और निष्पादित करें, और लेखा परीक्षा साक्ष प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हो। धोखाधडी के परीणाम स्वरुप होने वाली सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणाम स्वरुप होनेवाले एक से अधिक है, क्युंकि धोखाधडी में मिलिभगत जालसाजी, जानवुझ कर चुप, गलत वयानी या

आंतरिक नियत्रंण की ओवरराईट शामिल हो सकती है।

- उपयोग कि गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित खुलासों कि तर्कशीलता का मूल्यांकन करे।

- लेखांकन चिंता के आधार के प्रबंधन के उपयोग कि उपयोक्तता पर निष्कर्ष निकाला गया और प्राप्त लेखा पारीक्षा के साक्ष्य के आधार पर क्या कोई सामग्री अनिश्चित्तता उन घटनाओं या स्थितियों संबंधित है जो संदेह के रुप में जारी रखने के लिए बैंक कि क्षमता पर संदेह कर सकते है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते है कि एक सामग्री अनिश्चित्तता मौजुद है तो हमें अपने लेखा परीक्षक कि रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित खुलासों पर ध्यान आकर्षित करना होगा या तो हमारी राय को संशोधित करने के लिए यदि इस तरह के खुलासे अपर्याप्त है। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित है। हालाकि भविष्य में होनो वाली घटनाओं या स्थितियों से बैंक को चिंता का विषय बना रह सकता है।

- खुलासे सहित वित्तीय वक्तव्यों कि समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें और क्या वित्तीय विवरण अंतर्नीहित लेनदेन और घटनाओं को ईस तरह से दर्शातें है जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त करते है। हम अन्य मामलों में, लेखा परीक्षा की योजना की गुंजाईस और समय के साथ साथ महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा के साथ साथ आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमी को शामिल करते है जिसे हम अपने लेखा परीक्षा के दौरान पहचानते है। हम उन लोगों को भी आरोप लगाते है जो अभिशासन को एक वयान देते है कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और सभी रिश्तों अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जिन्हे हमारे स्वतत्रंता पर सहन करने के लिए उचित माना जा सकता है और जहाँ भी लागु हो, संबंधित सुरक्षा उपाय प्रदान किए है। शासन के साथ आरोप लगाए गए मामलों से हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं, जिन्हे वर्तमान अवधि कि वित्तीय विवरण लेखा परीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण ध्यान देने कि आवश्यकता होती है और इसिलिए वे महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षक रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक की कानून या विनियमन इस मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण का प्रस्ताव नहीं देता है या जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले का संचार नहीं किया जाना चाहिए क्यूँकि ऐसा करने का दुष्परिणाम सार्वजनिक हित लाभ का पल्ला झुकना अपेक्षित है।

अन्य विषय

1. हमने बैंक के संलग्न वित्तीय विवरणों में शामिल 159 शाखाओं के वित्तीय विवरणों / सूचनाओं का लेखा-जोखा नहीं किया है, जिनके वित्तीय विवरण / वित्तीय जानकारी 31.03.2022 तक रु. 71299.15 लाख की कुल अग्रीमों को दर्शाती है और उसी तारीख में समाप्त वित्तीय वर्ष लिए कुल रु. 7055.59 लाख का राजस्व माना गया है। 159 शाखाओं के वित्तीय विवरणों / सूचनाओं का लेखा-जोखा जो की अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा किया गया है जिनकी रिपोर्ट हमें दिया गया है। हमनें उन लेखा परीक्षकों के रिपोर्ट के आधार पर हमारी राय दी हैं।

अन्य विधि और विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

a. तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 29 के अनुसार तैयार किया गया है.

b. खुलासे की सीमा के अधीन और उपर दिए गये अनुच्छेद में दर्शाए गए लेखापरीक्षा के आधार पर महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और लेखा संम्बधी टिप्पणीयां पर लेख के साथ अनुसूची-17 और 18 में पढा जाए.

(क) हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिया है जो कि लेखा के उद्देश्य हेतु हमारी उत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार आवश्यक था तथा हमने उन्हें संतोषजनक पाया.

(ख) हमारे ध्यान में आए बैंक के लेनदेन बैंक के अधिकारों के अन्तर्गत है.

(ग) बैंक के कार्यालयों और बैंक के शाखाओं से प्राप्त विवरणियाँ हमारे लेखा के उद्देश्य हेतु पर्याप्त पायी गयी है.

हम आगे रिपोर्ट करते हैं की :

(क) हमारी राय में और जहाँ तक बही खातों के परीक्षण से ज्ञातव्य है, बैंक ने कानूनी रुप से आवश्यक सभी खातों और बाहियों का रख-रखाव किया है.

(ख) इस रिपोर्ट के साथ तुलन पत्र, लाभ और हानि लेखा एवं नकदी प्रवाह, खाते कि पुस्तकों के साथ और हमारे द्वारा दौरा नहीं की गई शाखाओं से प्राप्त रिटर्न के साथ है।

(ग) बैकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 कि धारा 29 के तहत बैंक के शाखा लेखा परिक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित शाखा कार्यालयों के खातों के रिपोर्ट हमें भेजी गई है और इस रिपोर्ट को तैयार करनें में हमारे द्वारा ठीक से निपटा गया है ; तथा

(घ) हमारी राय में, तुलन पत्र, लाभ और हानि लेखा एवं नकदी प्रवाह, नाबार्ड और आरबीआई द्वारा लागू राय मानकों के लिए लागू लेखा मानकों के साथ साथ योग्य अभिमत के आधार अनुच्छेद के लिए वर्णीत मामलों के प्रभाव कों छोड़ कर और हमारे साथ असंगत नहीं है ।

कृते मेसर्स तेजराज एण्ड पाल
सनदी लेखाकार
फार्म पंजीकरण संख्या. 304124E

स्थान : बलांगीर
दिनांक : 20.04.2022

स्वा/-
(दिनाकर महान्ती)
(पार्टनर)
सदस्यता संख्या. 059390
UDIN - 22059390AHLLOL1161

उत्कल ग्रामीण बैंक,

मुख्य कार्यालय, बलांगीर (ओडिशा)

तुलन पत्र - 31 मार्च 2022

(रु. हजारों में)

विवरण	अनुसुची	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (चलित वर्ष)
इक्विटी और देयतायें			
शेयर पुंजी जमा	1	97,03,731	97,03,731
बेमियादी बांड	1(A)	81,383	81,383
शेयर पुंजी जमा	1(B)	47,83,185	0
आरक्षित और अधिशेष	2	0	0
जमा	3	7,64,30,695	7,48,72,500
उधारी	4	44,65,920	35,30,296
अन्य देय और प्रावधान	5	42,56,983	36,84,777
कुल इक्विटि और देयतायें		**9,97,21,897**	**9,18,72,687**
आस्तियां			
नकदी व भारतीय रिजर्व बैंक में अवशेष	6	35,91,497	30,91,187
बैंको में अवशेष व मांग तथा स्वल्पबधि सुचना पर मांग	7	71,57,395	62,72,909
निवेश	8	4,71,26,086	4,19,54,003
अग्रिम	9	2,64,60,524	2,41,85,410
स्थिर आस्तियां	10	49,332	61,017
अन्य आस्तियां	11	1,53,37,063	1,63,08,161
कुल आस्तियां		**9,97,21,897**	**9,18,72,687**
प्रसंगिक देयताएँ	12	5,47,214	5,41,701
संग्रहण बिल		NIL	NIL
मुख्य लेखा विधेयक	17 & 18		

श्री ए.सि, वेउरा
अध्यक्ष

स्थान - बलांगीर
दिनांक - २०.०५.२०२२

कृते मेसर्स तेजराज एण्ड पाल
सनदी लेखाकार
फार्म पंजीकरण संख्या. 304124E

(दिनाकर महान्ती)
पार्टनर
सदस्यता संख्या. 059390

31 मार्च 2022 के अन्त तक के लाभ-हानि खाता का प्रपन्न

(रु. हजारों में)

	विवरणी	अनुसुची	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I.	आय			
	अर्जित ब्याज	13	63,04,886	47,46,110
	अन्य आय	14	9,17,094	7,09,910
	योग		**72,21,980**	**54,56,020**
II.	व्यय			
	ब्यय कियागया ब्याज	15	32,04,030	31,98,963
	परिचालन व्यय	16(A)	18,17,196	16,05,867
	प्रावधान और आकस्मिक व्यय	16(B)	21,77,342	47,67,469
	योग		**71,98,568**	**95,72,299**
III.	लाभ/हानि		**23,412**	**-41,16,279**
	कर देने के पूर्व लाभ		23,412	-41,16,279
	कम : कर प्रावधान		0	0
	वित्त वर्ष के लिए आयकर प्रावधान		4,820	NIL
	वित्त वर्ष के लिए टैक्स क्रेडिट पात्रता के लिए प्रावधान		(-) 4,820	NIL
	कर अदायगी के बाद लाभ		**23,412**	**-41,16,279**
	अग्रनीत हानि		-1,37,50,947	-96,34,668
	योग		**-1,37,27,535**	**-1,37,50,947**
	आगे लाया गया शेष		-1,37,27,535	-1,37,50,947
	कुल योग		**-1,37,27,535**	**-,1,37,50,947**

श्री ए.सि, वेउरा
अध्यक्ष

कृते मेसर्स तेजराज एण्ड पाल
सनदी लेखाकार
फार्म पंजीकरण संख्या. 304124E

(दिनाकर महान्ती)
पार्टनर
सदस्यता संख्या. 059390

अनुसूची - 1 शेयर पूँजी

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
प्राधिकृत पुंजि	**2,00,00,000**	**2,00,00,000**
निगर्मित, अभिदत्त आहुत पुंजि	97,03,731	97,03,731
भारत सरकार (50%)	48,51,866	48,51,866
भारतीय स्टेट बैंक (35%)	33,96,336	33,96,336
ओडिशा सरकार (15%)	14,55,529	14,55,529
योग	**97,03,731**	**97,03,731**
कुल योग	**97,03,731**	**97,03,731**

अनुसूची - 1A बेमियादी /स्थायी बांड

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
भारतीय स्टेट बैंक	81,383	81,383
योग	**81,383**	**81,383**

अनुसूची - 1B शेयर पूँजीजमा

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
भारत सरकार	23,91,600	0
भारतीय स्टेट बैंक	23,91,585	0
ओडिशा सरकार	0	0
योग	**47,83,185**	**0**

अनुसूची - 2 आरक्षित और अतिरिक्त

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. संबिधिक आरक्षित	0	0
II. पुँजी आरक्षित	0	0
III. समेकन पर आरक्षित पुँजी	0	0
IV. अंश किस्त	0	0
V. राजस्व तथा अन्य आरक्षित	0	0
VI. लाभ तथा हानि खाताओं में शेष	0	0
योग	**0**	**0**

अनुसूची - 3 जमा

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
A. भारत की शाखाओं मे जमा		
I. मांग जमा		
i) बैंक से	0	०
ii) अन्य से	12,81,443	13,21,403
II. बचत बैंक से जमा	4,49,38,197	4,33,17,072
III. मियादी जमा		
i) बैंक से	0	0
ii) अन्य से	3,02,11,055	3,02,34,025
योग (I + II + III)	**7,64,30,695**	**7,48,72,500**
B. I. भारत के बाहर शाखाओं में जमा	0	0
योग (A + B)	**7,64,30,695**	**7,48,72,500**

अनुसूची - 4 उधार

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. भारत में उधार		
i) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिआ	0	0
ii) अन्य बैंक (प्रायोजित बैंक स्टेट बैंक ऑफ इण्डिआ)	0	0
iii) अन्य संस्था और एजेन्सियों से (नाबार्ड)	44,60,000	35,30,296
iv) एन.एस्.टि.एफ्.डि.सी	5,920	0
II. भारत के बाहर उधार	0	0
योग (I + II)	**44,65,920**	**35,30,296**
सुरक्षित उधार (I और II में सम्मिलित)	**44,65,920**	**35,30,296**

अनुसूची - 5 अन्य दायित्व एवं प्रावधान

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. देय बिल	31,846	37,261
II. अन्त : कार्यालय समायोजन (निवल)	0	0
III. उपचित ब्याज	22,07,006	22,87,213
IV. अन्य	20,18,131	13,60,303
योग	**42,56,983**	**36,84,777**

अन्य देयताओं का विवरण

अनुसूची - 5 (IV)

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
सब्सिडी आरक्षति निधि	44,291	51,995
विविध जमाएँ	424	0
विविध जमाएँ TDS-SYS-CREDIT	27,656	31,988
ग्रामीण पे आर्डर (GPO)	0	0
फसल बीमा राशि	3,752	3,748
स्रोत पर काटा गया कर	2,308	275
विविध लेनदार	0	0
चालु खाता 276 HO UGB Bolangir	0	
प्रतिभुति जमा - जनता	4,800	4,423
विविध प्रावधान	68,049	13,104
मानक आस्तियां प्रावधान	69,663	57,739
पेंशन उपदान तथा छुट्टी नकदीकरण पर प्रावधान	16,72,712	11,21,525
आयकर के लिए प्रावधान	4,820	0
SD-अज्ञात नकद	0	2
SYS सस्पेन्स मूल क्रेडिट	0	0
अन्य सिस्टम सस्पेन्स	14	0
समायोजन खाता	64,183	20.737
अन्य	55,459	54,767
कुल योग	**20,18,131**	**13,60,303**

अनुसूची - 6 भारतीय रिजर्व बैंक में नगदी एवं जमा

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. हस्तस्थ नगदी (इस में विदेशी करेन्सी नोट सम्मिलित है (शुन्य)	3,85,712	3,89,852
II. भारतीय रिजर्व बैंक में जमा		
i) चालु खाते में	32,05,785	27,01,335
ii) अन्य खातों में	0	0
योग (I + II)	**35,91,497**	**30,91,187**

अनुसूची - 7 बैंक में जमा और मांग पर तथा अल्प सुचना पर प्राप्त धन

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. भारत में		
i) बैंकों में जमा		
a) चालु खातों में	2,98,883	3,85,898
b) अन्य जमा खातों में	68,58,512	58,87,011
ii) माँग पर तथा अल्प सुचना पर प्राप्त धन / स्वल्प मीयादी जमा		
a) बैंकों में (स्टेट बैंक ऑफ इण्डिआ में जमा)	0	0
b) अन्य संस्थाओं में	0	0
योग (I + II)	**71,57,395**	**62,72,909**
II. भारत के बाहर		
i) चालु खातों में	0	0
ii) अन्य जमा खातों में	0	0
iii) मांग पर तथा अल्प सुचना पर प्राप्त धन	0	0
योग (i + ii+iii)	**0**	**0**
कुल योग (I + II)	**71,57,395**	**62,72,909**

अनुसूची - 8 निवेश

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. भारत में निवेश		
i) सरकारी प्रतिभुतियाँ	4,71,02,107	4,19,17,524
ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभुतियाँ	1,479	1,479
iii) शेयर	0	0
iv) डीवैंचर और बांड में	0	0
v) एसोसिएट्स में निवेश	0	0
vi) अन्य (विनिद्दिष्ट करों)	22,500	35,000
एस्.बि.आई. एम्.एफ्		
योग (I + II)	**4,71,26,086**	**4,19,54,003**
भारत के बाहर निवेश		
i) सरकारी प्रतिभुतियाँ (स्थानीय संस्थाओं को मिला के)	0	0
ii) एसोसिएट्स में निवेश	0	0
iii) अन्य निवेश	0	0
योग	**0**	**0**
कुल योग (I + II)	**4,71,26,086**	**4,19,54,003**
भारत में निवेश		
i) निवेश का सकल मूल्य	4,71,26,086	4,19,54,003
ii) घटोतियों का कुल प्रावधान	0	0
iii) कुल निवेश	4,71,26,086	4,19,54,003
भारत के बाहर निवेश		
i) निवेश का सकल मूल्य	0	0
ii) घटोतियों का कुल प्रावधान	0	0
iii) अन्य निवेश (विनिद्दिष्ट करों)	0	0

अनुसूची - 9 अग्रिम

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
A. i) क्रय किए गए और भुनाई गई बिल	0	0
ii) नकद उधार, ओवरड्राफ्ट मांग पर प्रतिदेय ऋण	1,89,80,703	1,70,61,996
iii) मियादि ऋण	74,79,821	71,23,414
योग		**2,41,85,410**
B. i) मुर्त आस्तियां प्रतिभुत द्वारा	2,63,64,334	2,41,56,584
ii) ए.डि.डब्लु.डि आर् योजना के अन्तर्गत भारत सरकार से पानेवाला	0	0
iii) अप्रतिभुत	96,190	28,826
योग	**2,64,60,524**	**2,41,85,410**
C. I) भारत में अग्रिम		
i) प्राथमिकता क्षेत्र	2,32,13,818	2,16,53,660
ii) सार्वजनिक क्षेत्र	0	0
iii) बैंक	0	0
iv) अन्य	32,46,706	25,31,750
योग		**2,41,85,410**
II) भारत के बाहर अग्रिम		
i) बैंको से देय	0	0
ii) अन्य से देय	0	0
a) खरीदी गई और भुनाई गई बिल	0	0
b) सिण्डिकेटेड अग्रिम	0	0
c) अन्य	0	0
योग	**0**	
कुल योग (C. I + II)	**2,64,60,524**	**2,41,85,410**
कुल अग्रिम	**3,10,09841**	**2,88,42,551**
अनार्जक अस्तियों पर प्रावधान	45,49,317	46,57,141
शुद्ध अग्रिम	**2,64,60,524**	**2,41,85,810**

अनुसूची - 10 स्थिर आस्तियां

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. परिसर		
पुर्ववर्ती वर्ष ३१ मार्च तक की लागत पर	8	8
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0	0
वर्ष के दौरान कटौतियॉ	0	0
अद्यतन मे मूल्यह्रास	0	0
I.A निर्माणाधीन परिसर	0	0
योग 8	**8**	**8**
II. अन्य स्थिर आस्तियां		
(फर्नीचर और फिक्सचर सहित)	3,27,994	3,15,033
पुर्ववर्ती वर्ष ३१ मार्च तक की लागत पर		
SBI & NABARD से सहायता	0	0
वर्ष के दौरान परिवर्धन	8,389	12,961
योग	**3,36,383**	**3,27,994**
कुल योग (I + II)	**3,36,391**	**3,28,002**
वर्ष के दौरान कटौतियॉ	0	0
अद्यतन मे मूल्यह्रास	2,87,059	2,66,985
शेष (W.D.V)	**49,332**	**61,017**
कुल योग	**49,332**	**61,017**

अनुसूची - 11 अन्य आस्तियां

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. अन्त कार्यालय समायोजन	4,560	150
II. उपचित ब्याज	14,39,764	15,91,216
III. प्रदत्त अग्रिम कर	5,299	5,299
IV. लेखन सामग्री और स्टाम्प	10,877	5,360
V. दावे के शोधन पर अधिगृहीत		
गैर-बैंकिंग आस्तियां	0	0
VI. अन्य	1,38,76,563	1,47,06,136
योग	**1,53,37,063**	**1,63,08,161**

अन्य अस्तियों के विवरण
अनुसूची - 11(VI)

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
उचंत अग्रिम	84	168
संचित हानि		
क. संचित हानि	1,37,27,535	1,37,50,947
ख. सुरक्षित और अधिशेष समायोजित किया गया		
ग. टैक्स से पहले हानि		
घ. लाभ पर टैक्स (जोडें)		
प्रणालीगत उचंत	0	50
NEFT	0	2,55,080
आयकर प्रावधान /दिया गया अग्रिम कर	74,948	76,364
टैक्स क्रेडिट पात्रता	4,820	0
अन्य	69,176	6,23,527
योग	**1,38,76,563**	**1,47,06,136**

अनुसूची - 12 आकस्मिक देयताएँ

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. संघटकों की और से दी गई गारंटी		
a. भारत में	5,39,379	5,34,142
b. भारत के बाहार	0	0
II. DEAF खाते में आदावी जमा	7,835	7,559
योग	**5,47,214**	**5,41,701**

अनुसूची - 13 अर्जित ब्याज

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. A. अग्रिमो पर ब्याज	27,84,226	14,55,338
B. रियायती बिल पर छूट	0	0
II. निवेश से आय	33,38,690	29,56,522
III. भारतीय रिजर्व बैंक निधि मे ब्याज तथा अन्य बैंक निधि में ब्याज	1,81,970	3,34,250
IV. अन्य : **IBPC**	0	0
योग	**63,04,886**	**47,46,110**

अनुसूची - 14 अन्य आय

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. कमीशन / विनिमय / दलाली	47,277	76,808
II. निवेश के बिक्री से लाभ		
घटाएँ : निवेश से बिक्री से हानि	0	0
III. निवेशों के पुनर्मूल्यायन से लाभ	0	0
घटाएँ : निवेश से पुनर्मूल्यावन से हानि (परिशोधन)		
IV. जमीन, मकान एवं अन्य आस्तियां बिक्री पर लाभ		
घटाएँ : जमीन, मकान एवं अन्य बिक्री पर हानि	0	0
V. विनिमय कारोबार से लाभ	0	0
घटाएँ : विनिमय कारोबार से हानि		
VI. a) पट्टा वित्त आय	0	0
b) पट्टा प्रबंधन शूल्क	0	0
c) अतिदेय प्रभार	0	0
d) पट्टा किराया कि प्राप्तियों पर ब्याज	0	0
VII.अन्य आय	8,69,817	6,33,102
योग	**9,17,094**	**7,09,910**

अनुसूची - 15 व्यय किया गया ब्याज

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. जमा पर व्याज	29,77,665	31,69,589
II. भारतीय रिजर्व बैंक / अन्तर बैंक उधारों पर व्याज	2,26,365	29,374
योग	**32,04,030**	**31,98,963**

अनुसूची - 16 (A) परिचालन व्यय

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
I. कर्मचारियों के भुगतान एवं प्रावधान	11,93,651	11,21,332
II. किराया, कर, बिजली	58,986	56,783
III. मुद्रण और लेखन समाग्री	4,324	5,301
IV. विज्ञापन और प्रचार	107	177
V. बैंक संपत्ति पर अवक्षणय	20,074	28,261
VI. निर्देशक की फीस, भत्ते और व्यय	0	0
VII.लेखापरिक्षकों की फीस	3,500	3,200
VIII.विधि प्रधार	4,119	438
IX. डाक तार टेलीफोन आदि	6,320	6,544
X. मरम्मत और अनुरक्षण	1,21,152	1,10,575
XI. बीमा	1,00,670	1,00,949
XII.अन्य व्यय	3,04,293	1,72,307
योग	**18,17,196**	**16,05,867**

अन्य खर्चों का विवरण : अनुसूची - 16 (XII)

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2021 तक (विगत वर्ष)
किताबें एवं पत्रिकाएँ	3,090	3,156
मनोरंजन व्यय	138	12
प्रशिक्षण / बैठक / सेमिनार	28	30
यात्रा भत्ता	5,618	4,834
पडाव भत्ता	8,185	8,724
वाहन किराया / ईंधन खर्च	16,192	12,744
समाशोधन गृह	0	0
डाटा प्रविष्टि खर्च	0	49
विविध खर्च	2,71,042	1,42,758
योग	**3,04,293**	**1,72,307**

अनुसूची - 16 (B) प्रावधान

(रु. हजारों में)

	31.03.2022 तक (चलित वर्ष)	31.03.2022 तक (विगत वर्ष)
मानक आस्तियों पर प्रावधान	11,924	-86,891
अशौध्य कर्ज पर प्रावधान	4,20,403	10,46,810
बिबिध प्रावधान	39,757	0
Perpetual Bond पर ब्याज	0	0
धोखा पर प्रावधान	15,188	0
अवकाश की देयता पर प्रावधान	53,370	30,000
परिशोधन पर प्रावधान	0	0
वेतन पर प्रावधान	20,000	4,67,900
उपदान पर प्रावधान	20,000	79,650
पेन्शन पर प्रावधान	15,96,700	32,30,000
योग	**21,77,342**	**47,67,469**

उत्कल ग्रामीण बैंक,

मुख्य कार्यालय, बलांगीर (ओडिशा)

अनुसूची - 17 महत्वपुर्ण लेखा नीतियां

1. सामान्य

भारत सरकार ने अपनी अधिसूचना संख्या No. F No. 1/1/ 2012 RRB dated 01.11.2012 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया, जिसे वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग द्वारा जारी किया गया और 01.11.2012 को दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक यथा : "रुषिकुल्या ग्राम्य बैंक" और "उत्कल ग्राम्य बैंक" को मिलाने का निर्देश दिया । दो बैंक के मिश्रण से "उत्कल ग्रामीण बैंक" का गठन हुआ ।

2. तैयारी का आधार

बैंक के वित्तीय विवरणों को, अन्यथा कथित को छोड़कर परंपरागत लागत संकल्पना के अंतर्गत, कार्यशील संस्था का अनुपालन करते हुए लेखों के संचित आधार पर तैयार किया गया है. वे आम तौर पर भारत मे स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों पर आधारित है , सिवाय उनके, जो अन्यथा बताये गये है, तथा भारत मे सामान्यता अपनायी लेखा नीतियां (जीएएपी), जिनमें लागू कानूनी प्रावधानों, नियामक मानदण्ड/राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)/भारतीय रिजर्व बैंक, तथा उनके संशोधनों द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों, बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 और उनके संशोधनों तथा भारतीय सनदी लेखाकार संस्था (आईसीएआई) द्वारा जारी की गयी लेखा मानक/मार्गदर्शक टिप्पणीयों भारत के बैंकिंग उद्योग में व्याप्त अभ्यास सम्मिलित है.

3. आकलनों का प्रयोग

वित्तीय विवरणीयों की तैयारी के लिए प्रबंधन को आकलन एवं अभिधारणाएं बनाने कि आवश्यकता पडती है. जिन पर वित्तीय विवरणों की तिथि तक परिसंपत्तियों और देयताओं (आकस्मिक देयतायें सहित) कि प्रत्यावेदित राशि एवं प्रतिवेदन अवधि के दौरान प्रत्यावेदित आय एवं व्यय में विचार किया जाता है. प्रवंधन वर्ग यह विश्वास करता है कि अव बित्तीय विवरणी की तैयारी में प्रयुक्त आकलन विवेक पूर्ण एवं उचित है तथा वित्तीय विवरणों की तिथि तक संबधित तथ्यों के प्रबंधन द्वारा मूल्यांकन पर आधारित है. भविष्य में आने वाले वास्तविक परिणाम इनसे कुछ भिन्न हो सकते है एवं वास्तविक परिणामों तथा अकलनों के बीच के अंतरों को उस अवधि मे अभिज्ञात किया जाता है जिससे परिणाम ज्ञात होते हैं.

4. राजस्व का निर्धारण

अ) अन्यथा सूचित न किया तो, आय हिसाब सामान्यत: आंकडो के उपचित आधार पर किया जाता है.

आ) भारतीय रिजर्व बैंक/नाबार्ड या अन्य विनियामक प्राधिकारियों द्वारा विवेकपूर्ण मानदण्डो के अनुसार अनर्जक आस्तियों (एनपीए) पर परिकलित ब्याज-आय, वसूल होने पर, लाभ और हानि लेखा के अंतर्गत लिया जाता है.

इ) परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी के अंतर्गत बाजार मूल्य से बट्टे पर प्राप्त ब्याज वाहक निवेशों पर प्राप्त आय (ब्याज इतर) की पहचान केवल बिक्री/शोधन के समय की जाती है.

ई) वाद दाखिल खातों के मामले में किए गये कानूनी एवं अन्य व्ययों को लाभ व हानि खाते में भरित किया जाता है और ये व्यय वसूली के समय पर आय के रुप में लेखांकित किए जाते है.

5. निवेश

RBI अधिनियम के अनुसार भारत मे निवेश सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर) और असांविधिक चलनिधि अनुपात (नन्-एसएलआर) वर्ग में किए निवेशों को भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार दो श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है, जैसे परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) और विक्रय के

लिए उपलब्ध (एएफएस).

RBI अधिनियम के अनुसार अनुमोदित सुरक्षा का SLR निवेश 18.00% तक रखा गया है । स्थायी निवेश श्रेणी मूल्य के आधार पर हिसाब किया जाता है क्योंकि वह परिपक्वता तक रखना है तथा उसके बाद उसको उठाया जाना है। इसने परिशोधित राशि अनुसूची - १ ३ के अर्जित ब्याज मे दर्शाई है।

निवेश पोर्टफोलियो का मूल्याकंन RBI द्वारा निर्धारित मार्क टू मार्केट **(MTM)** मानदंडो के अनुसार किया गया है, और AFS श्रेणी के तहत किसी भी मूल्यह्रास मूल्य को प्रदान किया गया है।

6. ऋण और अग्रिम और उन पर प्रावधान

A. भारतीय रिजर्व बैंक और नाबार्ड के दिशा निर्देश / मार्ग प्रदर्शक के अनुसार ऋण और अग्रिमों को निष्पादित और गैर-निष्पादित के रुप में वर्गीकृत किये जाते है. ऋण आस्तियों गैर-निष्पादित तब माना जाएगा, जब :

- **कृषि ऋण मामलों के संदर्भ में:**

i. अल्पावधि फसलों के मामले में मूल राशि या ब्याज किस्त दो फसल मौसम के लिए अतिदेय रहती है, और

ii. लंबी अबधि फसलों के मामलों में मूल राशि या ब्याज किस्त एक फसल मौसम के लिए अतिदेय रहती है

- **गैर कृषि ऋण मामलों के संदर्भ में:**

i. 90 दिनों से अधिक अवधि के लिए सावधि ऋण पर ब्याज और/मूल धन अतिदेय रहता है.

ii. तुलन पत्र के दिन को ओवर ड्राफ्ट या नकद ऋण के खाते अनियमित रहते है, यानी, लगातार 90 दिनों तक बकाया राशि मंजूरी सीमा/ आहरण् सीमा से अधिक रहती है या खाते में किसी प्रकार की जमाएं नहीं होती है या इस तुलन पत्र की अवधि के दौरान देय ब्याज को कवर करने के लिए जमाराशि पर्याप्त नहीं है.

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित वर्तमान मार्गदर्शी सद्धान्तों/ निर्देशों के अनुसार अनिष्पादक आस्तियों के लिए प्रावधान किए गये हैं.

अ) सभी अग्रिमों को चार श्रेणियो में वर्गीकृत किया गया है यथा ; मानक आस्तियाँ, अवमानक आस्तियाँ , संदिग्ध आस्तियाँ और हानि आस्तियाँ.

आ) आस्तियों पर प्रावधान RBI के मौजूदा दिशानिर्देशो के अनुसार निम्नानुसार किए गये है

I. **मानक आस्तियां** : मानक आस्तियों के लिए साधारण प्रावधान निम्न दरों पर किया गया है:

(१) कृषि एवं एस्.एम्.ई. क्षेत्र के प्रत्यक्ष ऋण के लिये 0.25%

(२) व्यवसायिक रियल ईस्टेट क्षेत्र के लिये 1%

(३) व्यवसायिक रियल ईस्टेट - आवासीय आवास क्षेत्र के लिये 0.75%

उपर्युक्त (१), (२) और (३) में शामिल नहीं किए गये अन्य सभी अग्रिमों के लिए 0.40%

II. **अवमानक आस्तियां**

कोइ भी ऋण आस्ति 12 महीने तक या उससे कम अवधि के लिए अनिष्पादित रहती है तो उसे अवमानक अस्ति माना गया है.

कुल अतिदेयता पर 10% सामान्य प्रावधान

III. **संदिग्ध आस्तियां** :

कोइ भी ऋण आस्ति 12 महीने से अधिक की अवधि के लिए अवमानक आस्ति बनी रहती है, तो वह संदिग्ध आस्ति के रुप में परिवर्तित होगी :

सुरक्षित भाग	एक वर्ष तक	20%
	एक से तीन वर्ष तक	30%
	तीन वर्ष से अधिक	100%
असुरक्षित भाग		100%

IV. **हानिकारक आस्तियां**

A) हानिकारक संपत्ति वह है, जो हानि संपत्ति के रुप में पहचाना गया है. लेकिन पुरी तरह बट्टे खाते में नहीं डाला गया है.

अतिदेय ऋण पर 100% प्रावधान

- अग्रिमों में विशेष ऋण हानि प्रावधान और वसूल नहीं किया गया, ब्याज घटाए गए हैं.
- पुनर्गठित और पुन: अनुसूचित आस्तियों के लिए प्रावधान नियामकों द्वारा जारी वर्तमान दिशा निर्देशों के अनुसार.
- पिछले वर्षों में बट्टे खाते में डाली गयी राशि की वसूली होने पर उसे चालू वर्ष के राजस्व के अन्तर्गत माना जाता है.
- भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार एनपीए के लिए विशेष प्रावधानों के अलावा सामान्य प्रावधान भी मानक आस्तियों के लिए बने है. तुलन पत्र कि अनुसूची 5 के अन्तर्गत अन्य देयतायें और प्रावधान शीर्ष के अंतर्गत ये प्रावधान दर्शाये गये हैं. निवल एनपीए कि गणना हेतु इन पर विचार नहीं किया जाता है.
- एनपीए पर प्राप्त ब्याज को आय खाते में तभी लिया जा सकता है जब ब्याज के लिये खातो में की गयी जमा प्रबिष्ठियाँ संबंधित ऋणकर्ता को मंजूरी की गयी ताजे और अतिरिक्त ऋण सुबिधाएं नहीं है.
- विद्यमान बैंक आदेशों के अनुसार निम्न वरीयता के आधार पर मूल राशि या देय ब्याज के प्रति एनपीए वसूलीयों में विनियोजन किया जाता है:

  a. प्रभार

  b. अप्राप्त ब्याज/ब्याज

  c. मूल राशि

7. अचल आस्तियां, मूल्यह्रास और परिशोधन:

7.1 अचल आस्तियों का मूल्यांकन परंपरागत लागत के आधार पर किया जाता है.

7.2 लेखा नीति में एक रुपता बनाए रखने के लिए अचल आस्तियों का मूल्यह्रास, प्रायोजक बैंक द्वारा निर्धारित दरों पर , मूल्यह्रास की सीधी रेखा पद्धति पर किया जाता है.

8. कर्मचारियों को परिलाभ :

क) अल्पावधि लाभ :

भुनाये नहीं गये अल्प कालकि कर्मचारी लाभ जैसे, चिकित्सा लाभ, आदि की राशि को, जिनका भुगतान कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लिए जाना अपेक्षित होता है. कर्मचाारी द्वारा सेवा प्रदान की जाने वाली आवधि के दौरान प्रकट किया जाता है.

ख) दीर्घावधि परिलाभ :

अ) उपदान : सभी पात्र कर्मचारियों के लिये बैंक बीमांकित मूल्यायन के आधार पर प्रावधान करता है. प्रतिवर्ष किए जाने वाले स्वतंत्र बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर न्यासियों द्वारा संचालित निधि को बैंक सामयिक योगदान करता है.

आ) छुट्टी नकदीकरण : उन सभी कर्मचारियों, जिन्होंने पाँच वर्षों का सेवा पूर्ण कर ली है, के लिए बैंक छुट्टी नकदीकरण दायित्व के लिए बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर वर्षिक प्रावधान करता है.

इ) पेंशन : बैंक ने इस वित्तीय बर्ष में नाबार्ड के पत्र संख्या NB.IDD/344/316(पेंशन)/ 2018-19 दिनांक 23.10.2018 और भारत सरकार द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना-असाधारण भाग-III , अनुभाग-4 , संख्या -533 दिनांक : 24.12.2018 के दिशा-निर्देशों के अनुसार उत्कल ग्रामीण बैंक (कर्मचारी) पेंशन विनियमन, 2018 की शुरुआत की है.

ग) कर्मचारी भबिष्य निधि जैसी परिभाषित योगदान योजनाओं को व्यय के रुप में माना जाता है और संचित आधार पर लाभ एवं हानि खाते को प्रभारित किया जाता है.

9. आकस्मिक देयताएं और प्रावधान :

आइसीएआइ द्वारा जारी किए गए AS-29 लेखा मान प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियों के अनुसार बैंक प्रावधानों को तभी मान्यता देता है जब उस पर पिछली घटना के परिणाम स्वरुप वर्तमान दायित्व है. जिस के कारण अर्थिक लाभों के आगे आगे चलने वाले स्रोतों का संभावित बहिर्गमन को मूर्त रुप दिया जा सकता है और जहां विश्वसनीय प्राक्कलन किया जा सकता है.

निम्न संदर्भों में प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया:

I. अतीत की घटनाओं से उत्पन्न किसी संभावित दायित्व, जिनका होना या नहीं होना एक या अनेक अनिश्चित भविष्य घटनाओं पर निर्भर करता है, जिन पर बैंक का नियन्त्रण नहीं है.

II. किसी भी वर्तमान दायित्व जो अतीत की घटनाओं से उत्पन्न होता है, परंतु मान्यता नहीं दी जाती है, क्योंकि

अ) यह संभव नहीं है कि अर्थिक लाभों के परित्याग को सम्मिलित करने वाले संसाधनों का संभावित बहिर्गम दायित्व को निपटाने हेतु आवश्यक हो या

आ) दायित्व के विश्वसनीय आकलन तैयार नहीं किया जा सकता । ऐसी देयताओं को आकस्मिक देयताओं के रुपमें रिकार्ड किया जाता है। इनका मूल्याकंन नियमित अन्तराल पर किया जाता है । कुछ ऐसी असाधारण परिस्थितियों में, जहां विश्वसनीय आकलन नहीं बनाया जा सकता, को छोडकर, देयता के केवल उस अंश, जिसके संदर्भ में अर्थिक लाभों के आगे चलने वाले स्त्रोतों का संभावित बहिर्गमन को मूर्त रुप दिया जा सकता है, का प्रावधान किया जाता है।

III. वित्तीय विवरणों मे आकस्मिक आस्तियों को मान्यता नहीं दिया जाता है.

10. विशेष आरक्षितियाँ : आयकर अधिनियम, 1961 कि धारा 36(i)(viii) के अंतर्गत राजस्व और अन्य आरिक्षतियों में विशेष आरिक्षतियाँ सम्मिलित हैं.

अनुसूची - 18 लेखा सम्बन्धि टिप्पणियां

31st March 2021 को समाप्त वर्ष हेतु लेखा निर्माण की अनुसूची

लेखा पर टिप्पणी

1. **अंशपुञ्जि**

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 के संशोधन के संबंध में 12 मई, 2015 के राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, 4 फरवरी 2016 से बैंक की अधिकृत पूंजी दो हजार करोड रुपये तक बढ गई, जो दस रुपये के पूर्ण भुगतान वाले शेयरों के दो सौ करोड में विभाजित है । प्रत्येक प्रभावी, सीआरएआर और अन्य वित्तीय मापदंडों के न्यूनतम स्तर को पूरा करने के लिए, पुनर्पूंजीकरण के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था । वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान उपयुक्त अधिकारियों द्वारा रु 683.31 करोड पुनर्पूंजीकरण स्वीकृत किया गया है। और वित्त वर्ष के दौरान रु 239.16 करोड प्रायोजक बैंक एवं भारत सरकार प्रत्येक के द्वारा प्राप्त किया गया है जिसे अनुसूची - 1B अंश पूंजी जमा में दर्शाया गया है क्योंकि विभिन्न हिस्सेदारो से पूर्ण योगदान प्राप्त नही हुआ है। बैंक को अप्रैल 2022 के महीने मे भारत सरकार एवं ओडिशा सरकार प्रत्येक से रु 102.50 करोड अंश पुंजी के रुप मे प्राप्त हुआ है।

अंशधन पुंजी भारत सरकार, प्रयोजक बैंक तथा ओड़िशा सरकार द्वारा प्रदत्त 50:35:15 अनुपात मे गठित जो निम्न प्रकार है :

(रुपये करोडो में)

	चलित वर्ष 31.03.2022	विगत वर्ष 31.03.2021
अधिकृत पुंजी (200,00,00,000 अंशधन, प्रत्येक ₹ 10/-)	2000.00	2000.00
निर्गत, अभिदत्त एवं प्रदत्त अंशपुंजी भारत सरकार (485186550 अंशधन, प्रत्येक ₹ 10/-)	485.19	485.19
भारतीय स्टेट बैंक (339633610 अंशधन, प्रत्येक ₹ 10/-)	339.63	339.63
ओड़िशा सरकार (145552900 अंशधन प्रत्येक ₹ 10/-)	145.55	145.55
कुल	**970.37**	**970.37**

i) बेमियादी/स्थायी बांड

CBS के क्रियान्यवन के फल स्वरुप बैंक ने कुल खर्च रु 16,27,65,784/- किया जिस में से प्रायोजित बैंक का अंश 50% के औसत से रु 8,13,82,892 होता है । यह राशि 08.01.2016 को भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा बेमियादी/स्थायी बांड, के रुप मे प्राप्त हुआ है। जिसे तुलन पत्र में बेमियादी/स्थायी बांड के रूप में देयताओं के वर्ग में शामिल किया गया है ।

iii) भारत सरकार एवं प्रायोजक बैंक के द्वारा पूंजी लगाने कारण बैक का शुद्ध मूल्य रु. 84.08 करोड (जो कि पिछले वर्ष ऋणात्मक(-) रु. 404.72 करोड था) तक पहुंच गया है ।

2. निवेश

बैंक के द्वारा ₹ 471035.86 लाख की राशि सरकारी प्रतिभूति एवं सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड मे SLR निवेश के लिए किया गया है। यह स्थायी श्रेणी के निवेश में आता है। कुल स्थायी श्रेणी निवेश के ₹ 471035.86 लाख में से ₹ 147304.63 लाख परिपक्वता के लिए आयोजित (HTM) और ₹ 323731.23 लाख बिक्री के लिए उपलब्ध (AFS) के अन्तर्गत वर्गीकृत किया गया है । HTM श्रेणी के अन्तर्गत प्रतिभूतियों को बाजार के मानदण्डों में चिह्नित करने से छूट दिया गया है । AFS श्रेणी के अन्तर्गत प्रतिभूतियां (SLR और NSLR दोनो)बाजार के मानदण्डों में चिह्नित की गयी है . SLR और NSLR निवेश दोनों के मामले में, शुद्ध मूल्यवृद्दि के कारण मूल्यह्रास के लिए प्रावधान की आवश्यकता नहीं है ।

3. अग्रिम

चालू वित्त वर्ष के दौरान बैंक ने रु. 52.82 करोड बट्टे खाते में डाला जिसमे 100% प्रावधान उपलब्ध था। साथ ही बैंक ने क्रमश: रु. 35.04 करोड एवं रु. 29.30 करोड के OTS एवं समझौता प्रस्ताव स्वीकृत किए है।

4 स्थिर आस्तियाँ

क) वर्ष के दौरान बैंक के स्थिर आस्तियाँ को बैंक अधिकारियों ने प्रत्यक्ष तदारख किये और कमी/अधिक होने पर प्रयुक्त रुप से खाते में शामिल किया गया है।

ख) स्थिर आस्तियों में मूल्य ह्रास सरल रेखा विधि द्वारा प्रायोजक बैंक के द्वारा निर्धारित दर पर दिया गया है

5. मिलान (RECONCILIATION)

क) अन्य आस्तियाँ

रु.45.60 करोड जो कि मुख्य कार्यालय खाता के अपुर्ण समांकन राशि है, जिसके पत्र लेखाएँ बन्द करने कि तिथि तक प्राप्त नहीं हुए तथा वे सामंजस्य और परिणामी समायोजन के अधीन है।

इसके अलावा, अनुसूची 11 में अन्य पारिसंपात्तियों मे. रु.0.84 लाख की राशि उचंत अग्रिम में शामिल है, और अन्य समायोजन खातो मे रु.691.76 लाख जो कि मिलान के प्रक्रियाधीन है।

इसके अलावा, तुलन पत्र में अन्य संपत्तियों में आयकर प्रावधान / अग्रिम कर का भुगतान का रु.749.48 लाख एवं कर वापसी का प्राप्य की रु. 7.04 करोड शामिल है । ये वर्ष-वार-समाधान की प्रक्रिया में शामिल है और परिणामी समायोजन के अधीन है ।

ख) अन्य देयताएँ

अनुसूची 5 में अन्य देनदारियों में रु. 641.83 लाख की समायोजन खाता की राशि शामिल है । वे समाधान की प्रक्रिया में है और परिणामी समायोजन के अधीन है ।

इसके अलावा, अनुसूची में अन्य देनदारियों में रु. 442.91 लाख करोड की सब्सिडी रिजर्व फंड शामिल है । ये ऋण कर्ता-वार समाधान की प्रक्रिया में है और परिणामी समायोजन के अधीन है ।

6. आकस्मिक देयताएँ

रु. 54.72 करोड की आकस्मिक देयताएँ (विगत वर्ष रु. 54.17 करोड) जैसे Bank Guarantee, DEAF schedule -12

के अन्तर्गत दिखाया गया है। इसके अलावा बैंक के पास रु. 0.16 करोड AY 2010-11, रु. 0.13 करोड AY 2012-13 के आयकर के लंबित मामले CIT (A) के अधीन है, साथ ही बैंक के कर्मचारियो के द्वारा रु. 0.12 करोड के लंबित मामले हैं।

7. अन्य

31.03.2022 तक बैंक की संचित हानि ₹ 1372.75 करोड है।

8. जहां आवश्यक समझा गया, विगत वर्ष के सभी आंकडो का पुन: वर्गीकरण/पुन: व्यवस्थित/या नया संख्या स्वरुप दिया गया है ताकि यह तुलनीय हो।

9. **अतिरिक्त प्रकटीकरण**

9 a. **पूंजी**

क्र.सं.	**विवरण**	**चालु वर्ष** (2021-22)	**पूर्व वर्ष** (2020-21)
i)	सीआरएआर (%)	3.44 %	-16.01 %
ii)	सीआरएआर टियर - I पुंजी (%)	2.87 %	-16.01 %
iii)	सीआरएआर टियर - II पुंजी (%)	0.57 %	0.55 %
iv)	अंशधारिता का प्रतिशत		
	a) भारत सरकार	50%	50%
	b) प्रदेश सरकार	15%	15%
	c) प्रायोजक बैंक (एस्.बि.आई) /	40%	35%

9. b. **निवेश** (रु लाख में)

क्र.सं.	**विवरण**	**चालु वर्ष** (2021-22)	**पूर्व वर्ष** (2020-21)
1.	निवेश का मूल्य		
i)	निवेश का सकल मूल्य	4712.61	4195.40
ii)	मूल्यह्रास हेतु प्रावधान	NIL	NIL
iii)	निवेश का निवल मूल्य	4712.61	4195.40
2.	निवेश के मूल्यह्रास हेतु रखे प्रावधान का संचालन	NIL	NIL
i.	प्रारम्भिक शेष	NIL	NIL
ii.	जोड़ें : वर्ष के दौरान किया गया प्रावधान	NIL	NIL
iii.	घटायें : बट्टाकृत / वर्ष के दौरान वापस किया गया बढ़ा हुआ प्रावधान	NIL	NIL
	शेष	NIL	NIL

9. c. **रेपो लेन-देन** (रु लाख में)

मद	वर्ष के दौरान न्युनतम बकाया /	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया /	वर्ष के दौरान दैनिक औसत /	31 मार्च 2022
रेपो के अंतर्गत बेची गयी प्रतिभुतियाँ	NIL	NIL	NIL	NIL
रिवर्स रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियाँ	NIL	NIL	NIL	NIL

9. d. **गैर सांविधिक निधियों की निवेश सूची**

(i) **गैर सांविधिक निधियाँ के निर्गमन का संघटन**

(रु करोड में)

क्र.सं.	जारीकर्ता	धनराशि	निजी प्लेसमेंट की सीमा	निवेश की सूची वाली प्रतिभूतियों की सीमा	बिना रेटिंग वाली प्रतिभूतियों की सीमा	बिना श्रेणी से नीचे के प्रतिभूतियों की सीमा
1	2	3	4	5	6	7
i.	सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकरण	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
ii.	वित्तीय संस्थायें	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
iii.	बैंक	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
iv.	निजी कारपोरेट	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
v.	अन्य / Other	2.25	NIL	NIL	NIL	NIL
vi.	मूल्यह्रास के प्रति रक्षित प्रावधान	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
	योग	**2.25**	**NIL**	**NIL**	**NIL**	**NIL**

(ii) **गैर निष्पादक - गैर सांवधिक निवेश**

(रु लाख में)

विवरण	धनराशि
प्रारंभिक शेष	NIL
१ अप्रैल से वर्ष के दौरान वृद्धि	NIL
उपर्युक्त अवधि में कटौती	NIL
अंतिम शेष	NIL
कुल धारित प्रावधान	NIL

10. **आस्ति गुणवत्ता**

10.1. **गैर निष्पादक आस्तियाँ** (रु करोडो में)

क्र.सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
i)	निवल एनपीए / निवल ऋण (%)	8.34 %	16.06 %
ii)	गैर निष्पादक आस्तियों का संचलन (सकल एनपीए)	---	---
a.	प्रारम्भिक शेष	854.21	810.37
b.	वर्ष के दौरान जोड़ी गई	230.21	408.34
c.	वर्ष के दौरान कमी	408.71	364.49
d.	अंतिम शेष	675.70	854.21
iii.	निवल गैर निष्पादक आस्तियों का संचलन		
a.	प्रारम्भिक शेष	388.50	309.37
b.	वर्ष के दौरान जोड़ी गई	112.34	183.75
c.	वर्ष के दौरान कमी	280.06	104.62
d.	अंतिम शेष	220.77	388.50
iv.	एनपीए के प्रावधान का संचलन (मानक आस्तियों के प्रावधान को छोड़कर)		
a.	प्रारम्भिक शेष	465.71	501.00
b.	वर्ष के दौरान जोड़ी गई	42.04	104.63
c.	वर्ष के दौरान बट्टाकृत / वापस किया गया प्रावधान /	52.82	139.91
d.	**अंतिम शेष**	454.93	465.71

10.2. **पुनर्गठन के अधीन ऋण आस्तियों का विवरण**

(रु लाख में)

	विवरण	चालु वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
I	पुनर्गठन, पुनर्निर्धारण, पुनर्निवेश के अधीन ऋण परिसंपत्तियों की कुल राशि	NIL	NIL
II	पुनर्गठन, पुनर्निर्धारण, पुनर्निवेश के अधीन मानक संपत्ति की मात्रा	NIL	NIL
III	पुनर्गठन, पुनर्निर्धारण, पुनर्निवेश के अधीन उप-मानक परिसंपत्ति की राशि	NIL	NIL
IV	पुनर्गठन, पुनर्निर्धारण, पुनर्निवेश के अधीन संदिग्ध संपत्ति की राशि	NIL	NIL
	I = II + III + IV	**NIL**	**NIL**

10.3. **परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण के लिए प्रतिभूतिकरण /पुनर्निर्माण कंपनी को बेची गई वित्तीय परिसंपत्तियों का विवरण**

(रु लाख में)

	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
I	खातों की संख्या	NIL	NIL
II	प्रतिभूतिकरण /पुनर्निर्माण कंपनी को बेचे गए खातों का सकल मूल्य (प्रावधानों का शुद्ध)	NIL	NIL
III	समग्र प्रतिफल	NIL	NIL
IV	विगत वर्षों में हस्तांतरित खातों के संबंध में अतिरिक्त प्रतिफल	NIL	NIL
V	शुद्ध बही मूल्य से संकलित लाभ / हानि	NIL	NIL

10.4. **खरीदे /बेचे जाने वाले गैर-निष्पादित वित्तीय आस्तियों का विवरण**

A. **खरीदे जाने वाले गैर-निष्पादित वित्तीय आस्तियों का संपूर्ण विवरण**

(रु लाख में)

	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
1 (a)	वर्ष के दौरान खरीदे गए खातों की संख्या	NIL	NIL
(b)	संकलित बकाया	NIL	NIL
2 (a)	इनमें से, वर्ष के दौरान पुनर्गठन किया गया खाते की संख्या	NIL	NIL
(b)	संकलित बकाया	NIL	NIL

B. **बेचे जाने वाले गैर-निष्पादित वित्तीय आस्तियों का संपूर्ण विवरण**

(रु लाख में)

	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
1.	वर्ष के दौरान बेचे गए खातों के संख्या	NIL	NIL
2.	संकलित बकाया	NIL	NIL
3.	संकलित प्रतिफल राशि	NIL	NIL

10.5. **मानक आस्तियों पर प्रावधान**

(रु करोडो में)

क्र.सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
1	मानक आस्तियों पर प्रावधान	6.97	5.77

बि.द्र. : मानक परिसंपत्तियों के प्रति प्रावधान को सकल अग्रिमों से अलग नहीं किया गया है। लेकिन तुलन पत्र की अनुसूची संख्या-5 में "देयताएं और प्रावधान - अन्य" के तहत "मानक परिसंपत्तियों के प्रावधान" के रुप में अलग से दिखाया गया है।

11. **व्यवसाय अनुपात**

क्र.सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
i)	कार्यशील पुंजी के रुप में ब्याजिक आय	7.45 %	5.70 %
ii)	कार्यशील पुंजी के रुप में गैर-ब्याजिक आय	1.08 %	0.85 %
iii)	कार्यशील पुंजी के रुप में परिचालन लाभ	2.60 %	0.78 %
iv)	आस्तियों पर प्रतिफल	0.03 %	-4.94 %
v)	प्रति कर्मचारी व्यवसाय (जमा + अग्रिम)(रु लाख में)	777.99	774.57
vi)	प्रति कर्मचारी लाभ (रु लाख में)	0.17	-30.74

12. **आस्ति दायित्व प्रबंधन - आस्ति एवं दायित्वों की कुछ मदों की परिपक्वता क्रम**

(रु करोड में)

विवरण	१ से १४ दिन	१५ से २८ दिन	२९ दिन से ३ माह	३ माह से अधिक एवं ६ माह तक	६ माह से अधिक एवं १ वर्ष तक	१ वर्ष से अधिक एवं ३ वर्ष तक	३ वर्ष से अधिक एवं ५ वर्ष तक	५ वर्ष से अधिक	कुल
जमा	537.58	67.29	307.01	449.20	5004.42	955.98	246.49	75.10	7643.07
अग्रिम	9.14	19.48	151.39	416.28	873.70	1353.10	39.97	237.92	3100.98
निवेश & TDR	96.10	110.72	220.46	74.96	96.48	179.52	919.05	3701.17	5398.46
उधार	0	0	0	100.00	346.59	0	0	0	446.59
विदेशी मुद्रा आस्तियां	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
विदेशी मुद्रा दायित्व	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL

नोट - आंकडें सीबीएस सिष्टम् से ली गई हैं ।

13. **अभिमुखीकरण - स्थावर संपदा के लिए अभिमुखीकरण**

(रु करोड में)

क्र.सं.	श्रेणी	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
A.	प्रत्यक्ष अभिमुखीकरण	210.59	184.87
i)	आवासीय बंधक उधारकर्ता द्वारा अधिग्रहण की जाने वाली या किराये पर दी गई आवासीय संपति पर बंधक द्वारा पुर्णत: जमानती ऋण (२० लाख रुपये तक के व्यक्तिगत आवास ऋण को अलग दिया जाय)	210.59	184.87
ii)	वाणिज्यक स्थावर - संपदा वाणिज्यक स्थावर-संपदा (ऑफिस भवन, खुचरा प्रतिष्ठान, बहुद्देशीय वाणिज्यक प्रतिष्ठान, बहु-परिवार आवासीय भवन, अनेकाधिक किरायेदारों वाला वाणिज्यक प्रांगण, औद्योगिक या वेयरहाउस प्रतिष्ठान, होटल, भूमि अधिकरण, विकास एवं निर्माण, आदि) पर बंधक द्वारा जमानती ऋण	0	0
iii)	बंधक समर्थित प्रतिभूतियों (एमबीएस) एवं अन्य जमानती अभिमुखीकरण में	NIL	NIL
a)	आवासीय	NIL	NIL
b)	वाणिज्यक स्थावर-संपदा	NIL	NIL
B.	अप्रत्यक्ष अभिमुखीकरण	NIL	NIL
i)	आवास वित्त कंपनीयों (एचएफसी) एवं राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) पर निधि आधारित एवं गैर-निधि आधारित अभिमुखीकरण	NIL	NIL

14. **बैंक द्वारा एकल ऋण सीमा / सामूहिक ऋण सीमा का अतिक्रमण :**

भारतीय रिजर्व बैंक आदेशानुसार निजि धन का ज्यादा से ज्यादा अभिमुखीकरण सीमा 15% है। कोई भी खाता अभिमुखीकरण विवेक पूर्ण सीमा से ज्यादा नहीं है ।

15. **भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लगाए गये दण्ड का प्रकटन :**

वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कोई जुर्माना नहीं लगाया गया।

16. लेखा विधि मानकों के अनुसार प्रकटीकरण अपेक्षाएं जहाँ भारतीय रिजर्व बैंक ने ' लेखों पर टिप्पणियां ' हेतु प्रकटीकरण मदो के संबंध में मार्गदर्शी सिद्धांत जारी किये है :

16.1 **लेखा विधि मानक - 9 - राजस्व निर्धारण :**

लेखा विधिमानक के अनुसार राजस्व निर्धारण का सही अनुकरण किया गया है। इसका विधिवत् विवरण अनूसुची - 17 में दर्शाया गया है।

16.2 **लेखा विधि मानक - 15 - कर्मचारी समूह को लाभ :**

क) अनुतोषिक देयता : कर्मचारीयों के अनुतोषिक देयता के प्रदान हेतु बैंक ने भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ पॉलिसी अपनाया है। बैंक के द्वारा प्रदत्त राशि खर्च के रुप में दर्शाया गया है। चालू वर्ष के दौरान रु.4.65 करोड़ का भुगतान किया गया है। भारतीय जीवन बीमा निगम के आकलन के मुताबिक 20 लाख की प्रति कर्मचारी ग्रेच्युटी देयता के अनुसार कुल ग्रेच्युटी देयता रु.65.39 करोड है। चूँकि देयता की ओर 31.03.2022 को बैंक को कोष में रु. 66.06 करोड रुपये उपलब्ध है, इसलिए कोइ प्रावधान जरुरी नहीं है ।

ख) एक्च्युअरी मूल्याकंन के आधार पर बैंक के अवकाश वेतन के लिए रु.32.84 करोड की आवश्यकता है, जिसके खिलाफ बैंक का कॉर्पस फंड 31.03.2022 को रु. 29.03 करोड है, जिसके लिए रु.4.34 करोड का प्रावधान किया गया है ।

ग) पेंशन : भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग III, धारा 4 की अधिसूचना संख्या 533 दिनांक 24.12.2018 को उत्कल ग्रामीण बैंक (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 2018 और उत्कल ग्रामीण बैंक (अधिकारी और कर्मचारी) सेवा (संशोधन) विनियम, 2018 प्रकाशित किया गया था। 2021-22 वर्ष के दौरान पेंशनभोगियों द्वारा रु. 7.92 करोड वापस किया गया है और रू. 73.65 करोड का भुगतान किया जा चुका है । नवीनतम बीमांकिक मूल्यांकन स्थिति के अनुसार कुल पेंशन देय रु. 798.34 करोड है । भारतीय रिजर्व बैंक के मानदण्डों के अनुसार आवश्यक प्रावधान रु.798.34 करोड का 80% जो की 31.03.2022 तक रु. 638.67 करोड है । इस निर्धारित परिशोधन के अनुसार और प्रायोजक बैंक के सलाह के अनुसार वर्ष 2021-22 के दौरान रु. 159.67 करोड की प्रावधान की गयी है ।

घ) वेतन संशोधन : वर्ष 2021-22 के दौरान बैंक ने दिनांक 01.11.2017 से ११वें Bi-partiete वेतन भुगतान के बकाया के लिए रु. 2.00 करोड की राशि प्रावधान की है । अत: 31.03.2022 तक रु.48.79 करोड की कुल राशि वेतन संशोधन के लिए प्रदान की जा चुकी है, जिसमे से रु.45.53 करोड वर्ष के दौरान भुगतान किए जा चुके हैं।

16.3 **लेखा विधि मानक - 17 - खण्डिय प्रतिवेदन :**

क) खुदरा वित्तीय कारोबार बैंक का एक मात्र व्यवसाय खण्ड है।

ख) केवल एक भौगोलिक खंड यानि की घरेलू है।

16.4 **लेखा विधि मानक - 22 - आय के ऊपर करों का लेखा**

क) चूंकि बैंक के पास अत्यधिक संचित हानि है, इसलिए स्थगित कर संपत्ति /देयता को मान्यता नहीं दी गई है और हिसाब में नहीं लिया गया है।

16.5 **लेखा विधि मानक - 25 - अन्तरिम वित्तीय रिपोर्टिंग:**

नाबार्ड के दिशा निर्देश के अनुसार बैंक ने अन्तरिम वित्तीय रिपोर्टिंग सिस्टम प्रारम्भ किया है।

17. **अतिरिक्त प्रकटन**

17.1 **अग्रिम के लिए प्रावधान** (रु करोडो में)

क्र.सं.	**विवरण**	**चालू वर्ष** (2021-22)	**पूर्व वर्ष** (2020-21)
a.	प्रावधान खाते में प्रारम्भिक शेष	471.49	515.46
b.	लेखा वर्ष में किये गये प्रावधान की मात्रा	43.23	104.63
c.	लेखा वर्ष के दौरान आहरण द्वारा कमी की राशि	52.82	148.60
d.	प्रावधान खाते में इति शेष	461.90	471.49

17.2. **सचिंत कोष से आहरण :**

वर्ष के दौरान किसी भी संचित कोष से आहरण नहीं हुआ।

17.3. **शिकायतों का निपटारा**

A. **ग्राहक शिकायतें**

क्र.सं.	**विवरण**	**संख्या**
a.	वर्ष की शुरुआत में लंबित शिकायतों की संख्या	0
b.	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतें	65
c.	वर्ष के दौरान निर्णीत शिकायतें	62
d.	वर्ष की समाप्ति पर लम्बित शिकायतें	3

B. **बैंकिंग लोकपात द्वारा पारित निर्णय**

क्र.सं.	**विवरण**	**संख्या**
a.	वर्ष के प्रारंभ में लंबित निर्णय	NIL
b.	वर्ष के दौरान बैकिंग लोकपात द्वारा पारित निर्णय	NIL
c.	वर्ष के दौरान लागू निर्णय	NIL
d.	वर्ष के अंत में लबिंत निर्णय	NIL

17.4 **जमा, अग्रिम, एक्सपोजर और एनपीए पर संकेन्द्रन** (रु करोडों में)

जमा पर संकेन्द्रन	
बीस सबसे बडे जमाकर्ताओं के कुल जमा	148.18
बैंक के बीस सबसे बडे जमाकर्ताओं का कुल जमाकर्ताओं के जमा का प्रतिशत	1.94%
* अग्रिमों पर संकेन्द्रन	
कुल बीस सबसे बडे उधारकर्ताओं को अग्रिम	216.82
कुल अग्रिमों में बीस सबसे बडे उधारकर्ताओं को अग्रिम का प्रतिशत	6.99%
* अग्रिमों की गणना हमारे सर्कुलर में विवेकपूर्ण मानदंड के सुदृढीकरण पर निर्धारित की गयी है - प्रावधान, आस्तियाँ वर्गीकरण और एक्सपोजर लिमिट RPCD.RB.BC.97/03.05.34 / 2000-01 दिनांक 11 जुन, 2001 प्रति परिपत्र RPCD.RRB.BC. 11 जून 2001 को 97/03.05.34 / 2000-01 के आधार पर की गयी है।	

एक्सपोजर पर संकेन्द्रन	
कुल बीस सबसे बडे उधारकर्ताओं / ग्राहकों के एक्सपोजर	241.37
बीस सबसे बडे उधारकर्ताओं / ग्राहकों का कुल एक्सपोजर से प्रतिशत	7.48%
* अग्रिमों की गणना हमारे सर्कुलर में विवेकपूर्ण मानदंड के सुदृढीकरण पर निर्धारित की गयी है - प्रावधान, आस्तियाँ वर्गीकरण और एक्सपोजर लिमिट RPCD.RB.BC.97/03.05.34 / 2000-01 दिनांक 11 जुन, 2001 प्रति परिपत्र RPCD.RRB.BC. 11 जून 2001 को 97/03.05.34 / 2000-01 के आधार पर की गयी है।	

एन्पीए पर संकेन्द्रन	
कुल चार सबसे बडे एन्पीए खाता पर एक्सपोजर	4.49

II. **क्षेत्रवार एन्पीए**

क्र.नं.	क्षेत्र	वर्तमान बर्ष (2021-22)			पिछला बर्ष (2020-21)		
		बकाया कुल अग्रिम	सकल एन्पीए	उस् क्षेत्र में कुल अग्रिमों को सकल एन्पिए का प्रतिशत	बकाया कुल अग्रिम	सकल एन्पीए	उस् क्षेत्र में कुल अग्रिमों को सकल एन्पीए का प्रतिशत
A.	**प्राथमिकता क्षेत्र**						
1.	कृषि और संबन्ध कार्यकलाप	2039.98	528.11	25.89%	1902.42	647.55	34.03%
2.	उद्योग क्षेत्र जो कि प्राथमिकता क्षेत्र में से है	398.11	95.12	23.89%	428.91	128.25	29.90%
3.	सेवाएँ	65.94	4.78	7.24%	58.24	7.88	13.53%
4.	व्यक्तिगत ऋण	216.57	22.92	10.58%	193.05	37.11	19.22%
	उप कुल (A)	**2720.60**	**650.93**	**23.92%**	**2582.62**	**820.79**	**31.78%**

क्र.नं.	क्षेत्र	वर्तमान वर्ष (2021-22)			पिछला वर्ष (2020-21)		
		बकाया कुल अग्रिम	सकल एन्पीए	उस् क्षेत्र में कुल अग्रिमों को सकल एन्पीए का प्रतिशत	बकाया कुल अग्रिम	सकल एन्पीए	उस् क्षेत्र में कुल अग्रिमों को सकल एन्पीए का प्रतिशत
B.	**गैर प्राथमिकता क्षेत्र**						
1.	कृषि और संबन्ध कार्यकलाप	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
2.	उद्योग	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
3.	सेवाएँ	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
4.	व्यक्तिगत ऋण	380.38	24.77	6.51%	301.64	33.42	11.08%
	उप कुल (B)	**380.38**	**24.77**	**6.51%**	**301.64**	**33.42**	**11.08%**
	कुल (A+B)	**3100.98**	**675.70**	**21.78%**	**2884.26**	**854.21**	**29.06%**

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक उपर्युक्त प्रारुप में भी खुलासा कर सकते हैं, उप क्षेत्र जहां बकाया अग्रिम उस क्षेत्र के लिए बकाया कुल अग्रिम का 10 प्रतिशत से अधिक है, उदाहरण के लिए, यदि खादी और ग्राम उद्योग (KVI) के लिए बैंक का बकाया अग्रिम उद्योग क्षेत्र के लिए कुल बकाया का 10 प्रतिशत अधिक है, तो उसे उद्योग के तहत उपर प्रारुप में केवीाई को अपनी बकाया अग्रिमों का विवरण अलग से दिखाया जा सकता है।

III. अनर्जक आस्तियाँ की गतिशीलता

(रु करोडों में)

विवरण		वर्तमान वर्ष (2021-22)	पिछला वर्ष (2020-21)
1st April को कुल अनर्जक आस्तियाँ (प्रारम्भिक शेष)		854.21	810.37
वर्ष के दैरान परिवर्धन (नया अनर्जक आस्तियाँ)		230.21	408.33
उप कुल योग (A)		1084.42	1218.79
कम :			
i.	उन्नयन	244.03	114.45
ii.	वसुली (उन्नत खातों के वसुली को छोड के)	111.86	110.16
iii.	बट्टे खाते में डाला गया	52.82	139.88
उप कुल योग (B)		408.71	364.49
सकल अनर्जक आस्तियाँ अंतिम शेष (A-B)		675.70	854.21

18. 31st March 2022 पर परिसंपत्तियों (अग्रिम) का वर्गीकरण

(रु. करोडो में)

वर्गीकरण	**कुल अग्रिम**	**शुद्ध अग्रिम**
मानक आस्तियाँ	2425.28	2425.28
उप मानक आस्तियाँ	65.37	58.83
अशोध्य और संदिग्ध आस्तियाँ	610.33	161.94
कुल	3100.98	2646.05
जोडें : उपमानक और संदिग्ध आदि पर प्रावधान		454.93
कुल सकल अग्रिम	3100.98	3100.98

19. अग्रिम खातों से बट्टे खातों मे लिए गए खातों को AUCA (Advances under Collection Accounts) के तहत रखा गया है और 31.03.2022 को AUCA का शेष रु. 319.73 करोड है।

20. IBPC (Inter Bank Participation Certificate) : बैंक, प्रायोजक बैंक सहित प्राथमिकता वाले क्षेत्र में अपने अग्रिम पोर्टफोलिओ की अदला-बदली का लाभ उठाता है। हालांकि बैंक ने चालू वित्त वर्ष के दौरान IBPC में भाग नहीं लिया है और 31.03.2022 को बकाया शून्य है।

21. PSLC (Priority Sector Lending Certificate) : बैंक ने खुद को आरबीआई के ई-कुवेर पोर्टल् में पंजीकृत कर लिया है और सक्रिय रुप से PSLC बाजार में कारोबार कर रहा है। वर्ष के दौरान PSLC में ट्रेडिंग का विवरण निम्नलिखित है :

PSLC के वर्ग	वर्तमान बर्ष (2021-22)			पिछला बर्ष (2020-21)		
	बेचे	खरीदे	आय	बेचे	खरीदे	आय
PSLC (SM)	1300	0	18.85	1320	50	26.79
PSLC (G)	0	700	1.15	0	900	4.17
PSLC (Agri)	250	0	0.02	100	0	1.30
TOTAL	**1550**	**700**	**17.72**	**1420**	**950**	**24.10**

22. **आंकडे शुद्धिकरण और परिसंपत्ति वर्गीकरण :**

बैंक ने नाबार्ड तथा RBI द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंड के अनुसार आय निर्धारण और परसंपत्ति के अधिक सटीक वर्गीकरण के लिए, नई एनपीए कार्यक्षमता यानी एग्री और युआरआई मोड्युल के 1.1 संस्करण लागू की है।

23. **जमाकर्ता शिक्षा और जागरुकता कोष (DEAF) योजना :**

Depositor Education and Awareness Fund Scheme - 2014 के तहत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा DBOD No. DEAF Cell.BC.114/30.01.002/2013-14 दिनांक 27 मई 2014 (अनुसची 12 में दिए गए विवरण अनुसार) आवश्यक विवरण

(रु लाख में)

क्र.सं.	विवरण	चालु वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
1.	DEAF को हस्तान्तरित राशि का प्रारंभिक शेष	75.59	72.39
2.	जोडे : वर्ष के दौरान DEAF को हस्तान्तरित राशि	2.92	3.24
3.	कम : दावे प्रतिफल DEAF द्वारा प्रतिपूर्ति	0.16	0.05
4.	DEAF को हस्तान्तरित अंतिम शेष राशियाँ	78.35	75.59

24. **धोखाधडी मामले** : वर्ष के दौरान बैंक ने रु. 1.52 करोड के 4 मामले घोषित किए हैं, जिसके लिए पूर्ण प्रावधान किया जा चुका है।

25. मार्च 31, 2022 को समाप्त वर्ष के दौरान बैंक को रु. 2.34 करोड का शुद्ध लाभ हुआ है । हालांकि इस वर्ष बैंक की संचित हानि रु. 1372.75 करोड है, पर भारत सरकार और प्रायोजक बैंक के द्वारा रु. 478.32 करोड की पूंजी लगाने के कारण 31.03. 2022 को बैंक का शुद्ध मूल्य धनात्मक होगया है।

ओडिशा सरकार, भारत सरकार और प्रायोजक बैंक यानि एस्.बी.आई. के निरंतर सहायता को देखते हुए बैंक अपने वित्तीय दायित्व को पुरा करने में सक्षम है । तदनुसार, बैंक ने क्रियाशील संस्था के आधार पर अपने खाते प्रस्तुत किए है ।

बैंक के परिचालन प्रदर्शन की पुष्टि करने वाले और क्रियाशील संस्था कि धारणा कि पुष्टि करने वाले बिभिन्न संकेतकों का विवरण निचे दिया गया है :

क) ग्राहक आधार मे वृद्दि
ख) जमा राशि मे वृद्दि
ग) ताजा पूंजी आसव
घ) सांबिधिक आवश्यकता के अनुसार CRR/SLR के रखरखाव
च) वित्तीय दायित्व को पुरा करने मे सक्षम होना

श्री ए.सि, वेउरा
अध्यक्ष

स्थान - बलांगीर
दिनांक - २०.०५.२०२२

कृते मेसर्स तेजराज एण्ड पाल
सनदी लेखाकार
फार्म पंजीकरण संख्या. 304124E

(दिनाकर महान्ती)
पार्टनर
सदस्यता संख्या. 059390

Agro Enterprise Financed Under MKUY By Tulapada Br. under Bhawanipatna Region

Broiler Chicken Farm Unit Financed By Berhampur Main Branch under Berhampur Region

Bhulaxmi Seeds Financed by Barpali Branch, under Bargarh Region

Hotel Sai Palace, Financed by Bolangir Main Branch, under Bolangir Region

Shri Mihir Narayan Prasad Mishra, CGM (A&S), SBI, Corp. Centre interacting with SHG member at Baring, Madhapur Branch, under Phulbani Region

Mahima Agro Industries financed by Bolangir Main Branch under Bolangir Region

FLC Meeting conducted by Sunapur Branch under Berhampur Region

Chairman Sir Attending Seed Farmers' Meet

RO Jeypore new Premises Inauguration by Chairman Sir

FLC Camp at Asurabandha Branch under Phulbani Region

Sri Chanchal Rana, IAS, Collector & Dist. Magistrate, Bolangir, New Board member being welcomed by Chairman Sir

Kudgunderpur KIOSK being Inauguared by Sri Sukanta Tripathy (PD,DRDA, Sambalpur)

Symbolic possession of mortgaged property at Rourkela by SARB Sambalpur under Sec-13(4) of SARFAESI Act

Muniguda Branch SHG Finance in FLC camp under Rayagada Region

Vigilance Awarness Week observed by our Kashrupada Branch

Saras Poultry financed by Patnagarh Branch under Bolangir Region

UTKAL GRAMEEN BANK

10th ANNUAL REPORT 2021-22

With best compliments from

Shri Alekha Chandra Beura
Chairman
Utkal Grameen Bank
Head Office, Doorsanchar Bhawan,
Near New Bus Stand, Bolangir - 767 001
Tel. 06652-357264
www. utkalgrameenbank.co.in
chairman@ukgb.in

What's inside

S. No.	Particulars	Page No.
1.	Letter of Transmittal	61
2.	Board of Directors	62
3.	Statutory Auditors	62
4.	Regional Offices	63
5.	Highlights 2021-22	64
6.	Key Performance Indicators	65
7.	Board of Directors' Report	69
8.	Auditor's Report	89
9.	Balance Sheet, Profit & Loss Accounts and Schedules	93

Letter of Transmittal

Utkal Grameen Bank

Head Office : Bolangir

Date : 30.06.2022

The Secretary,
Ministry of Finance, Dept. of Financial Services,
Banking Division, Government of India,
Jeevan Deep Building, Parliament Street,
New Delhi - 110001

Dear Sir,

In accordance with the provisions of Section 20 of the Regional Rural Bank Act 1976, I forward herewith the following documents.

1. A Report of Board of Directors as to the Bank's working and its activities during the period 1st April 2021 to 31st March 2022.

2. A copy of the audited Balance Sheet and Profit & Loss Account for the year ended 31st March 2022.

3. A copy of the Auditor's report in relation to the Bank's accounts for the period 1st April 2021 to 31st march 2022.

Yours faithfully,

Sd/-

(Alekha Chandra Beura)
Chairman

BOARD OF DIRECTORS

Shri Alekha Chandra Beura
CHAIRMAN

NOMINEE OF RBI

1. **Shri Nirmal Chandra Pattanaik**
Deputy General Manager, RBI,
Bhubaneswar

NOMINEE OF NABARD

2. **Shri V. Balasubramanian**
Deputy General Manager, NABARD,
Regional Office, Odisha
Bhubaneswar.

NOMINEES OF SPONSOR BANK

3. **Shri Dhruba Charan Bal**
Deputy General Manager
(FI & MF), State Bank of India,
Local Head Office, Bhubaneswar.

4. **Shri Priyadarshan**
Deputy General Manager,
Associates & Subsidiaries Dept.
State Bank of India,
Corporate Center, Mumbai

NOMINEES OF GOVT. OF ODISHA

5. **Shri Chanchal Rana, IAS**
Collector & District Magistrate
Bolangir, Bolangir

6. **Shri Tarakanta Bhakta**
Deputy Secretary, Finance Department
Govt. of Odisha, Bhubaneswar

STATUTORY AUDITORS

TEJ RAJ & PAL
UCN 260114
Plot No. 1278/2256/4294
Bhubaneswar-751010

BRANCH AUDITORS

1. M/s AKAHSB & Associates
2. M/s A K Lenka & Co.
3. M/s A K Tripathy & Co.
4. M/s Amar Kanta & Associates
5. M/s BCP & Associates
6. M/s BKA & Associates
7. M/s DSPK & Associates
8. M/s DVR Murty & Co.
9. M/s Dillip Samir & Associates
10. M/s GSCS & Associates
11. M/s JITEN & Co.
12. M/s Jitendra Prusty & Associates
13. M/s KD Lath & Co.
14. M/s K G Agrawal & Co.
15. M/s MK & MK
16. M/s M K Thebaria & Associates
17. M/s MU Associates
18. M/s Mishra Badhai & Associates
19. M/s NALAM Associates
20. M/s Pratyush & Associates
21. M/s RPA & Associates
22. M/s SABD & Associates
23. M/s SCP & Co.
24. M/s Sudarshan Sahoo & Co.
25. M/s Suru Kotni & Associates.
26. M/s T K Agrawal & Co.

Regional Offices

Berhampur
Harsha Arcade, Subbarao Square
Berhampur
Ganjam - 760001
Mob.94384 93001
ro.berhampur@ukgb.in

Rayagada
Ramakrishna Nagar
At/Po/Dist. Rayagada - 765001
Mob.94371 76485
ro.rayagada@ukgb.in

Jeypore
NKT Road, Hotel Woods, 1st Floor
Jeypore - 764003
Dist. Koraput
Mob.82498 88034
ro.jeypore@ukgb.in

Sambalpur
At: Infront of Poddar Petrol Pump
Cuttack Road, Dhanupali
PO: Sambalpur Dist. Sambalpur
Mob.94384 93008
ro.sambalpur@ukgb.in

Bargarh
Near Khajurtikira Shiva Mandir
At/Po/Dist.: Bargarh - 768028
Mob.94384 93006
ro.bargarh@ukgb.in

Phulbani
Penji Sahi, FCI Road
At/Po: Phulbani
Dist.: Kandhamal 766001
Mob.94375 59947
ro.phulbani@ukgb.in

Bolangir
Doorsanchar Bhawan, 2nd Floor
Near New Bus stand
At/Po/Dist. Bolangir 767001
Mob.94384 93002
ro.bolangir@ukgb.in

Bhawanipatna
Bahadur Bagicha Pada
At/Po:Bhawanipatna
Dist. Kalahandi
Mob.94384 93003
ro.bhawanipatna@ukgb.in

Highlights - 2021-22

1. Total Business of the Bank has grown to a level of Rs 10744.05 crore with a growth of Rs 372.55 cr @ 3.59% (Rs.430.25 cr @ 4.33% of last FY)
2. Deposit increased by Rs 155.82 Crore to Rs. 7643.07 Crore, at a growth rate of 2.08%, from Rs 7487.25 Crore of last FY.
3. The share of CASA has increased to 60.47% from 59.62% of last FY.
4. Advances at Rs.3100.98 Crore increased by Rs.216.73 Crore @ 7.51% from Rs.2884.26 Crore of last FY.
5. Net Profit increased to Rs. 2.34 cr from Rs.- 411.63 Cr of last FY.
6. Gross NPAs reduced to Rs 675.70 Crore (21.79%) as on 31.03.2022 from Rs 854.21 Crore (29.62%) of last FY.
7. Net NPAs reduced to Rs.220.77 Cr (8.34%) from Rs.388.50 Cr (16.06%) of last FY.
8. Provision Coverage Ratio increased to 67.33% from 54.52% of last FY.
9. Cost of deposit improved to 3.99% as on 31.03.22 from 4.39% as on 31.03.2021.
10. Business per Branch increased to Rs.24.81 cr from Rs.23.84 Cr of last FY.
11. Business per Employee increased to Rs 7.78 cr from Rs.7.75 Cr of last FY.
12. Net Profit per Employee increased to Rs 0.17 Lakh from Rs.-30.74 Lakh of last FY.
13. Net worth increased to Rs. 84.08 Cr as on 31.03.22 from Rs.-404.72 Cr as on 31.03.21.
14. Return on Assets increased to 0.03% as on 31.03.22 from -4.94% as on 31.03.2021.
15. Return on Equity increased to 0.23% as on 31.03.22 from -42.21%.as on 31.03.2021
16. Yield on advances increased to 9.37% as on 31.03.22 from 4.87% as on 31.03.2021.
17. Cost to Income Ratio (Expenses Ratio) improved to 45.23% from 71.15% of last FY.
18. NII increased to Rs 310.08 Cr during FY.2021-22 @100.42% from Rs.154.71 Cr of FY.2020-21 .
19. NIM increased to 3.94% as on 31.03.22 from 2.06% as on 31.03.2021.
20. Capital Adequacy Ratio increased to 3.44% as on 31.03.22 from -16.01% as on 31.03.21.
21. Credit to Agriculture increased to Rs. 2039.99 Cr as on 31.03.2022.
22. No. of Agriculture borrowers is 287401 as on 31.03.2022.
23. No. of SHGs is 43278 as on 31.03.2022.
24. SHG Loan growth has recorded a level of Rs. 475.40 Cr as on 31.03.2022.

KEY PERFORMANCE INDICATORS

(Rs. in '000)

	2019-20	2020-21	2021-22
A. KEY PERFORMANCE INDICATORS			
1. No. of District covered	17	17	17
2. No. of branches	435	435	433
a) Rural	365	365	364
b) Semi Urban	54	54	54
c) Urban	16	16	15
3. Total staff(Excluding Sponsor Bank staff)	1486	1339	1381
of which Officers	675	598	689
4. Deposits	70470647	74872500	76430695
Growth %	8.48	6.25	2.08
5. Borrowing outstanding	2705	3530296	4465920
6. Gross Loan & Advances outstanding	28941913	28842551	31009841
Growth %	-0.05	-0.34	7.51
out of 6 above, loans to Priority sector	26738811	25826191	27206000
out of 6 above, loans to Non Target Group	10043102	3016360	3803810
out of 6 above, loans to SC/ST	11287346	10109314	10309996
out of 6 above, loans to SF/MF/AL	14928966	14762809	15324371
out of 6 above, loans to Minorities	594124	503014	510848
7. CD Ratio	41.07	38.52	40.57
8. Investments Outstanding	43208870	47841014	53984598
SLR Investments Outstanding	36240684	41919003	47103586
Non SLR Investments Outstanding	6968186	5922011	6881012
B. AVERAGE			
9. Average Deposits	67272084	72135930	74541851
Growth%	10.09	7.23	3.34
10. Average Borrowings	92147	718104	4597499
Growth%	-57.78	679.30	540.23
11. Average Gross Loans & Advances	29591176	29912120	29721305
Growth%	-5.34	1.08	-0.64
12. Average Investments	36363935	45316775	48928935
Growth%	23.86	15.12	7.97
Average SLR Investments	30432930	38488645	44988282
Growth%	19.32	26.46	16.89
Average Non-SLR Investments	8931005	6828130	3940653
Growth%	42.34	-23.54	-42.29
13. Average working funds	75227239	83295758	84669120

	2019-20	2020-21	2021-22
C. LOAN DISBURSED DURING THE YEAR			
14 . Loans Disbursed during the year	23563711	25884067	20222840
out of 14 above, loans to Priority Sector	19977405	21513364	16190735
out of 14 above, loans to Non-Target Groups	3586306	4370703	1244536
out of 14 above, loans to SC/ST	8921220	9189846	4558228
D. PRODUCTIVITY			
15. Per Branch Business	228535	238425	245398
Per Staff Business	66899	77457	77730
E. RECOVERY PERFORMANCES			
16. TOTAL			
Demand	26805585	25922839	26979600
Recovery	16525643	14477905	15429633
Overdue	10279942	11444934	11549966
Recovery%(June Position)	61.65	55.85	57.19
17. FARM SECTOR			
Demand	17925548	16886625	17574511
Recovery	11377345	9832715	10618519
Overdue	6548203	7053910	6955992
Recovery%(June Position)	63.47	58.23	60.42
18. NON-FARM SECTOR			
Demand	8880037	9036214	9402390
Recovery	5148298	4645190	5040621
Overdue	3731739	4391024	4361769
Recovery%(June Position)	57.98	51.41	53.61
F. ASSETS CLASSIFICATION			
19. a) Standard	20838250	20300430	24252799
b) Sub-standard	846786	2000698	653700
c) Doubtful	6665182	6142585	5738439
d) Loss	591695	398838	364902
Total	28941913	28842551	31009841
Standard Assets as % to Gross Loans & Advances outstanding	72.00	70.38	78.21
G. PROFITABILITY ANALYSIS			
20. Interest paid on			
a) Deposits	3373227	3169589	2977665
b) Borrowings	5932	29374	226365

	2019-20	2020-21	2021-22
21. Salary (including leave encashment)	1285682	1121332	1193651
22. Other Operating Expenses	501642	484535	623545
23. Provisions made during the year	1964881	4767469	2177342
a) Against NPAs	1895295	1046810	420403
b) Other Provisions	105586	3720659	1756939
c) Amortization	0	0	0
24. Interest received on			
a) Loans & Advances	2246302	1455338	2784226
b) Investments	2870532	3290772	3520660
c) Others	0	0	0
25. Other Income	619604	709910	917094
26. Loss/Profit	-1394926	-4116279	23412
27. Share Capital Deposit Received	9301491	9703731	14486916
28. DI & CGC			
a) Claims settled	0	0	0
b) Claims received but pending adjustment	0	0	0
c) Claims pending with Corporation	0	0	0
29. Cumulative Provision			
a) Against NPAs	5009978	4657141	4549317
b) Against Standard Assets	144630	57739	69663
c) Against Intangible Assets frauds etc.	0	0	0
30. Interest Derecognized During the year	455685	1146465	579930
31. Loans Written off during the year			
a) No. of Accounts	22708	29263	14930
b) Amount	950214	1398831	528214
32. Accumulated loss	9634668	13750947	13727535
33. Reserves	0	0	0
Net NPAs	3093685	3884980	2207725
% Provisions to gross NPAs	61.82	54.52	67.33
%Gross NPAs to advances	28.00	29.62	21.79
%Net NPAs advances	12.93	16.06	8.34
34. CRAR	-1.34	-16.01	3.44

(Rs. In Crore)

(Rs. In Crore)

(Rs. In Crore)

(Rs. In Crore)

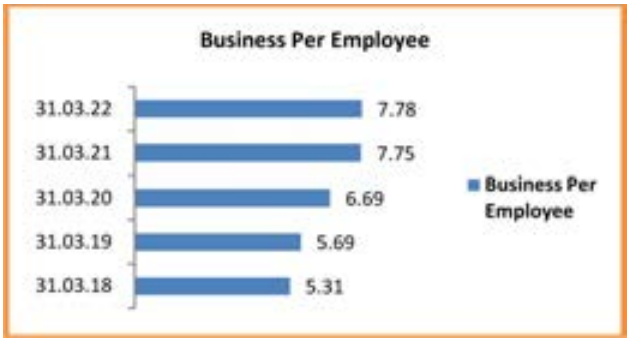

(Rs. In Crore)

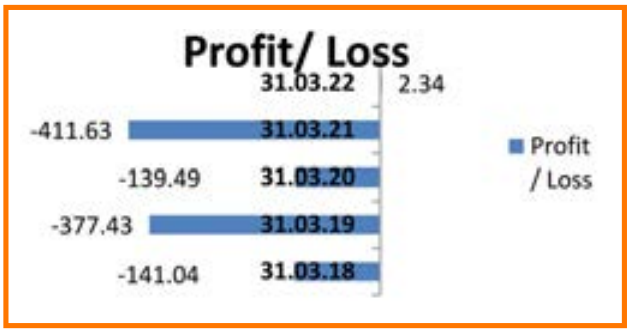

(Rs. In Lakh)

(Rs. In Lakh)

(Rs. In Crore)

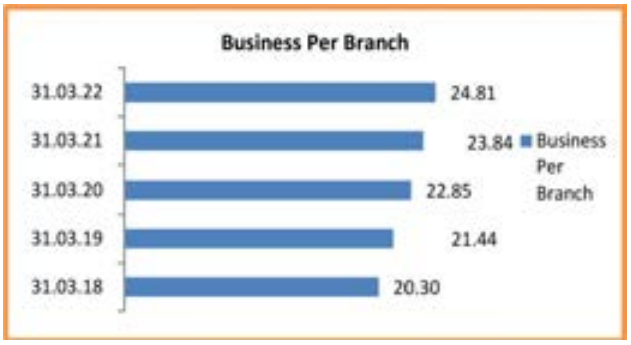

BOARD OF DIRECTORS' REPORT 2021-22

We have pleasure in presenting the 10th Annual Report of Utkal Grameen Bank (UGB) together with the Audited Statement of Accounts, Auditors' Report and the report on business and operations of the Bank for the financial year ended on 31st March 2022.

Business Review

The Bank's business has registered a growth of Rs 372.55 crore at 3.59% to reach Rs. 10,744.05 cr as on 31st March 22 as against Rs 10,371.51 crore as on 31.3.21.

Business growth of Rs 372.55 crore was contributed by the deposits with an absolute growth of Rs 155.82 Cr and advances recorded an absolute growth of Rs. 216.73 cr during the FY.

Profit Analysis

The Bank registered a Net Profit of Rs 2.34 cr during the year against a Net Loss of Rs. 411.63 cr as on 31.03.21, registering a growth of 100.57% after providing Rs.42.04 cr towards NPA provisions, Rs 1.19 cr towards Standard Assets provision, Rs.159.67 cr towards provision for pension, Rs. 2.00 cr towards wage revision, Rs. 1.52 cr towards fraud, Rs. 3.98 cr towards Misc. provision & Rs.7.34 cr towards provisions against gratuity & leave liability during the year.

The Operating profit of the Bank stood at Rs 220.08 crore as on 31.3.22 vis-à-vis previous FY's figure of Rs 65.12 crore. A growth of Rs 154.96 crore (237.96%) was recorded in operating profit during the FY.

Operating Profit / Loss

(Rs. in crores)

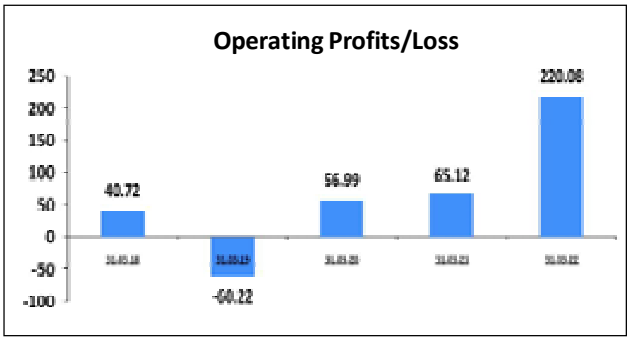

Income and Expenditure

(Rs. in crores)

Particulars	2019-20	2020-21	2021-22	Growth %
Interest Income	511.68	474.61	630.49	32.84
Interest Expenditure	337.92	319.9	320.4	0.16
Non-Interest Income	61.96	70.99	91.71	29.19
Non-Interest Expenditure	178.73	160.59	181.72	13.16
Gross Profit/Operating profit	56.99	65.12	220.08	237.96
Taxes	0	0	0.48	0.00
Deferred Tax Asset & Earlier year adjustments (excess)	0	0	0	0.00
Provisions and Contingencies	196.49	476.75	217.73	-54.33
Prior Period depreciation & rent	0	0	0	0.00
Net Profit(+)/Loss(-)	-139.50	-411.63	2.34	100.57

Net Interest Income

Total interest income during the year is Rs.630.49 crore whereas the total interest expenditure is Rs 320.40 crore. The net interest income is Rs. 310.09 crore during the FY against Rs.154.71 crore as of previous FY.

(Rs. in crores)

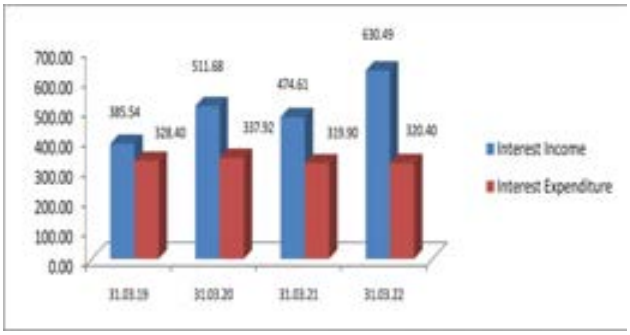

Interest Expenditure

- Interest paid on deposits has decreased to Rs 297.77 crore from the last FY's figure of Rs.316.96 crore, a decrease by Rs 19.19 crore (6.06%).
- The Bank has paid Rs 22.64 crore towards interest on borrowings (from SBI and NABARD refinance) during the year as against Rs 2.94 Crore of FY 2020-21 with an increase of Rs 19.70 crore.

(Rs. in crores)

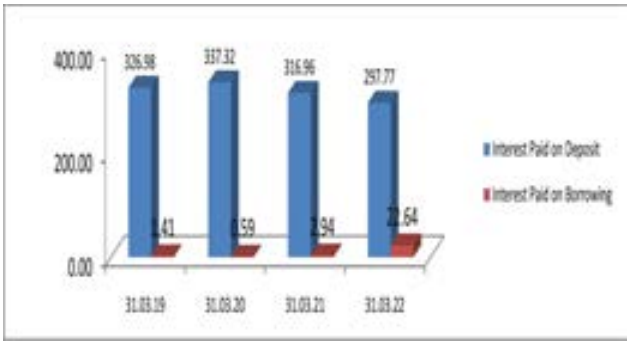

Operating expenditure

Operating expenditure has increased by Rs 21.13 crore (13.16%) to Rs 181.72 crore, in 2021-22 from Rs 160.59 crore in previous FY 2020-21.

Interest Income

- Interest income increased from Rs.474.61 crore to Rs.630.49 crore during the FY with an absolute growth of Rs.155.88 crore (at 32.84%).
- The Bank has earned an interest income of Rs.278.42 crore from loans and advances in current fiscal as against Rs 145.53 crore in 2020- 21 with a growth of Rs 132.89 crore.
- The interest income received from investments has increased by Rs 22.99 crore at 6.99% to reach Rs. 352.07 crore as against Rs 329.08 crore in the previous FY.

(Rs. in crores)

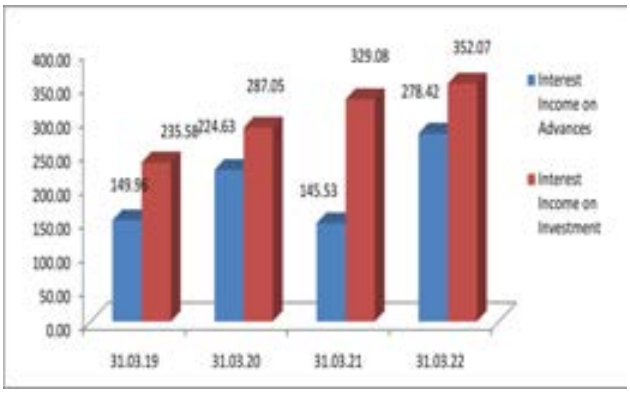

Provision for NPAs:

The Bank has made a provision of Rs. 42.04 Cr on NPAs during the FY, taking the total Provisions available on Advances to Rs. 461.90 Cr (including cumulative provision of Rs.6.97 Cr on Standard Assets).

(Rs. in crores)

Assets	2019-20		2020-21		2021-22	
	Outstanding	Provisions	Outstanding	Provisions	Outstanding	Provisions
Standard	2083.82	14.46	2030.05	5.77	2425.28	6.97
Sub-Standard	84.68	8.47	200.07	20.01	65.37	6.54
Bad & Doubtful	666.52	433.36	614.26	405.83	573.84	411.90
Loss	59.17	59.17	39.88	39.88	36.49	36.49
Total NPAs	810.37	501.00	854.21	465.72	675.70	454.93
Total Advances	2894.19	515.46	2884.26	471.49	3100.98	461.90

Ratio Analysis

S.N	Ratios	2019-20	2020-21	2021-22	
				Amt / Ratio	% Change
1	Yield on advances	7.59	4.87	9.37	92.40
2	Yield on investments	7.59	7.31	7.25	-0.82
3	Cost of deposits	5.01	4.39	3.99	-9.11
4	Cost of borrowings	6.44	4.09	4.92	20.29
5	Avg. cost of funds	5.02	4.39	4.05	-7.74
6	Avg. return on funds	7.42	6.31	8.02	27.10
7	Cost of management	2.38	1.93	2.15	11.40
8	Misc .Income as % to Working Funds	0.82	0.85	1.08	27.06
9	Net Margin	-1.85	-4.92	0.06	101.22
10	Financial Margin	2.31	1.88	3.69	96.28
11	Risk Cost	2.61	5.72	2.57	-55.07
12	Return on Assets	-1.85	-4.94	0.03	100.61
13	Expenses ratio	75.82	71.15	45.23	-36.43
14	Gross NPAs	810.37	854.21	675.7	-20.90
15	Net NPAs	309.37	388.5	220.77	-43.17
16	% Provisions to gross NPAs	61.82	54.52	67.33	23.50
17	% Gross NPAs to advances	28	29.62	21.79	-26.43
18	% Net NPAs to net advances	12.93	16.06	8.34	-48.07
19	CRAR	-1.34	-16.01	3.44	121.49

Balance Sheet Size

The balance sheet size amounted to Rs. 9,972.19 cores with an increase of Rs. 784.92 Crore over March 2021 level.

CAPITAL & RESERVES

Authorized Capital

Pursuant to The Regional Rural Banks (Amendment Act) 2015, the Authorized Capital of the Bank raised from 50,00,000 Equity Shares of Rs. 10/- each aggregating to Rs. 5 crores to 200,00,00,000 Equity Shares of Rs. 10/- each aggregating to Rs. 2000 crores.

Paid up Capital

The Bank's paid up capital stood at Rs 9,70,37,30,600/- (97,03,73,060 shares of Rs 10 each) as on 31.03.2022, subscribed by Government of India, State Government and State Bank of India in the ratio of 50:15:35. Govt. of India vide DFS Letter No. F. No.3/9/2020-RRB dt 21/02/2022 had sanctioned recapitalisation assistance of Rs. 683.31 Cr, out of which we could receive Rs. 478.32 cr only during the financial year 2021-22 and parked in Share Capital Deposit account. After receipt of rest of Rs. 204.99 cr, share certificates will be issued in the same proportion to all the three stake holders.

Perpetual Bond

The share of cost of implementation of CBS from Sponsor Bank amounting to Rs.8.13 crore was received against issue of Perpetual Bonds as per directives of NABARD.

Net worth

Net worth of the Bank stood at Rs.84.08 crore with a growth of Rs. 488.80 crore (120.77%) over previous FY's figure of -Rs. 404.72 crore.

The Capital Adequacy Ratio (CRAR) has improved to 3.44% at the end of the year vis-a-vis -16.01% as on 31.03.21.

Supervisory Action Framework (SAF) & Prompt Corrective Action (PCA)

Due to the weak financial position & high NPAs as on 31.03.2018, the Bank came under the purview of NABARD guidelines on Supervisory Action Framework (SAF) for RRBs for Prompt Corrective Action (PCA) and accordingly following strategies were put in place for implementation during the year :

i. Risk Management Policy, Revised Investment Policy and Loan Policy put in place for implementation.

ii. Detailed analysis made of the NPA portfolio and strategies worked out for its management along with monthly monitorable action plan (MAP).

iii. Lending powers of high NPA branches restricted.

iv. Loan review mechanism strengthened further.

v. Committee/cluster approach in sanctions for better quality Assets.

vi. Bringing improvement in loan management process, Asset Management Hubs (AMH) under CPC model set up at 4 centres.

vii. Apart from not entering new line of business, restrictions imposed on unsecured loans to contain risk-weighted assets.

viii. Focus on increasing exposure in risk mitigated products - Gold loans, Loans against securities, Housing Loans, quality SME Loans (Asset Based).

ix. Scouting for good investment credit proposals for long term engagement and profitability.

x. Concentration on loans with high security backing in the absence of CGTMSE coverage.

xi. Training & skill development in credit appraisal and systems focused on an ongoing basis.

xii. Stressed Assets Recovery Branch (SARB) set up to follow up high value NPAs and follow up of suit filed cases and decreed cases further streamlined along with all other legal means.

xiii. Soliciting high cost deposits discontinued and focus on increasing CASA deposits.

xiv. More focus on fee & commission based business including cross selling of products of SBI Life, General Insurance, APY and trading in G-Secs & PSLCs.

xv. Recovery drive launched for AUCA.

xvi. Branch rationalisation attempted to reduce loss- making branches & contain operating cost.

The following table gives the position of Tier-I, Tier-II Capital, Reserves and computation of CRAR :

(Rs. in crores)

	Capitals	2019-20	2020-21	2021-22
1	Tier-I			
	a. Paid up Capital	702.21	970.37	970.37
	b. Share Capital Deposit	227.94	0.00	478.32
	c. Accumulated Loss	963.47	1375.09	1372.75
	Total Tier-I Capital	**-33.32**	**-404.72**	**75.94**
2	**Tier-II**			
	a. Perpetual Bond	8.13	8.13	8.13
	b. General Provisions & Reserves	14.46	5.77	6.97
	Total Tier-II Capital	**22.59**	**13.90**	**15.10**
	Grand Total (Tier I + Tier II) (As Tier-I capital is in negative Tier-II capital not taken for CAR calculation)	**-33.32**	**-404.72**	**91.04**
3	a. Adjusted value of funded risk assets i.e., balance sheet items	2464.54	2501.90	2622.16
	b. Adjusted value of non-funded risk assets i.e., balance sheet items	25.12	26.71	26.97
	c. a+b	2489.66	2528.61	2649.13
	d. Percentage of Capital (Tier-I + Tier II) to Risk Weighted Assets	**-1.34**	**-16.01**	**3.44**

Deposits

Deposits registered a growth of Rs 155.82 Crore over March 2021 level at a growth rate of 2.08%. Total deposits as on 31.03.2022 stands at Rs 7643.07 Crore as against Rs 7487.25 Crore as on 31.3.2021.

(Rs. in crores)

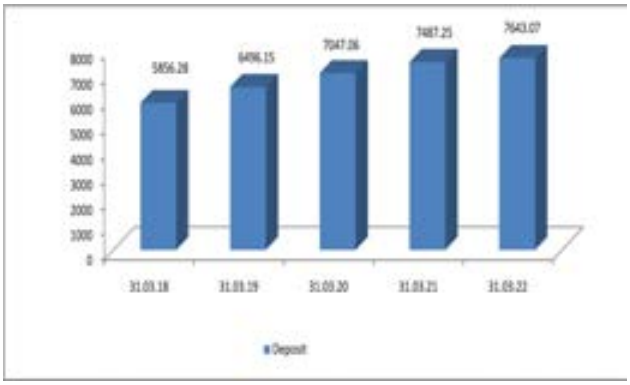

Deposit Mix

CASA deposits grew by Rs 158.11 Crore at 3.54% to reach Rs 4,621.96 crore as against Rs 4,463.85 crore as on 31.03.21. Term Deposits fell by Rs 2.29 crore, at -0.08%, to reach a level of Rs 3,021.11 Crore as against Rs 3,023.40 crore. The share of CASA has increased from 59.62% (as on 31.03.2021) to 60.47% as on 31.03.2022.

(Rs. in crores)

Deposit Mix	31.03.20	31.03.21	31.03.22
Current A/c	**122.70**	**132.14**	**128.14**
Growth	13.07	9.44	-4.00
Growth%	11.92	7.69	-3.03
Savings Bank A/c	**4045.88**	**4331.71**	**4493.82**
Growth	417.89	285.83	162.11
Growth%	11.52	7.06	3.74
Total CASA	**4168.58**	**4463.85**	**4621.96**
Growth	430.96	295.27	158.11
Growth%	11.53	7.08	3.54
Term Deposits	**2878.49**	**3023.40**	**3021.11**
Growth	119.97	144.91	-2.29
Growth%	4.35	5.03	-0.08
Total Deposits	**7047.07**	**7487.25**	**7643.07**
Growth	550.93	440.18	155.82
Growth%	8.48	6.25	2.08

Borrowings

The aggregate borrowings of the Bank as on 31st March 2022 stood at Rs. 446.59 crore against Rs. 353.03 crore as on 31st March 2021.

(Rs. in crores)

Institution	2019-20	2020-21	2022-23	Variance
NABARD	0.27	353.03	446.00	92.97
NSKFDC (National SafaiKarmachari Financial Dev. Corpn)	0.00	0.00	0.59	0.59
Total	**0.27**	**353.03**	**446.59**	**93.56**

Investments

Total investments portfolio of the Bank has increased by Rs 614.36 Crore @ 12.84%. to Rs.5,398.46 Crore as on 31.03.22 from previous year's level of Rs 4,784.10 Crore

(Rs. in crores)

Investment	31.03.20	31.03.21	31.03.22
SLR	**3624.07**	**4191.90**	**4710.36**
Growth	361.72	567.83	518.46
Growth%	11.09	15.67	12.37
NON-SLR	**5.50**	**3.50**	**2.25**
Growth	-0.50	-2.00	-1.25
Growth%	-8.33	-36.36	-35.71
TDR with other Bank	**691.32**	**588.70**	**685.85**
Growth	229.83	-102.62	97.15
Growth%	49.80	-14.84	16.50
Total Investment	**4320.89**	**4784.10**	**5398.46**
Growth	591.05	463.21	614.36
Growth%	15.85	10.72	12.84

Investment Policy:

The Investment Policy of the Bank was formulated in 2008 and the same was reviewed/revised and approved by the Board from time to time. However from the financial year 2018-19, we have adopted the model uniform investment policy circulated by our Sponsor Bank for its RRBs, conforming to the RBI guidelines, which was reviewed by the Board during Financial Year 2021-22.

SLR Investments

In terms of Section 24 of the BR Act 1949, the Bank has maintained investments in the avenues laid down in the Policy, to fulfill the SLR requirements. All SLR investments are made in GOI/State Govt Securities/Sovereign Gold Bond only. The purchase and sale of Govt Securities are undertaken through the Portfolio Management Services Department (Interest Rate Market Desk) of State Bank of India.

Non SLR Investments

Non-SLR investments are in Mutual Funds and TDRs with other scheduled Banks. The Bank has been monitoring and following up for prompt receipt of principal & interest dues. There was no instance of income leakage from Non-SLR investments portfolio.

CRR and SLR

The Bank has complied with the regulatory requirement of maintenance of adequate balances towards CRR and SLR. There is a well laid down system of assessing the CRR and SLR requirements taking into account the NDTL. There was no default in maintenance of CRR / SLR requirements during the year. The Bank has kept Rs. 320.58 Crore in CRR and Rs 4,710.36 crore in SLR as on 31.03.22.

Credit Portfolio

The credit portfolio of the Bank is Rs. 3,100.98 Crore at the end of the financial year ended 31.03.2022 against the previous year level of Rs 2,884.26 Crore, showing a growth of Rs. 216.73 Crore. The growth was mainly due to Rs 104.88 Crore growth in KCC, Rs 78.56 Crore in SHG, Rs 25.72 Crore in Housing loans & Rs 73.61 Crore in Gold Loans in the FY 2021-22.

Credit to Agriculture

Total credit to agriculture and allied activities including agriculture-portion of SHG lending, stood at Rs 2,039.99 Crore as on 31.03.2022 as against Rs. 1,902.42 Crore as on 31.03.2021 with a growth of Rs 137.57 crore due to growth in KCC & SHG segment. However, the total number of Bank's loan accounts in Agriculture sector has come down from 298071 as on 31.03.21 to 287401 as on 31.03.22 due to reduction in NPA & write-off of Bad debts of 27015 Agri. segment accounts for Rs.119.44 crores.

The Bank has disbursed Rs. 1,439.40 Crore to agriculture during the year 2021-22 as against the previous FY (2020-21) disbursal of Rs 1020.96 Crore. There is a substantial increase in disbursement of Rs. 418.44 Crore from the previous FY due to maximum renewal in KCC & SHG accounts.

Total credit to agriculture and allied activities constitutes 65.78% of the total credit portfolio as on 31.3.2022 vis-à-vis 65.95% as at the end of previous FY 2020-21. There is decrease in percentage in Agri. Sector in the FY 2021-22 from the previous FY due to significant growth in P-segment loans which has increased the total credit portfolio of our Bank.

Crop loans under Revised Kisan Credit Card System

As per the directions of Government of India and NABARD, we have implemented revised Kisan Credit Card System for crop loan borrowers from Kharif 2012. Loan limits are fixed for 5 years and documents are obtained for the maximum permissible limit. Year-wise limits are fixed basing on prevailing Scales of Finance and keeping in view the future cost of investment.

We have issued 229434 KCCs as on 31.3.2022 with an outstanding credit of Rs.1,329.22 Crore as against previous FY 2020-21 level of 234266 KCCs for Rs.1216.36 Crore.

During the FY 2021-22, we have disbursed an amount of Rs. 1,007.62 Crore to 161580 KCC account holders as against Rs.746.76 Crore to 124159 card holders during the FY 2020-21.

Interest Subvention (Govt. of India)

As per Government of India guidelines, Bank is charging 7% interest rate per annum (upfront) to all the short term crop loan borrowers with limit up to Rs.3.00 lakhs against lending rate of 9% and GoI is providing 2% interest subvention to the Bank in this regard. Accordingly, Bank has submitted the claim of Rs. 10,07,17,740/- towards 2% interest subvention on Short Term crop loans to GOI for the FY 2021-22. Further, as per the directives of GoI, we have passed on the benefit relating to 3% Prompt Repayment Incentive to farmers to the extent of Rs. 2,56,96,472/- towards prompt repayment of short term crop loans up to Rs. 3.00 lakhs for the FY 2021-22 and claim has been submitted to GoI accordingly.

Crop Loans - Interest Subvention (Govt. of Odisha)

Government of Odisha is also providing interest subvention @ 2% to all short term crop loan borrowers with limit up to Rs. 3.00 lakhs from 2015-16. This 2% interest subvention is given upfront to the farmers (as per the letter No. SLBC/ODI/76/ 2015-16) bringing down the effective interest rate to 5% p.a. We have submitted our claim of Rs.13,22,90,891/- to GoO during the FY 2021-22 for

reimbursement. In addition to this GoO is also providing 1% additional interest subvention to crop loan borrowers with limit up to Rs. 50,000/- and another 1% interest subvention to KALIA beneficiaries. We have submitted our claim of Rs. 91,64,281/- to GoO towards 1% interest subvention on short term crop loans up to Rs. 50,000/-and Rs.51,63,519.00 towards 1% interest subvention to KALIA beneficiaries during 2021-22 which will be passed on to the beneficiaries after receipt of the claim amount.

Conducting of Village Level Meeting

All branches have conducted meeting at the village point for renewal of KCC. To ensure maximum coverage of farmers, meetings were conducted in the evening and morning hours, inspite of COVID-19 pandemic in the year and farmers were sensitized to renew their crop loans to be eligible for Crop Insurance in case of crop loss due to drought & natural calamities. Apart from operating staff at Branches, functionaries from Regional Offices and Head Office have participated in the meeting, which yielded good results in renewal of KCC.

Self Help Groups

Our Bank has financed 43278 Self Help Groups (Covering about four(04) lakh rural women) with an outstanding portfolio of Rs 475.40 Crore as on 31.3.2022.

The Bank has disbursed Rs 378.48 Crore to 28404 Groups during the year 2021-22.

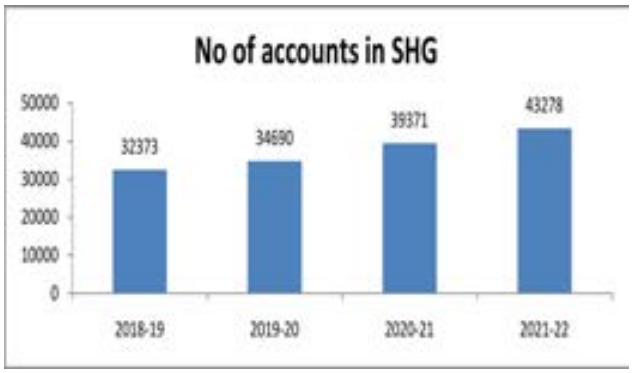

(Rs. in crores)

SHGs interest subvention

Interest subvention scheme for Women SHGs under DAY-NRLM for the year 2021-22

Under the Scheme, all Women SHGs promoted by NRLM or other Central or State Government Line Departments or NABARD or any NGOs, which are linked with our Bank, are eligible to avail the benefits of the Scheme. GOI has identified 250 backward districts all over the country under Category-I, of which we have 14 (fourteen) districts in our area of operation namely Balangir, Deogarh, Gajapati, Ganjam, Kalahandi, Kandhamal, Koraput, Malkangiri, Nabarangpur, Nuapada, Rayagada, Sambalpur, Sonepur and Sundargarh.

All Women SHGs in these fourteen districts are eligible for interest subvention on loans up to Rs. 3.00 lakhs at 7% and additional interest subvention of 3% on Prompt repayment. Accordingly they have been extended credit at 7% rate of interest up to Rs. 3.00 Lakhs and Government of India subvents the Bank to the extent of difference between 7% and actual rate of interest subject to a maximum of 5.50%. In this connection, we have claimed Rs.11,72,76,526/- towards 5.50% Interest subvention and Rs. 5,46,28,059/- towards 3% Prompt repayment Interest Incentive from Government of India under NRLM for the FY 2020-21. Further, with introduction of Mission Shakti Scheme by Govt. of Odisha, for better visibility & creation of greater awareness among WSHGs, Govt. of Odisha has reduced the interest burden of WSHGs by providing loans at 0% annual interest to both Rural and Urban WSHGs for loans up to Rs. 3.00 lakhs. This facility is available,

w.e.f. 1st April 2019 through the state Interest subvention Scheme irrespective of their promoting agencies. Department of Mission Shakti, Govt. of Odisha has designed a SHG Bank Linkage and Interest Subvention (BLIS) portal in the FY 2021-22 through which the appropriate interest subvention amount is calculated and passed on to the eligible WSHGs accounts through DBT mode. Our Bank has signed an MOU with the Department of Mission Shakti, Govt. of Odisha for sharing of WSHG details in the BLIS portal. Accordingly, the required SHG data of our Bank for the year 2021-22 has been uploaded in the BLIS portal of Govt. of Odisha which will enable the concerned Department to pass on the appropriate interest subvention amount to the WSHGs through DBT mode without any manual intervention.

For Category-II districts, comprising of Bargarh, Boudh & Jharsuguda in our operational area, no concessional interest subvention to the WSHGs is being provided by Govt. of India and hence the lending rate of our Bank to the WSHGs stands at 12.50% in these districts. However, Department of Mission Shakti, Govt. of Odisha is providing interest subvention to the WSHGs in these 3 districts through the BLIS portal as stated above.

Priority Sector Lending

In terms of RBI Circular No: RBI/FIDD/ 2016-17/34, Master Direction FIDD.CO. Plan 2/ 04.09.01/2016-17, dated July 7, 2016,w.e.f 01.01.2016, 75 per cent of outstanding advances should be towards Priority Sector, which constitutes loans extended to (a) Agriculture (Farm credit , Agriculture infrastructure, Ancillary activities) (b) Micro, Small and Medium Enterprises (Manufacturing and Service Sector, KVI and OD to PMJDY) (c) Education (d) Housing (e) Social Infrastructure (f) Renewable Energy (g) Weaker Sections and (h) Others (SHG/JLG, distressed persons, Loans to State Sponsored Organizations for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes).

RRBs have a target of 75 per cent of their outstanding advances for priority sector lending. Targets under Priority Sector and its subsectors along with our performance are as indicated in table below.

Categories (of the total Advances)	Target in %	Our position in %
Total Priority Sector	75% of total outstanding	87.73
Agriculture	18% of total outstanding	65.79
Small and Marginal Farmers	8% of total outstanding	49.42
Micro Enterprises	7.5% of total outstanding	7.54
Weaker Sections	15% of total outstanding	55.91

(Rs. in crores)

		2019-20		2020-21		2021-22	
		No.of A/cs	Outstanding	No.of A/cs	Outstanding	No.of A/cs	Outstanding
1.	Weaker Sections	142002	1039.37	134514	1028.47	211466	1733.84
2.	Women borrowers	30149	715.73	92730	738.42	101567	888.68
3.	Minorities	16660	59.41	14400	50.30	13992	51.08
4.	SCs/STs	171595	1128.73	145238	1010.93	146983	1030.95

Priority Sector Lending Certificates

As per RBI master circular No. FIDD.CO. Plan. BC 23/04.09.01/2015-16 dated 07.04.2016 of PSLC, trading in e-Kuber portal is an ongoing process. All traded PSLCs will expire by March 31st and will not be valid beyond the reporting date (March 31st), irrespective of the date it was traded.

We have started trading in e-Kuber portal from FY 2017-18. During the FY 2021-22, we have traded net PSLC of Rs. 850.00 Crore with net premium gain of Rs. 17.72 Crore against Rs. 24.10 Crore during the previous FY.

Participation in State Credit Plans

The Bank's participation in State Credit Plans is as under:

(Rs. in crores)

		2019-20		2020-21		2021-22	
		Target	Achievement	Target	Achievement	Target	Achievement
1.	Crop Loans	1106.83	870.02	1217.52	746.76	1335.31	1007.63
2.	Other Agr. & allied activities	563.98	151.64	617.63	274.20	647.19	431.78
3.	Non Farm Sector(NFS)	450.9	950.87	495.99	1104.74	817.45	855.43
4.	Other Priority Sector(OPS)	251.16	25.21	279.02	25.64	393.88	58.06
5.	Total Priority Sector	2372.87	1997.74	2610.16	2151.34	3193.83	2352.89
	% of achievement		84.19%		82.42%		73.66%

Retail Lending

During the year, along with sanitization of the existing portfolio we have continued focus on retail lending to Housing, Mortgage Loans, Personal Gold Loans, MSME etc. Capacity building of the operating staff has been given top priority by

conducting training programmes to diversify the credit portfolio and to increase our profitability. The year-end position is as under:

(Rs. in crores)

Sl. No.	Segments	Outstanding as on					
		31.03.2020		31.03.2021		31.03.2022	
		No of A/Cs	Amt	No of A/Cs	Amt	No of A/Cs	Amt
1	Housing Loans	4075	196.11	3682	184.87	3638	210.59
2	Mortgage Loans	127	15.70	113	12.13	97	11.51
3	Education Loans	412	10.93	308	8.18	221	5.74
4	Demand Loans	6930	56.86	6974	66.53	7023	78.31
5	NFS - Term Loan/MSME	19870	415.97	15929	428.91	12380	398.11
6	Personal Loans	1782	28.06	1419	24.86	1296	22.96
7	Personal Gold Loans	43415	197.56	51234	273.36	60087	346.60
	Total	**76611**	**921.19**	**79659**	**998.84**	**84742**	**1073.82**

Central Registry of Securitisation Asset Reconstruction and Security Interest of India (CERSAI)

Our Bank had registered with CERSAI in terms of RBI guidelines and complied with the instructions. Equitable/Registered mortgages and Hypothecation in respect of all our loans as on 31.03.2022, which are covered under Securitization and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (SARFAESI Act), have been registered with CERSAI. With this, the details of the security interest created in favour of our bank is available on a public domain for search by citizens / other banks / FIs as a result of which the potential fraud / multiple financing against the same property can be prevented.

Credit Information Companies

Our Bank is a member of four Credit Information Companies (CICs) viz. Transunion CIBIL India Ltd., CRIF High Mark Credit Information Services Private Limited, Equifax Credit Information Services Private Limited & Experian Credit Information Company of India Private Limited. The CICs collect and maintain records of individuals' and non-individuals' (commercial entities) payments pertaining to loans and credit cards from Banks and other lenders on a monthly basis. Using this information a Credit Information Report (CIR) and Credit Score is developed, enabling lenders to evaluate and approve loan applications.

Our Bank has been uploading the data on monthly basis in the web portals of the CICs and all Regional Offices and Branches are accessing the credit history of the loan applicants in their credit decisions.

Asset Quality -

Asset Management Hub (AMH) have been set up at 4 Nos. of centers like: Berhampur, Sambalpur, Bargarh & Jharsuguda for centralized processing of credit proposals. It is acting as a tool for creation of quality assets and improving the performance of the bank, by using cost effective methods and business oriented approach. Presently, 4 nos. of Hub branch are acting as credit branch for the 44 Spoke Branches linked to it on the basis of geographic proximity, operational convenience and business level.

To automate the Credit application processing System Loan Originating Software (LOS) implemented in the Bank.

The application software has three major heads viz. Retail, MSME and Agriculture. LOS interface with BANC-EDGE and fetch data from that system and also send data from LOS to BANC-EDGE on real time basis. The Agri Module software has been implemented in the Bank and other two modules are on process to be implemented in the Bank.

To provide collateral free loan to COVID-19, Pandemic affected units, Government of India through Ministry of Finance, Department of Financial Services introduced the "Emergency Credit Line Guarantee Scheme (ECLGS)-Extension 1.0" for providing 100% guarantee coverage for additional working capital term loans guaranteed by National Credit Guarantee Trustee Company Ltd. (NCGTC).

Management of Non Performing Assets

The Non-Performing Assets have decreased by Rs. 178.51 Crore to Rs. 675.70 crore as on 31st March 2022 from Rs. 854.21 crore as on 31st March 2021. Gross NPAs as a percentage to total advances has decreased from 29.62% as on 31.3.2021 to 21.79% as on 31.3.2022. Net NPAs (as a %age to Net advances) has decreased from 16.06% to 8.34%. In absolute terms, Net NPAs decreased from Rs 388.50 crore to Rs.220.77 crore.

Asset Classification

(Rs. in crores)

Assets	2019-20		2020-21		2021-22	
	Outstanding	%	Outstanding	%	Outstanding	%
Standard	2083.82	72.00	2030.05	70.38	2425.28	78.21
Sub-Standard	84.68	2.93	200.07	6.94	65.37	2.11
Bad & Doubtful	666.52	23.03	614.26	21.30	573.84	18.51
Loss	59.17	2.04	39.88	1.38	36.49	1.18
Total NPAs	810.37	28.00	854.21	29.62	675.70	21.79
Total Advances	2894.19	100.00	2884.26	100.00	3100.98	100.00

Strategies for NPA reduction

The following strategies were adopted to reduce / contain the NPAs:

i. Monitorable Action Plan (MAP) prepared on quarterly basis and submitted to RBI, NABARD and performance presented to the Board for review.
ii. Restriction on sanction of fresh loans by the NPA intensive Branches making them free for focused monitoring and recovery/up-gradation of NPAs.
iii. Branch wise and Region wise targets allotted under different parameters for the purpose and being monitored on regular basis.
iv. Retired Officers have been posted at war room of Regional Offices for monitoring, support and guidance to Branches for reduction/recovery of NPA and to check further slippage to NPA.
v. Asset tracking centre has been created at Head office to monitor and track stressed assets.
vi. Monthly review of high value loans introduced for controllers based on the outstanding as under;
    a. Rs.2 lakhs to Rs.5 lakhs by the Manager Advances of each Regional Offices.
    b. Above Rs. 5 lakhs by Regional Managers
    c. Above 10 lakhs - regular fortnight review by respective General Managers and monthly review by Chairman.
vii. Strengthening of SARB for follow up & recovery of high value NPAs.
viii. Allocation of NPA intensive Branches to officials of HO/RO for monitoring.
ix. Intranet site was customized and strengthened to facilitate the branches to know their performance as well as other branches to create a competitive atmosphere among them.
x. Telephonic/personal call to the NPA borrowers by RO/HO officials.
xi. Conduct of Recovery-cum-renewal camps and night camps.
xii. Special focus on high value NPAs during P- Review meetings & NPA review meetings.
xiii. Three different campaigns were run for NPA reduction and progress monitored.
xiv. Seizure and auction expedited.
xv. Action under SARFAESI Act intensified by serving 13(2) & 13(4) notices and going for possession and auction.
xvi. Filing & follow up of DRT cases intensified.
xvii. Special OTS with Board approval implemented for loans with outstanding up to Rs. 5.00 lakhs.
xviii. Active Participation in Lok Adalats ensured.
xix. Bank Adalats conducted every month regularly.
xx. After the required training 24 qualified BC-CSPs deployed as recovery agents along with regular panel of RAs.
xxi. Resolution agencies are engaged for SARFAESI action.

Salient outcome of such strategies are as under:

NPA Reduction Campaigns

Three NPA reduction campaigns were implemented - "Kete Baki Rahila" for KCC, "SHG Nabikaran" for SHG and "Star Branch Campaign" for reduction of SME & other 'P' Segment loans. Achievements under these three campaigns during last Financial Year are as under:

(Amt. in crores)

Kete Baki Rahila		SHG Nabikaran Plan		Star Branch campaign for SME & P-Segment loans	
Account	Amount recovered	Account	Amount recovered	Account	Amount recovered
30165	161.71	5167	39.63	7343	66.34

UGB Special OTS 2021-2022' was launched w.e.f 01.07.2021, to reduce NPAs.

(Amt. in crores)

Outcome of UGB Special OTS as on 31.03.2022			
A/c	Amount O/s	Amount Settled	Amount Recovered
8462	54.13	35.04	23.42

Night Camps / Recovery Camps were organised by Branches. Through 3548 camps Rs. 70.01 crore were recovered.

Through SARFAESI action, we have recovered Rs.3.71 crore in 347 nos accounts.

For recovery in AUCA a special campaign **"CONQUER AUCA"** launched w.e.f.01.07.2021 and as on 31.03.2022, Rs.23.69 cr of AUCA has been recovered as compare to Rs.10.75 cr as on 31.03.2021.

Stressed Assets Recovery Branch (SARB)

Stressed Assets Recovery branch (SARB) was strengthened to handle high value NPA accounts and entrusted for migration of high value loans from the Branches and to start/continue Legal Action/ SARFAESI action. SARB is handling 141 nos of high value NPA accounts amounting to Rs.30.22 crore & 61 nos of AUCA accounts amounting to Rs.11.24 crore.

SARB has recovered Rs.7.94 crs of NPAs and booked 15 nos of high value compromise proposals for Rs.5.32 crs during the FY 2021-22.

Compromise settlements

Bank has recovered sizeable amount of NPAs during the year 2021-22 under compromise settlements which were overdue for several years.

(Rs. in crores)

Compromise	2019-20	2020-21	2021-22
No. of A/Cs	8640	5693	9383
Amount in Crore	51.97	49.10	51.17

These settlements include settlement of bad debts in Lok Adalats, Bank Adalats, UGB Special OTS, Special OTS for Tractor and other general compromises.

Internal Control System - Inspection & Audit

All activities of the Bank are subject to internal audit function, which mainly comprises of Risk Focused Internal Audit (RFIA) applicable for all the branches, Concurrent Audit covering 50% business of the Bank, Credit Audit for Loan Accounts above Rs.1 crore, Snap Audits by ROs as & when required and newly introduced Compliance Audit.

Risk Focused Internal Audit (RFIA)

The Risk Focused Internal Audit Report System has been implemented in the Bank from August-2013, as advised by our Sponsor Bank and the criteria were further refined with the Bank raising the benchmark for the Inspection ratings with effect from 08.11.2016. For further strengthening of the audit system the new format of RFIA has been introduced in the Bank w.e.f. 30.12.2017 as advised by our Sponsor Bank.

During the year 287 Branches were due for Audit and 212 Branches have been audited. Rating acquired by audited branches is as under:

Rating	Out of 212 Branches audited during 2021-22
Well Controlled - A+	02
Adequately Controlled - A	208
Moderately Controlled - B	02
Unsatisfactorily Controlled - C	Nil
Total	**212**

Out of 302 Audit Reports, which were due for closure during the year, 216 have been complied and dealt with.

Concurrent Audit

As a part of internal control system in our Bank, Concurrent Audit was introduced from the financial year 2017-18 as per the policy guidelines issued by NABARD. Keeping in view the manpower constraints, Concurrent Audit is being conducted at 84 branches with the help of 14 Auditors engaged, on contract basis, for the purpose from amongst retired officers of the Bank.

The Scope of Concurrent Audit is designed to cover (a) handling of cash (b) safe custody of securities

(c) Exercise of Discretionary Powers (d) Sundry and Suspense accounts (e) Clearing Differences (f) Off Balance Sheet items, Security Aspects, verification of Assets Quality etc.

Apart from this, the following audits have also been carried out to enhance the efficiency levels:

IS Audit

The Data Centre of the Bank is subject to IS Audit every year and IS audit has also been conducted at 8 Regional Offices and Head Office with the help of CISA qualified Auditor. Branches with limited IT architecture are covered during the RFIA audit.

Credit Audit

All the 24 eligible loan accounts were subjected to Credit Audit during the year 2020-21 and their audit reports complied and dealt with. Credit Audit was not conducted during this year 2021-22.

Audit Committee of the Board

The Audit Committee of the Bank's Board has been constituted. The Deputy General Manager, (FI & MF), State Bank of India, Local Head Office, Bhubaneswar (Director in the Bank's Board) is the Chairman of the Audit Committee. The Deputy General Manager (NABARD), Odisha Regional Office, Bhubaneswar (Director in the Bank's Board), The Deputy General Manager, Reserve Bank of India, Bhubaneswar (Director in the Bank's Board) and the Deputy Secretary, Finance Department, Govt. of Odisha, Bhubaneswar (Director in the Bank's Board) are the members of the Audit Committee. The Committee has met 3 times during the year and monitored the inspection activities, asset management and accounting position of the Bank.

Management Audit

The Management Audit of our Bank was last conducted by our Sponsor Bank in November, 2020. We have submitted our compliance to the Management Audit Report dated 12.01.2021 along with the final Action Taken Report to our Sponsor Bank. Management Audit was not conducted during the FY 2021-22.

NABARD Inspection under Section 35(6) of the Banking Regulation Act 1949

The NABARD Audit was conducted for the FY ending 31.03.2021. Final Compliance remarks have been submitted within the stipulated time schedule.

Policy Framework of the Bank

Efforts have been made to identify all areas of Banking and put in place a policy framework for consistency in our approach. While framing the Policies, all extant instructions of Reserve Bank of India, NABARD, Sponsor Bank and general principles of banking as envisaged in various Acts governing the Banking, have been taken into account. Our Bank has the following policies now on record, duly deliberated in the Board Meetings and approved by the Board.

1. Risk Management Policy
2. Asset Liability Management Policy
3. Investment Policy
4. Loan Policy
5. KYC / AML Policy
6. Interest Rate Policy
7. Customer Complaints / Grievances Redressal Policy
8. Customers Right Policy
9. Policy on Depositor Education and Awareness Fund (DEAF) Scheme and unclaimed deposits / inoperative accounts in Banks.
10. Recovery & NPA Management Policy
11. Business Continuity Plan
12. Financial Inclusion & Business Correspondent Policy
13. Information Technology (IT) Policy & Information Security (IS) policy
14. Internet Banking Policy
15. Cyber Security Policy
16. Internal Audit Policy
17. Information System Audit Policy
18. Concurrent Audit Policy
19. Credit Audit Policy
20. Vigilance Policy

21. Whistle Blower Policy
22. Fraud Risk Management Policy
23. Staff Alertness Award Policy
24. Procurement Policy
25. E-Waste Management Policy
26. Transfer Policy
27. Training Policy
28. Standard Operating Procedure (SOP) for Detection, Impounding and reporting of Counterfeit Notes
29. Standard Operating Procedure on Assets Management Hub
30. Standard Operating Procedure on lending against pledge of gold ornaments.
31. Compromise Policy
32. SOP for Lok Adalat
33. SOP for Sale of Property Seized under SARFAESI Act
34. SOP for Lease Premises
35. SOP for Reporting of fire incident
36. SOP for CCTV

These policies are meant to help ensure that the Bank has an effective and proven systems and procedures on every key area of the Bank's functioning. They also guide the operating staff to comply with the regulatory requirements.

Financial Inclusion

Financial Inclusion has been the concern of Indian economy and banking industry since independence. Leveraging technology is the basic idea behind our initiative in providing Banking Services at the doorsteps of the unbanked and underprivileged people of the society.

As part of financial inclusion, the bank has 1088 Bank Mitras (CSPs) working at our Customer Service Points, covering 10887 villages which do not have formal banking outlets of any Bank. Out of 10887, 315 villages are with population of 2000 and above and remaining 10572 villages with a population less than 2000. The Bank Mitras are deployed by 6 (Six) Corporate Business Correspondences (BCs). The Corporate BCs working for the Bank are CSC e- Governance Services India Limited, Organisation for Development Integrated Social and Health Action (ODISHA), FIA Technology Services Pvt. Ltd., Samvriddhi Inclusive Growth Network (SIGN), Zero- mass Pvt. Ltd. (ZMPL) & Odisha Livelihood Mission (OLM). Bank has deployed Solar Powered VSATs in 381 locations identified as dark & grey area having connectivity problems with the financial support from NABARD through FIF (Financial Inclusion Fund). Micro ATMs are also provided to the CSPs for Rupay transactions.

The Bank Mitras carry out the banking transactions on real time basis at the fixed location Kiosks in our CBS platform. The following banking transactions are enabled at Bank Mitra Points:

a. Account opening both SB & RD
b. Cash withdrawal and deposit
c. Receipt of loan installments
d. AEPS transactions both On-us and Off-us, financial and non-financial such as Balance enquiry and Mini-statement.
e. Rupay Debit card transactions both On-us and Off-us
f. Enrollment of Social Security Schemes such as PMSBY, PMJJBY & APY in KIOSK module.

The entire Financial Inclusion (FI) operations at KIOSKs work on the principle of Biometric verification of the beneficiaries and are online, hitting our CBS server instantly, which facilitates updation of transactions carried out by CSPs on real time basis, in CBS Server. The AEPS transactions are taking place by Biometric authentication of the Aadhaar Number of the customer. Through Micro ATM, the customer swaps his/her ATM card for the transaction.

The following is the share of transactions (%) performed at Bank Mitras when compared with the total bank transactions.

Sl. No.	Channel at Bank Mitra	% of Total Transaction	
		2020-21	2021-22
1	Cash Withdrawal & Deposit transactions	4.82	3.69
2	AEPS-Onus	2.53	3.63
3	AEPS-Off us	1.56	2.23
4	RuPay Card transactions	0.31	0.22
5	Total overall percentage.	9.22	7.48

As at the end of the FY 2021-22, no. of SB Accounts opened and maintained by Bank Mitras is 9,70,888 with a CASA balance of Rs. 195.40 crore and No. of RD Accounts opened and maintained by Bank Mitras is 2985 with a balance of Rs. 0.79 crore.

Financial Inclusion Accounts - Aadhaar Seeding & inputting valid Mobile number

To speed up the process of Aadhaar Seeding, we have taken up the matter with our Corporate Business Correspondents. The CSPs are incentivized by the Bank for collecting Aadhaar Numbers of existing customers. For incorporating valid mobile numbers of existing customers, Bank is paying incentives to the CSPs for collection of the same from the customers.

Financial Inclusion - Social Security Schemes (PMJJBY, PMSBY & APY)

Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMJJBY)

We have enrolled 73158 new customers under Pradhan Mantri Jeevan Jyothi Bima Yojana during FY 2021-22, taking the total accounts to 144777. A total of 194 claims were settled for Rs.388.00 lakhs under PMJJBY during FY 2021-22.

Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana (PMSBY)

We have enrolled 110738 new customers under Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana during FY 2021-22, taking the total to 423709 accounts. A total of 18 claims were settled for Rs. 36.00 lakhs under PMSBY during FY 2021-22.

Atal Pension Yojana (APY)

Total of 12775 enrolments were mobilised under Atal Pension Yojana (APY) for FY 2021-22, taking total to 54206 accounts. Our Bank was felicitated with Award of Excellence in the PFRDA campaign " Makers of Excellence (5.0)" during Oct-Nov-2021.

Financial Literacy Week (FLW)

Our Bank observed Financial Literacy Week from 14th February to 18th February 2022 with the theme "Go Digital Go Secure". The focus was on the following three topics with a view to improve Financial Education among public.

a) Convenience of digital transactions
b) Security of digital transactions
c) Protection to customers.

The publicity material in the form of pamphlets, brochures and banners were distributed during the camps to spread the message of financial awareness among the customers.

Aadhaar Enrolment and Updation Centres

Our Bank has opened Aadhaar Enrolment centres at 45 locations i.e. 10% of the Branch network as per UIDAI guidelines to extend the services of Aadhaar enrolment and updation to the public including our customers. We are operating the AECs in outsourced model with the help of M/s ODISHA, the service provider.

Cross Selling
SBI Life Insurance

Our Bank is enrolled as a corporate agent of SBI Life Insurance Corporation Limited, to meet the life insurance needs of the Bank's customers, as part of Financial Inclusion apart from earning non-interest income. The Bank mobilized a New Business Premium (NBP) of Rs. 9.42 crore and earned a commission of Rs. 2.06 crore during the FY 2021-22 against the NBP of Rs. 7.53 crore and commission of Rs.1.69 crore during the previous FY 2020-21.

SBI General Insurance

We have commenced SBI General Insurance Business during the year 2016-17 as a Corporate Agent to market Insurance products focusing on Group Health Insurance Scheme, Group Personal Accidental Insurance Scheme apart from insurance of the Assets financed by the Bank to the eligible and willing customers. During 2021-22 Bank booked New Business Premium (NBP) of Rs. 73.24 lakhs and earned a commission of Rs. 7.50 lakhs against the NBP of Rs. 37.00 lakhs and commission of Rs. 4.00 lakhs during the previous FY 2020-21.

Information Technology

The Bank has introduced the following IT initiatives:

Immediate Payment System (IMPS) Remitter

IMPS facility as beneficiary bank was launched in October 2015 as sub member of Sponsor Bank.

AEPS-Aadhaar Pay:

To enable our customers to perform cash less transactions at merchant establishments using their Aadhaar linked accounts of our bank, Aadhaar Pay (Issuer) facility has been launched in our bank. Using this facility our bank customers are able to perform cash less transactions at outlets using other bank Aadhaar pay apps.

Alternate Delivery Channels (ADCs) :

Banking transaction through Alternate Delivery Channels has been on the rise vis-à-vis transactions through brick and mortar branches, reducing the footfalls in the Branches considerably, thereby resulting in more focus on marketing and business development. Various alternative delivery channels introduced by the Bank have enabled the customers to avail banking services.

RTGS/NEFT :

We are doing RTGS / NEFT transactions at our Branches through our Sponsor Bank.

Desktop ATMs

In a move to facilitate customers wanting to withdraw small amounts, the Bank has installed Desktop ATMs in five of our Branches on a pilot basis. It works like any other ATM and other Bank customers can also withdraw their money. With desktop ATMs, there is no need for separate ATM room and there is no security problem.

Micro ATM

With the financial support of NABARD under Financial Inclusion Fund, we have supplied Micro ATM to all the Branches to promote digital transactions.

Upgradation of NPA Module in CBS

We have implemented the upgraded version of Agri & URI module in the CBS system to track the NPAs with better regulatory compliance and presently all NPA data are system generated.

Web based Concurrent Audit Solution (WEBCAS) :

It is a concurrent audit system (CAS) which is essentially a control process, integral to the establishment of sound internal accounting functions, effective controls and overseeing of operations on a continuous basis. The CAS is reviewed on an ongoing basis in accordance with the RBI directives to cover our bank's advances and other risk exposures as prescribed by the regulatory authority. The concurrent audit system is being revamped, along with the introduction of a web-based solution, through concurrent auditors.

Digital Account Opening:

As a part of our contribution to the digital economy, UGB DIGI (Utkal Grameen Bank Digital Savings Account) through Video-KYC & UGB INSTA (Utkal Grameen Bank Insta Savings Account) has been launched in our bank to provide our customers seamless delivery of services in this digital era.

Swayam Passbook Kiosk:

Bank has installed 16 number of Swayam Passbook Kiosk in various branch locations. This will enable us to provide hassle free passbook printing service to our customers.

Information Security:

The Bank pays utmost importance towards safeguarding the information technology assets of the bank. The Bank has formulated Information Security Policy, Information Technology Policy and implemented after obtaining Board's approval. As a policy, the Information technology assets of the bank at our Application Service Provider M/s C-Edge Technologies Ltd, are subjected to information security review on yearly basis by an external IS audit agency. Bank's controlling offices are subject to Information Security Audit by external agency at periodical intervals.

Biometric authentication system for login to the CBS application is implemented across all branches. This eliminates login of unauthorized persons into the application and also aids in fixing accountability for any frauds or malpractices.

The CBS platform functions on Wide Area Network (WAN), which functions on connectivity provided on various carriers like VSAT, 4G and RF.

Branch Connectivity Up gradation :

As the volume of transactions have increased over the years, to enable branches to perform transactions at a faster rate, up gradation of the branch connectivity to 2 Mbps RF has been taken up. As on 31.03.2022, 341 branches have been upgraded to 2 Mbps RF connectivity out of which 312 Branches also have 4G as secondary connectivity as a backup.

Besides, 367 branches have also been migrated to server less JAVA application as on 31.03.2022.

Security Measures - Installation of CCTVs and Burglar Alarm Systems

Physical security systems that effectively protect the Bank assets, customers and employees assume paramount importance in view of increasing incidence of robberies, mischief. The Bank has provided CC TV Cameras, Burglar Alarms & Fire extinguishers to all 433 branches of the Bank.

Customer Service & Complaints handling

While complaints cannot be avoided, some of the complaints provide useful feedback to review our performance and systems and procedures. A genuine complaint from a customer means an opportunity to the Bank to upgrade our skills and efficiency. The Bank has put in place complaints/ grievances redressal policy to redress the grievances of the customers and improve the quality of customer service. The Bank has placed enormous emphasis on timely disposal of complaints and follow up system has been strengthened to dispose off the complaints within set timelines. Branches are conducting customer meets where their views and feedback are solicited in order to take corrective steps, wherever necessary. Regional Managers concerned are attending the customer meetings whenever feasible. The following system of monitoring of complaints for their redressal and submission of compliance is in vogue:

Nature of complaint	Officer in charge at Regional Office/ Branch level	At Head Office level
General Complaints (Other than vigilance nature)	Branch Manager (At Br level) Regional Manager (at RO level)	Chief Manager (Accounts) General Manager of respective network
General Complaints (Vigilance nature)	- -	Chief Vigilance Officer Chairman
Complaints from Banking Ombudsman	Regional Manager / Branch Manager	Head of the Dept. (Accounts & Compliances) General Manager of respective network

The status of complaints received is being put up to the Board of Directors in every meeting for their review and information.

A Sub-Committee in the name of 'Customer Service Committee at the Board' has been constituted. Also, Customers Service Standing Committee is in place at Branch level, Regional Office level and Head Office level.

Customer Complaints: Status as on 31.03.2022

S No.	Particulars	No.
1	No. of Complaints pending at the Beginning of the year	0
2	No. of Complaints received during the year 2021-22	65
3	Total Complaints	65
4	No. of Complaints Redressed / Disposed-off during the year	62
5	No. of Complaints pending at the end of the year	3

For complaints received through Banking Ombudsman, General Manager-I is designated as "Principal Nodal Officer" of our Bank at Head Office. The position of complaints received through / from Banking Ombudsman during the year.

S No.	Particulars	No.
1	No. of Complaints pending at the Beginning of the year	0
2	No. of Complaints received during the year 2021-22	16
3	Total Complaints	16
4	No. of Complaints Redressed / Disposed-off during the year	16
5	No. of Complaints pending at the end of the year	0

Whistle Blower's Policy with an objective of providing an avenue for raising concerns related to frauds, corruption or any other misconduct is also in place.

Right to Information Act

The Bank implemented the Right to Information Act, 2005 in letter & spirit setting out the practical regime of right to information for citizens to secure access to information under the control of bank in order to promote transparency and accountability in the working of Bank's various functionaries.

	CAPIOs	CPIOs	Appellate Authority
Branch	Branch Manager	Regional Manager	General Manager
Regional Office	Regional Manager	General Manager	Chairman
Head Office	Head of the Department (Accounts & Compliance)	General Manager	Chairman

During the year 2021-22, the Bank has received 44 applications and appeals were disposed off within the stipulated time frame.

Human Resource Management

As at the end of FY 2021-22, the staff and its composition is as under :

Officers S-IV	10
Officers S-III	34
Officers S-II	135
Officers S-I	510
Office Assistants	581
Office Attendants	111
Total	**1381**

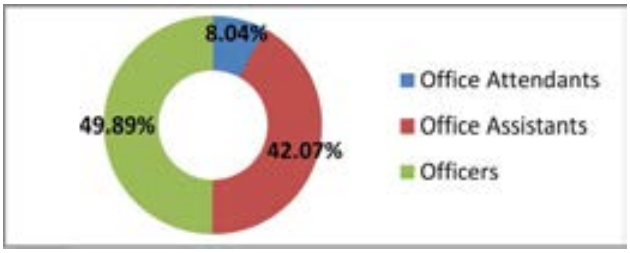

During the year, 136 staff members have retired from the Bank's Service, 11 staff members have resigned & 09 Staff members expired.

Recruitments

Basing on recruitment year 2020-21 and 2021-22, Bank has posted 1 OS-III, 7 OS-II, 115 OS-I & 72 O.Asst (M) during 2021-22. However, 5 nos. of Office Assistants were appointed on compensatory ground.

Promotions

During 2021-22, 64 Office Assistants promoted to Officer Scale-I, 33 Officer Scale-I promoted to Officer Scale-II, 8 Officer Scale-II promoted to Officer Scale-III & 4 Officer Scale-III promoted to Officer Scale-IV.

Training - Staff Learning Centre (UGBLC)

The Bank had laid down a Training Policy, which envisages training to all staff members, at least once in three years. During the year, no training was conducted due to Covid-19 pandemic.

26 Officers joined to external training institutions like RBI (Bhubaneswar), SBIRB (Hyderabad) on important subjects like NAMCABS MSME Finance, Financing Farmers beyond Agriculture (Allied activities-Diary & Poultry), NPA management in Agri Finance, New KCC, Risk mitigation in Agri Finance and CSP/ BC, Analysis of Financial Statements, 55 Officers (SC/ST) and 74 Office Assistants (SC/ST) for Pre-promotional training on virtual mode.

Staff welfare Measures

Group Personal Accident Insurance Policy

Most of our staff members are youngsters and travel by road, frequently for various official works viz. Cash remittance, field visits for recovery and inspection of units, review meetings etc., and are exposed to the risk of road accidents and face a life threat also.

We have taken the Group Personal Accident Insurance Policy with the following sum insured to create a sense of security among the staff members and build loyalty to the organization.

Sl No.	Cadre	Sum Insured
1.	Officers	Rs 10.00 Lakhs
2.	Office Assistants	Rs 5.00 Lakhs
3.	Office Attendants	Rs 3.00 Lakhs

EDLI (Employee Deposit Linked Insurance)

It is a statutory requirement under EPF Act. The employer contributes the premium for all employees of the Bank for life insurance coverage of Rs. 7.02 lakhs till in service.

Additional Insurance Policy during COVID-19 pandemic

Taking the vulnerability of Bank staff during COVID-19 pandemic the Bank has taken up the additional Insurance Policy with SBI-Life under Sampoorna Surakshya Policy. In the Policy the sum assured for Officer is Rs. 20.00 lakhs and for Clerical & Sub-ordinate staff it is Rs. 10.00 lakhs.

Medical Insurance for hospitalization

Medical Insurance for hospitalization for all existing staff was introduced w.e.f. 01.10.2020 coverage tie-up with Star Health & allied Insurance Co. Ltd. The coverage is Rs. 4.00 lakhs for officers and Rs. 3.00 lakhs for office assistants & office attendants.

Gratuity and Leave Encashment Fund

The Bank has taken care of provisional requirements in respect of Gratuity. The total corpus as on 31.3.2022 is to the tune of Rs 71.58 crore towards Gratuity and Rs. 33.37 crore towards Leave Encashment.

Pension Scheme in the Bank

The Bank has introduced Utkal Grameen Bank (Employees') Pension Regulations, 2018 and Utkal Grameen Bank (Officers' and Employees') Service (Amendment) Regulations, 2018 was published in the Gazette of India (Extraordinary) Part III, Section 4 vide Notification No. 533 dated 24.12.2018. During the year 2021-22, Rs. 8.07 crores is refunded by pensioners and Rs. 73.64 crores has been paid to pensioners. As per latest actuarial valuation position, the total pension liability is Rs. 798.34 crores. As per RBI norms, provision required is 80% of Rs. 798.34 crores which comes to Rs. 638.67 crores as on 31.03.2022. From this assessed liability, as per the amortization and as per advice by Sponsor Bank provision for Rs. 159.67 crores has been made during the year 2021-22.

Provision for wage revision

Bank has provided for Rs. 46.79 crores as on 31.03.2021 and Rs 2.00 crore as on 31.03.2022 arising

out of arrears to be paid on account of 11th Bi-partite wage settlement from 01.11.2017.

Industrial Relations

The Management and Officers Association and Employees Union have worked in tandem for the welfare of the staff members and business development, sorting out routine issues with amicable solutions. Cordial and amiable working atmosphere has prevailed during the year.

Welfare of SC/ST and OBC Employees

The Bank has maintained cordial relations with the SC/ST Welfare Council/Association , OBC Welfare Association and complied with statutory requirements in all aspects of recruitments, promotions etc.

The Bank has taken all steps to keep up the morale and motivation of the employees.

Policy on Sexual Harassment of Women at Work Place

Internal Complaint Committee has been formed and functional at Head Office & Regional Offices.

Settlement of Terminal Benefits

The process for payment of terminal benefit begins three months in advance of retirement to ensure that all formalities are completed to make payment of terminal dues.

Payment of Ex-gratia

The Bank has implemented the GOI instructions, contained in the notification No: F.20/5/ 2003-RRB dated 09.06.2006, on payment of ex-gratia in lieu of appointment on compassionate grounds for the legal heirs of the bereaved staff members and also to the staff who are chronically sick and immobile on sick grounds.

Vigilance Administration

As the Bank is growing in size and there is infusion of young and inexperienced workforce, vigilance together with sensitization of staff to be vigilant has been a thrust area.

The set up of Vigilance administration in our Bank has been introduced with the active involvement of Sponsor Bank vide their letter No: A&S/RRB/SKJ/ 415 dated 12th Sep 2017 and after obtention of the Board's approval. The setup has been further strengthened by implementation of revised vigilance administration in our Bank w.e.f. 15.02.2021 vide Sponsor Bank Letter No. A&S/RRB/ HD/424 dt. 29.01.2021, after obtention of Board's approval.

According to the revised vigilance administration, the Chief Vigilance Officer (CVO) of State Bank of India is overseeing the Vigilance Administration of our Bank, through ACVO (Additional Chief Vigilance Officer) appointed by DFS (Department of Financial Services) and posted at SBI, Corporate Office, Mumbai. The ACVO is regularly monitoring the vigilance activities of our Bank and tendering CFA, FSA and SSA (as required) in case of officers and award staff of our Bank. ACVO is also monitoring the following vigilance activities :

i) Review of pendency of the vigilance cases, ii) implementation of complaint handing policy and whistle blower policy, iii) Preventive Vigilance Committee (PVC) meeting, iv) Regular preventive visits of branches by Vigilance Dept. officials, v) Job rotation, vi) Submission of Annual Property Returns of the Officers, vii) Examination of Staff accountability, viii) Regular training programme for officials and ix) Fraud monitoring

The post of CVO (Chief Vigilance Officer) in our Bank has been re-designated as General Manager (Vigilance).

During the FY 2021-22, 13 disciplinary cases have been disposed of out of 25 cases.

Vigilance Awareness week:

The Bank has organized Vigilance Awareness week from 26th October to 1st November, 2021 in the Head Office, Regional Offices and all Branches.

Board

The Board of the Bank is constituted by

(a) Chairman of the Bank
(b) Two non-official directors appointed by Government of India
(c) One nominee director each from Reserve Bank of India and NABARD
(d) Two nominee directors from Sponsor Bank
(e) Two nominee directors from state Government of Odisha.

with Chairman of the Bank as Chairman of the Board.

Board Meeting Rules stipulate that the Board meets minimum six times a year, at least once in a quarter. During the calendar year 2021, 06 meetings were held.

Acknowledgements

The Board of Directors of the Bank would like to express their sincere gratitude for the continued trust and patronage received from the customers who have stood with the Bank all through.

The Board takes immense pleasure in expressing their gratitude for the guidance and cooperation received from the Sponsor Bank, Government of India, Government of Odisha, Reserve Bank of India, NABARD, NPCI, UIDAI, other Financial Institutions and Banks for their unflinching and valuable support to the Bank from time to time.

The Board also expresses sincere thanks to all the District Collectors, Project Directors of DRDA and other Govt. Departments of Bolangir, Subarnapur, Bargarh, Sambalpur, Deogarh, Jharsuguda, Sundargarh, Kalahandi, Nuapada, Kandhamal, Boudh, Koraput, Malkangiri, Rayagada, Nabarangpur, Gajapati & Ganjam districts in Odisha, for their support and encouragement.

The Board would like to gratefully acknowledge the support rendered by our Technology Service Providers viz., M/s C-Edge Technologies, Mumbai and our Corporate Business Correspondents.

The Board extends its heartfelt gratitude to M/s Tej Raj & Pal, the Central Statutory Auditors of the Bank and other Statutory Branch Auditors for their cooperation in completing the Audit of the Bank's Financial Statements for the Year 2021- 22 in time.

The Board also expresses its gratitude to Print and Electronic media for their cooperation in giving wide publicity for the Bank. The Board also thanks the Officers' Association, Employees' Union and SC/ST/ OBC Welfare Associations for their constructive role played in overall development of the Bank.

Words are not adequate to describe the excellent performance, sense of involvement, ownership and dedicated services rendered by each and every staff member for the much deemed and sought after turnaround of the Bank .

For and on behalf of Board of Directors of

Utkal Grameen Bank

(Alekha Chandra Beura)

Chairman

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,
The Members
Utkal Grameen Bank
Bolangir

Report on the Financial Statements

Opinion

We have audited the financial statements of Utkal Grameen Bank ('the Bank'), which comprise the Balance Sheet as at 31 March 2022, the statement of Profit and Loss, the statement of cash flows for the year then ended and notes to financial statements including a summary of significant accounting policies and other explanatory information in which are included returns for the year ended on that date of 25 Branches and Head Office audited by us and 250 Branches audited by other Branch auditors. The branches audited by us and those audited by other auditors have been selected by the Bank in accordance with the guidelines issued to the Bank by the National Bank of Agriculture and Rural Development. Also included in the Balance Sheet and Profit and Loss and Statement are the returns from 159 branches which have not been subjected to audit. These unaudited branches account for 22.99 percent of advances, 27.96percent of deposits, and 8.75 percent of interest income and 25.18 percent of interest expenses.
In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Regional Rural Bank Act 1976and Banking Regulation Act, 1949 in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

a. In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Bank as at March 31, 2022;
b. In the case of the Profit and Loss Account, of the profit for the year ended on that date and
c. In the case of the Cash Flow Statement, of the cash flows for the year ended on that date

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by ICAI. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. This Audit has been conducted as per the guidelines of the Institute of Chartered Accountants of India. We are independent of the Bank in accordance with the code of ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India together with ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements in [jurisdiction], and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the code of ethics.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Emphasis of Matter

Attention is invited to the following matters:

1) As stated in Note No. 12 of Schedule-18 of the Financial Statements, certain items of assets and liabilities are pending for reconciliation. The same are under the process of year-wise-reconciliation and subject to consequential adjustments, if any.
2) As stated, Note No.26 of Schedule-18 of the Financial Statements, bank has during the year accepted OTS and compromise proposals amounting Rs.35.04 Crores and Rs.29.30 Crores.
3) As stated, Note No.26 of Schedule-18 of the Financial Statements, bank has prepared its accounts on a going concern basis considering various positive indicators as mentioned therein.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Responsibilities of Management and Those Charged with Governance for the Financial Statements

The Bank's Board of Directors is responsible with respect to the preparation of these standalone financial statements that give a true and fair view of the financial position and financial performance of the Bank in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards issued by ICAI, and provisions of Regional Rural Bank Act 1976, Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 and circulars and guidelines issued by the Reserve Bank of India ('RBI') and National Bank for Agriculture and Development (NABARD) from time to time. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error. In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.

- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the bank's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the bank to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Other Matter

a) We did not audit the financial statements / information of 159branches included in the standalone financial statements of the Bank whose financial statements / financial information reflect total advances of 71299.15lakhs as at 31st March 2022 and total revenue of 7055.59lakhs for the year ended on that date, as considered in the standalone financial statements. The financial statements / information of these branches has been audited by the branch auditors whose reports have been furnished to us and in our opinion in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of branches, are based solely on the report of such branch auditors.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

a) The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949;

b) Subject to the limitation of such disclosures and on the basis of audit indicated in above paragraphs read together with "Significant Accounting Policies" and "Notes on Accounts" in Schedule-l7 &Schedule-18, we report as under:

i) We have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purposes of our audit and have found them to be satisfactory;

ii) The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank; and

iii) The returns received from the offices and branches of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit.

We further report that :

a) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as it appears from our examination of those books and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from branches not visited by us;

b) The Balance Sheet and the Profit and Loss Account dealt with by this report are in agreement with the books of account and with the returns received from the branches not visited by us;

c) The reports on the accounts of the branch offices audited by branch auditors of the Bank under section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 have been sent to us and have been properly dealt with by us in preparing this report; and

d) In our opinion, the Balance Sheet and the Profit and Loss Account comply with the applicable accounting standards except for the effects of the matter described in the Basis for Opinion paragraph and to the extent they are not inconsistent with the accounting policies prescribed by NABARD and RBI.

For Tej Raj & Pal
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 304124E

Place of Signature : Balangir
Date : 20-04-2022

(DINAKAR MOHANTY)
PARTNER
M. No. 059390
UDIN-22059390AHLLOL1161

UTKAL GRAMEEN BANK

HEAD OFFICE, BOLANGIR (ODISHA)

BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2022

(Amt. in "000")

PARTICULARS	SCHEDULE	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
EQUITY & LIABILITIES			
Equity Capital	1	97,03,731	97,03,731
Perpetual Bond	1(A)	81,383	81,383
Share Capital Deposit	1(B)	47,83,185	0
Reserves & Surplus	2	0	0
Deposits	3	7,64,30,695	7,48,72,500
Borrowings	4	44,65,920	35,30,296
Other Liabilities & Provisions	5	42,56,983	36,84,777
TOTAL EQUITY & LIABILITIES		**9,97,21,897**	**9,18,72,687**
ASSETS			
Cash and Balances with Reserve Bank of India	6	35,91,497	30,91,187
Balances with Banks and Money at Call and Short Notice	7	71,57,395	62,72,909
Investments	8	4,71,26,086	4,19,54,003
Loan and Advances	9	2,64,60,524	2,41,85,410
Fixed Assets	10	49,332	61,017
Other Assets	11	1,53,37,063	1,63,08,161
TOTAL ASSETS		**9,97,21,897**	**9,18,72,687**
Contingent Liabilities	12	5,47,214	5,41,701
Bills for Collection		NIL	NIL
Principal Accounting Policies & Notes on Accounts	17 & 18		

SRI. A.C. BEURA
CHAIRMAN

For Tej Raj & Pal
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 304124E

(DINAKAR MOHANTY)
PARTNER
M. No. 059390

PROFIT & LOSS STATEMENT
FOR THE YEAR 31.03.2022

(Amt. in "000")

PARTICULARS	SCHEDULE	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. INCOME			
Interest Earned	13	63,04,886	47,46,110
Other Income	14	917,094	709,910
TOTAL		**72,21,980**	**54,56,020**
II. EXPENDITURE			
Interest Expended	15	32,04,030	31.98,963
Operating Expenses	16(A)	18,17,196	16,05,867
Provisions & Contingencies	16(B)	21,77,342	47,67,469
TOTAL		**71,98,568**	**95,72,299**
III. PROFIT & LOSS		**23,412**	**-41,16,279**
Profit before Tax		23,412	-41,16,279
Less : Tax Provision		0	0
Provision for IT for the Financial Year		4,820	NIL
Provision to Tax Credit Entitlement		(-)4820	NIL
Profit after Tax		**23,412**	**-41,16,279**
Loss brought forward	(*)	-1,37,50,947	-96,34,668
TOTAL		**-1,37,27,535**	**-1,37,50,947**
Balance carried over to Balance Sheet		-1,37,27,535	-1,37,50,947
TOTAL		**-1,37,27,535**	**-1,37,50,947**

SRI. A.C. BEURA
CHAIRMAN

For Tej Raj & Pal
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 304124E

(DINAKAR MOHANTY)
PARTNER
M. No. 059390

SCHEDULE : 1 EQUITY CAPITAL

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
Authorised Capital		
(200,00,00,000 Shares of Rs. 10/- each)	**2,00,00,000**	**2,00,00,000**
Issued, Subscribed & Paid-up Capital		
(Shares of Rs. 10/- each)	97,03,731	97,03,731
Govt. of India (50%)	48,51,866	48,51,866
State Bank of India (35%)	33,96,336	33,96,336
Govt. of Odisha (15%)	14,55,529	14,55,529
TOTAL	**97,03,731**	**97,03,731**
G. TOTAL	**97,03,731**	**97,03,731**

SCHEDULE : 1A PERPETUAL BOND

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
State Bank of India	**81,383**	**81,383**
TOTAL	**81,383**	**81,383**

SCHEDULE : 1B SHARE CAPITAL DEPOSIT

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
Govt of India	23,91,600	0
State Bank Of India	23,91,585	0
Govt of Odisha	0	0
TOTAL	**47,83,185**	**0**

SCHEDULE : 2 RESERVE & SURPLUS

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Statutory Reserves	0	0
II. Capital Reserves	0	0
III. Capital Reserves on Consolidation	0	0
IV. Share Premium	0	0
Other Reserves (Specify nature)	0	0
V. Revenue & other Reserves	0	0
VI. Balance in Profit & Loss Account	0	0
TOTAL	**0**	**0**

SCHEDULE : 3 DEPOSITS

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
A. Deposits of Branches in India		
I. Demand Deposits		
i) From Banks	0	0
ii) From Others	12,81,443	13,21,403
II. Savings Bank Deposits	4,49,38,197	4,33,17,072
III. Term Deposits		
i) From Banks	0	0
ii) From Others	3,02,11,055	3,02,34,025
TOTAL (I + II + III)	**7,64,30,695**	**7,48,72,500**
B. I. Deposits of Branches Outside India	0	0
TOTAL (A + B)	**7,64,30,695**	**7,48,72,500**

SCHEDULE : 4 BORROWINGS

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Borrowings in India		
i) Reserve Bank of India		
ii) Other Banks	0	0
(Sponsor Bank i.e. State Bank of India)	0	0
iii) Other Institutions and Agencies (NABARD)	44,60,000	35,30,296
iv) NSTFDC	5,920	0
II. Borrowings Outside India	0	0
TOTAL (I + II)	**44,65,920**	**35,30,296**
Secured Borrowings		
(Included in I & II above)	**4,465,920**	**3,530,296**

SCHEDULE : 5 OTHER LIABILITIES & PROVISIONS

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Bills Payble	31,846	37,261
II. Inter-Office Adjustments	0	0
III. Interest Accured	22,07,006	22,87,213
IV. Others	20,18,131	13,60,303
TOTAL	**42,56,983**	**36,84,777**

DETAILS OF OTHER LIABILITIES

(SCHEDULE 5-IV)

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
Subsidy Reserve Fund	44,291	51,995
Sundry deposits	424	0
Sundry Deposit TDS -SYS -Credit	27,656	31,988
Grameen pay Order (GPO)	0	0
Crop Insurance Amount	3,752	3,748
Tax Deducted at Source /TDS	2,308	275
Sundry Creditors	0	0
CA 276 HO with UGB Balangir	0	0
Security Deposit Public	4,800	4,423
Miscellaneous Provision	68,049	13,104
Standard Asset Provision	69,663	57,739
Prov. On Pension, Leave liability, Gratuity & Wage payment	16,72,712	11,21,525
Provision for Income Tax	4,820	0
SD-Unidentified cash	0	2
SYS Susp Orginating Credit	0	0
Other System Susp A/C	14	0
Adjusting A/c	64,183	20,737
Others	55,459	54,767
GROUP TOTAL	**20,18,131**	**13,60,303**

SCHEDULE : 6 CASH & BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Cash in Hand (Including foreign currency notes-NIL)	3,85,712	3,89,852
II. Balance with Reserve Bank of India		
i) In Current Account	32,05,785	27,01,335
ii) In Other Account	0	0
TOTAL (I + II)	**35,91,497**	**30,91,187**

SCHEDULE : 7 BALANCES WITH BANKS AND MONEY AT CALL & SHORT NOTICE

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. In India		
i) Balances with Banks		
a) In Current Accounts	2,98,883	3,85,898
b) In Other Deposit Accounts	68,58,512	58,87,011
ii) Money at Call & Short Notice / Short Term Deposit		
a) With Banks (Deposit with State Bank of India)	0	0
b) With other institutions	0	0
TOTAL (I + II)	**71,57,395**	**62,72,909**
II. Outside India		
i) In Current Accounts	0	0
ii) In Other Deposit Accounts	0	0
iii) Money at Call & Short Notice	0	0
TOTAL (i + ii+iii)	0	0
GRAND TOTAL (I + II)	**71,57,395**	**62,72,909**

SCHEDULE : 8 INVESTMENTS

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Investments in India in		
i) Government Securities	4,71,02,107	4,19,17,524
ii) Other approved Securities	1,479	1,479
iii) Shares	0	0
iv) Debentures and Bonds	0	0
v) Investments in Associates	0	0
vi) Others (to be specified) (SBI - Mutual Fund)	22,500	35,000
TOTAL	**4,71,26,086**	**4,19,54,003**
II Investments Outside India in		
i) Government Securities (including Local Authorities)	0	0
ii) Investments in Associates	0	0
iii) Other Investments	0	0
TOTAL	**0**	**0**
GRAND TOTAL (I + II)	**4,71,26,086**	**4,19,54,003**
III. Investment in India		
i) Gross Value of Investments	4,71,26,086	4,19,54,003
ii) Aggregate of Provisions for Depriciation	0	0
iii) Net Investment	4,71,26,086	4,19,54,003
IV. Investment outside India		
i) Gross Value of Investments	0	0
ii) Aggregate of Provisions for Depriciation	0	0
iii) Other Investments (to be specified)	0	0

SCHEDULE : 9 ADVANCES

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
A. i) Bills Purchased & Discounted	0	0
ii) Cash Credits, Overdrafts & Loans repayble on demand	1,89,80,703	1,70,61,996
iii) Term Loans	74,79,821	71,23,414
TOTAL	**2,64,60,524**	**2,41,85,410**
B. i) Secured by Tangible Assets	2,63,64,334	2,41,56,584
ii) Receivable from Govt. of India under ADWDR Scheme - 2008	0	0
iii) Unsecured	96,190	28,826
TOTAL	**2,64,60,524**	**2,41,85,410**
C. I) Advances in India		
i) Priority Sector	2,32,13,818	2,16,53,660
ii) Public Sector	0	0
iii) Banks	0	0
iv) Others	32,46,706	25,31,750
TOTAL	**2,64,60,524**	**2,41,85,410**
II) Advances outside India		
i) Due from Banks	0	0
ii) Due from Others	0	0
a) Bills Purchased & Discounted	0	0
b) Syndicated Loans	0	0
c) Others	0	0
TOTAL	0	0
GRAND TOTAL (C . I + II)	**2,64,60,524**	**2,41,85,410**
TOTAL ADVANCES	**3,10,09,841**	**2,88,42,551**
NPA PROVISION	**45,49,317**	**46,57,141**
NET ADVANCE	**2,64,60,524**	**2,41,85,410**

SCHEDULE : 10 FIXED ASSETS

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Premises	0	0
At cost as on 31st March of the preceding year	8	8
Additions during the year	0	0
Deductions during the year	0	0
Depriciation to date	0	0
I.A Premises under construction	0	0
TOTAL	**8**	**8**
II. Other Fixed Assets (including furniture and fixtures)		
At cost as on 31st March of the preceding year	3,27,994	3,15,033
Support from SBI & NABARD	0	0
Additions during the year	8,389	12,961
TOTAL	**3,36,383**	**3,27,994**
GRAND TOTAL (I + II)	**3,36,391**	**3,28,002**
Deductions during the year	0	0
Accumulated Depriciation to date	2,87,059	2,66,985
BALANCE (W.D.V.)	**49,332**	**61,017**
GRAND TOTAL	**49,332**	**61,017**

SCHEDULE : 11 OTHER ASSETS

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Inter Office Adjustments	4,560	150
II. Interest Accrued	14,39,764	15,91,216
III. Tax Paid in Advance	5,299	5,299
IV. Stationery and Stamps	10,877	5,360
V. Non-Banking assets acquired in satisfaction of Claims	0	0
VI. Others *	1,38,76,563	1,47,06,136
TOTAL	**1,53,37,063**	**1,63,08,161**

DETAILS OF OTHER ASSETS (SCHEDULE 11-VI)

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
Suspense Advance	84	168
Accumulated Loss		
a) accumulated loss	1,37,27,535	1,37,50,947
b) Reserve and Surplus adjusted		
c) Loss before Tax		
d) Tax on profit (Add.)		
System Suspense	0	50
NEFT	0	2,55,080
IT prov / Advance Tax paid	74,948	76,364
Tax Credit Entitlement	4,820	0
Others	69,176	623,527
Total	**1,38,76,563**	**1,47,06,136**

SCHEDULE : 12 CONTINGENT LIABILITIES

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Guarantees given on behalf of constituents		
a. In India	5,39,379	5,34,142
b. Outside	0	0
II. Unclaimed Deposit in Deaf A/C	7,835	7,559
TOTAL	**5,47,214**	**5,41,701**

SCHEDULE : 13 INTEREST EARNED

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. (A)Interest on Advances	27,84,226	14,55,338
(B)Discount on Bills Discounted	0	0
II. Income on Investments	33,38,690	29,56,522
III. Interest on balances with Reserve Bank of India / other inter-bank Bank funds	1,81,970	3,34,250
IV. Others: IBPC	0	0
TOTAL	**63,04,886**	**47,46,110**

SCHEDULE : 14 OTHER INCOME

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Commission, Exchange, Brokerage	47,277	76,808
II. Profit on Sale of Investments (Net)	0	0
Less : Loss on Sale of Investments		
III. Profit on revaluation of Investments	0	0
Less : Loss on revaluation of Investments (Amortisation)		
IV. Profit on Sale of Land, Buildings and Other Assets	0	0
Less : Loss on sale of Land, Buildings and other assets		
V. Profit on exchange transactions	0	0
Less : Loss on exchange transactions		
VI. a) Lease finance income	0	0
b) Lease management fee	0	0
c) Overdue charges	0	0
d) Interest on lease rent receivables	0	0
VII. Miscellaneous Income	8,69,817	6,33,102
TOTAL	**9,17,094**	**7,09,910**

SCHEDULE : 15 INTEREST EXPENDED

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Interest on Deposits	29,77,665	31,69,589
II. Interest on Reserve Bank of India / Inter-Bank Borrowings	2,26,365	29,374
TOTAL	**32,04,030**	**31,98,963**

SCHEDULE : 16(A) OPERATING EXPENSES

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
I. Payments to and provisions for employees	11,93,651	11,21,332
II. Rent, Taxes and Lighting	58,986	56,783
III. Printing and Stationery	4,324	5,301
IV. Advertisement and Publicity	107	177
V. Depreciation on Bank's Property	20,074	28,261
VI. Director's fees, allowances and expenses	0	0
VII. Auditor's fees and expenses	3,500	3,200
VIII. Law Charges	4,119	438
IX. Postage, Telegrams, Telephones etc.	6,320	6,544
X. Repairs and Maintenance	1,21,152	1,10,575
XI. Insurance	1,00,670	1,00,949
XII. Other expenditure	3,04,293	1,72,307
TOTAL	**18,17,196**	**16,05,867**

DETAILS OF OTHER EXPENDITURES (SCHEDULE 16-XII)

(Amt. in "000")

	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
Books and Periodicals	3,090	3,156
Entertainment Expenses	138	12
Training / Meeting / Seminars	28	30
Travelling Allowances	5,618	4,834
Halting Allowances	8,185	8,724
Vehicle Hiring / Fuel Expenses	16,192	12,744
Clearing House	0	0
Data Entry Charges	0	49
Sundry Expenses	2,71,042	1,42,758
GRAND TOTAL	**3,04,293**	**1,72,307**

SCHEDULE 16-B PROVISIONS

(Amt. in "000")

Details of Provisions	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
Standard Assets Provision	11,924	-86,891
Bad Debt Provision	4,20,403	10,46,810
Misc. Provision	39,757	0
Int. on Perpetual Bond	0	0
Prov. Towards Fraud	15,188	0
Prov. Towards Leave Liability	53,370	30,000
Prov. On Ammortization	0	0
Prov on wage payment	20,000	4,67,900
Prov. Towards Gratuity	20,000	79,650
Prov. Towards Pension	15,96,700	32,30,000
GRAND TOTAL	**21,77,342**	**47,67,469**

UTKAL GRAMEEN BANK

HEAD OFFICE: BOLANGIR

SCHEDULE - 17 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. GENERAL :

Government of India vide its Notification No. F No. 1/1/2012 RRB dated 01.11.2012 published in Gazette of India being issued by the Ministry of Finance, Department of Financial Services, GOI on 01.11.2012 instructed to amalgamate two Regional Rural Banks viz. "Rushikulya Gramya Bank" and "Utkal Gramya Bank" into a new Regional Rural Bank named as "Utkal Grameen Bank".

2. Basis of Preparation :

The Bank's financial statements are prepared under the historical cost convention, on the accrual basis of accounting ongoing concern basis, unless otherwise stated and conform in all material aspects to Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) in India, which comprise applicable statutory provisions, regulatory norms / guidelines prescribed by the National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) / Reserve Bank Of India (RBI), Banking Regulation Act 1949, Regional Rural Bank Act, 1976 and amendments thereto and Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), and the practices prevalent in the banking industry in India.

3. Use of estimates :

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilities (including contingent liabilities) as on the date of financial statements and the reported income and expenses during the reporting period. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable and are based upon management's evaluation of the relevant facts and circumstances as of the date of financial statements. Future results could differ from these estimates and the differences between the actual results and the estimates are recognised in the period in which the result are known / materialised.

4. Revenue Recognition:

a) Income is accounted on accrual basis, except otherwise stated.

b) Interest income is recognised in the Profit and Loss Account as it accrues except, income from Non Performing Assets (NPAs), comprising of advances and investments where revenue recognisation is postponed till removal of uncertainty of ultimate collection, as per the prudential norms prescribed by the RBI/NABARD or other regulatory authorities.

c) Income (other than interest) on interest bearing investments in "Held to Maturity (HTM)" category acquired at a discount to the face value, is recognised only at the time of sale / redemption.

d) In case of suit filed accounts, legal and other expenses incurred are charged to Profit and Loss Account and at the time of recovery of such expenses is accounted as income.

5. Investments :

Investments in India have been made in both SLR and Non-SLR securities and classified under "Held to Maturity" (HTM) i.e. permanent category & "Available For Sale" (AFS) i.e. Current category as per RBI norms and guidelines as amended from time to time.

SLR securities under HTM category lie within the prescribed limit i.e. 18.00% of NDTL. Investments in SLR securities have been accounted for at acquisition cost unless it is more than the face value, in which case the premium have been amortised over the period remaining to maturity. It has reflected the amortised amount in schedule 13-Interest earned: item II - Income on investments as a deduction.

The investment portfolio has been valued as per the mark to market (MTM) norms prescribed by RBI and any depreciation in value under AFS category has been provided.

6. Loans or Advances and Provisions thereon :

A. Loans and advances are classified as performing and non-performing, based on the guidelines/ directives issued by NABARD & RBI. Loan assets become Non Performing Asset (NPA) where:

- **In respect of agriculture advances :**

i. For short duration crops, where the installment of principal or interest remains overdue for two crop seasons and

ii. For long duration crops, where the principal or interest remains overdue for one crop season.

- **In respect of Non Agriculture advances :**

i. In respect of term loans, interest and / or installment of principal remains overdue for a period of more than 90 days.

ii. In respect of Overdraft or Cash Credit Advances, the account remains "out of order", i.e. if the outstanding balance exceeds the sanctioned limit or drawing power continuously for a period 90 days, or if there are no credits continuously for 90 days as on the date of balance sheet, or if the credits are not adequate to cover the interest debited during the same period.

Provisions are made for NPAs as per the extant guidelines/directives prescribed by the RBI:

a) All advances have been classified under four categories i.e., Standard Assets, Sub-standard Assets, Doubtful Assets and Loss Assets.

b) Provisions on Advances are made as under:

I. Standard Assets:

General Provision for Standard Assets at the following rates:

1) Direct Advances to Agriculture and SME sectors at 0.25%

2) Commercial Real Estate sector at 1%

3) Commercial Real Estate- Residential Housing Sector at 0.75%

All other advances not included in (1), (2) & (3) above at 0.40%

II. Sub-Standard Assets:

A loan asset that has remained non performing for a period less than or equal to 12 months is a Sub Standard Asset

General Provision of 10% on the total outstanding

III. Doubtful Assets:

A loan asset that has remained in the sub-standard category for a period of more than 12 months is Doubtful Asset

Secured Portion	Up to One year 20%
	One to three years 30%
	More than three years 100%
Unsecured Portion	100%

IV Loss Assets :

A loan asset where Loss has been identified but the amount has not been fully written off is a Loss Asset.

100% Provision on outstanding Advances.

- Advances are net of specific loan less provisions, unrealised interest.
- In the case of loan accounts classified as NPAs, an account may be reclassified as a performing asset if it conforms to the guidelines prescribed by the regulators.
- Amounts recovered against debts written off in earlier years are recognised as revenue in the year of recovery.
- In addition to the specific provision on NPAs, general provisions are also made for Standard Assets as per extant RBI guidelines. These provisions are reflected in Schedule 5 of the Balance Sheet and are not considered for arriving at the net NPAs.

- Interest realized on NPAs is taken into income account provided the credits in the accounts towards interest are not out of fresh/additional credit facilities sanctioned to the borrower concerned.
- Appropriation of recoveries in NPAs i.e. towards principal or interest due as per the Bank's extant instructions is done in accordance with the following priority.

a. Charges

b. Unrealized Interest/Interest

c. Principal

7. Fixed Assets, Depreciation and Amortisation :

7.1 Fixed assets are stated at their historical cost.

7.2Depreciation on assets is provided on straight line method at rates prescribed by the sponsor bank for maintaining uniformity in the accounting policy.

8. Employee Benefits :

a. Short Term Employee Benefits :

The undiscounted amount of short - term employee benefits, such as medical benefits etc., which are expected to be paid for the services rendered by employees, are recognized during the period when the employee renders the service.

b. Long Term Employee Benefits :

i. Gratuity : For all the eligible employees, the Bank provides for Gratuity liability based on actuarial valuation. The Bank makes periodic contributions to a fund administered by Trustees based on an independent external actuarial valuation carried out annually.

ii. Leave Encashment : For all the employees who have completed five years of service, the Bank provides for Leave Encashment liability based on actuarial valuation.

iii. Pension : Bank has introduced Utkal Grameen Bank (Employees') Pension Regulation, 2018 in the financial year 2018-19 as per guidelines issued by NABARD vide letter no.NB.IDD/344/316 (Pension) /2018-19 dt:23.10.2018 and GOI Gazette notification - Extraordinary Part-III, Section-4, No-533 dt: 24.12.2018 and pension payments are made accordingly.

c. Defined Contribution Plans such as Provident Fund are recognized as an expense and charged to the Profit & Loss Account on accrual basis.

9. Contingent Liabilities & provisions :

In conformity with AS - 29 "Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets", issued by ICAI, the bank recognises the provisions only when it has a present obligation as a result of a past event and would result in a probable outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation, and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

No provision is recognised for :

I. Any possible obligation that arises from past events and existence of which will be confirmed only by the occurrence or non-occurrence of one or more uncertain future events not wholly within the control of the bank.

II. Any present obligation that arises from past events but is not recognised because

a. It is not probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation or

b. A reliable estimate of the amount of obligation cannot be made.

Such obligations are recorded as Contingent Liabilities. These are assessed at regular intervals and only that part of the obligation for which an outflow of resources embodying economic benefits is probable, is provided for, except in the extremely rare circumstances where no reliable estimate can be made.

III. Contingent Assets are not recognised in the financial statements.

10. Special Reserves :

Revenue and other Reserve include Special Reserve created under Section 36(i)(viii) of the Income Tax Act, 1961.

SCHEDULE -18
NOTES ON ACCOUNTS

1. SHARE CAPITAL

i) In terms of Gazette Notification dated 12th May, 2015, in regard to amendment of Regional Rural Bank Act,1976, the authorized capital of the Bank enhanced to Rupees two thousand crore, divided into two hundred crore of fully paid-up shares of ten rupees each effective from the 4th February 2016. In order to meet the minimum level of CRAR and other financial parameters, a proposal was submitted for recapitalization for infusion. Accordingly recapitalization infusion of Rs.683.31 crore has been approved by appropriate authorities during Financial Year 2021-22. Rs.239.16 crore each have been received from Sponsor Bank & Govt. of India respectively and reflected in "Schedule-1B Share Capital Deposit" because full and matching contribution has not been received from different stake holders. The Bank has received share capital infusion of Rs.102.50 crore each from Govt of India and Govt of Odisha in the month of April 2022.

Share Capital consists of Shares subscribed to by the Government of India, Sponsor Bank and Government of Odisha in the ratio 50:35:15 as follows:

(Amount in crores)

	As at 31.03.2022	As at 31.03.2021
Authorised Capital		
(200,00,00,000 Shares of Rs10/- each)	2000.00	2000.00
Issued, Subscribed & Paid up Share Capital		
Govt. of India (485186550 Shares of Rs 10/- each)	485.19	485.19
State Bank of India (339633610 Shares of Rs 10/- each)	339.63	339.63
Govt. of Odisha (145552900 Shares of Rs 10/- each)	145.55	145.55
TOTAL	**970.37**	**970.37**

ii) PERPETUAL BOND:

Consequent upon implementation of CBS, the Bank has incurred a total expenditure of Rs.16,27,65,784/- out of which Sponsor Bank's share @ 50% amounts to Rs.8,13,82,892/-. The above amount has been contributed on 08.01.2016 by State Bank of India in form of Perpetual Bond. The same is therefore reflected in the books of accounts under the head "Perpetual Bond" under Liabilities

iii) The networth of the Bank has gone up to Rs.84.08 crore (previous FY networth (-)Rs.404.72 crore) on account of infusion of capital by Govt. of India and Sponsor Bank.

2. INVESTMENTS :

Investments in Govt securities & Sovereign Gold Bond amounting to Rs.471035.86 lakhs made by the Bank represent SLR investments. Out of total SLR portfolio of Rs.471035.86 lakhs, securities of book value amounting to Rs.147304.63 lakhs have been categorized under "Held to Maturity"(HTM) and securities of book value amounting to Rs.323731.23 lakhs have been categorized under "Available For Sale"(AFS). Securities under HTM category are exempted from mark to market (MTM) norms. Securities under AFS categories in both SLR & Non-SLR are valued as per mark to market (MTM) norms. In case of both SLR & Non-SLR investment, there is a net appreciation, hence do not require any provision for depreciation.

3. ADVANCES:

During this FY, Bank has written-off an amount of Rs.52.82 crore, where 100% provision was available. Similarly, the Bank has accepted OTS & compromise proposals amounting to Rs 35.04 crore & Rs 29.30 crore respectively.

4. FIXED ASSETS:

a) Fixed assets of the Bank have been physically verified by officials of the Branches of the Bank and shortage/excess found has been suitably adjusted in the books of account during the year.

b) Depreciation on Fixed Assets is provided on Straight Line Method at rates prescribed by Sponsor Bank..

5. RECONCILIATION

a. OTHER ASSETS

Balance under the head Inter Office adjustments reflects Rs. 45.60 crores being the pending items for which advices are in transit as on the closing date are under reconciliation and subject to consequential adjustments, if any.

Further, Other Assets in Schedule 11 includes Suspense advance amounting to Rs 0.84 lakhs, and other settlement and other accounts amounting to Rs.691.76 lakhs are under the process of reconciliation and subject to consequential adjustments, if any.

Further, Other Assets in balance sheet includes IT prov. / Advance Tax paid amounting to Rs 749.48 lakhs and Tax Refund Receivable amounting to Rs 7.04 Crores. The same are under the process of year-wise-reconciliation and subject to consequential adjustments, if any.

b. OTHER LIABILITY

Other Liabilities in Schedule-5 includes adjusting account amounting to Rs 641.83 lakhs, other settlement accounts and others are under the process of reconciliation and subject to consequential adjustments, if any.

Further, Other Liabilities in Schedule-5 includes subsidy reserve fund amounting to Rs 442.91 lakhs. The same are under the process of borrower-wise- reconciliation and subject to consequential adjustments, if any.

6. CONTINGENT LIABILITY

Contingent Liability of Rs. 54.72 crore (Previous year Rs. 54.17crore) like Bank Guarantee, DEAF etc has been shown under schedule-12. Apart from aforesaid, the Bank has pending cases of Income Tax amounting Rs.0.16 crore for AY 2010-11 & Rs.0.13 crore for AY 2012-13 before CIT(A) and pending suit file cases amounting to Rs 0.12 crore by the employees of the Bank.

7. OTHERS:

The accumulated loss of the Bank as on 31st March 2022 stands at Rs.1372.75 crore.

8. Previous year's figures have been re-grouped and/or rearranged where considered necessary to make it comparable.

9. Additional Disclosures

9. a. Capital

Sr.	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
i)	CRAR (%)	3.44%	-16.01%
ii)	CRAR - Tier I Capital (%)	2.87%	-16.01%
iii)	CRAR - Tier II Capital (%)	0.57%	0.55%
iv)	Percentage of share holding of the		
a	Government of India	50%	50%
b	State Government	15%	15%
c	Sponsor Bank (SBI)	35%	35%

9. b. Investment (Rs. in crore)

Sr.	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
1	Value of Investments		
i)	Gross Value of Investments	4712.61	4195.40
ii)	Provisions for Depreciation	Nil	Nil
iii)	Net Value of Investments	4712.61	4195.40
2	Movement of Provisions held towards depreciation on investments	Nil	Nil
i)	Opening Balance	Nil	Nil
ii)	Add : Provisions made during the year	Nil	Nil
iii)	Less : Write off/Write back of excess provision during the year	Nil	Nil
iv)	Closing Balance	Nil	Nil

9. c. Repo Transaction

(Rs. in lakhs)

Item	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average Outstanding during the year	As on 31st March 2022
Securities sold under Repos	NIL	NIL	NIL	NIL
Securities purchased under reverse Repos	NIL	NIL	NIL	NIL

9.d. Non-SLR Investments portfolio

(i) Issuer composition of Non-SLR Investment (Rs. in crore)

No.	Issuer	Amount	Extent of private placement	Extent of below investment grade securites	Extent of unrated securities	Extent of unlisted securities
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
i)	PSUs	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
ii)	FIs	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
iii)	Banks	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
iv)	Private Corporate	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
v)	Others	2.25	NIL	NIL	NIL	NIL
vi)	Provisions held towards depriciation	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
	TOTAL	2.25	NIL	NIL	NIL	NIL

ii) Non-performing Non-SLR Investments (Rs. in lakhs)

Particulars	Amount
Opening balance	NIL
Additions during the year since 1st April	NIL
Reductions during the above period	NIL
Closing balance	NIL
Total provisions held	NIL

10. Asset Quality

10.1 Non-Performing Asset

(Rs. in crore)

Sr.	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
i)	Net NPA to Net Advances (%)	8.34%	16.06%
ii)	Movement of NPA (Gross)	-	-
(a)	Opening Balance	854.21	810.37
(b)	Additions during the year	230.21	408.34
(c)	Reductions during the year	408.71	364.49
(d)	Closing Balance	675.70	854.21
iii)	Movement of Net NPAs	-	-
(a)	Opening Balance	388.50	309.37
(b)	Additions during the year	112.34	183.75
(c)	Reductions during the year	280.06	104.62
(d)	Closing Balance	220.77	388.50
iv)	Movement of provisions for NPAs (Excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening Balance	465.71	501.00
(b)	Provisions made during the year	42.04	104.63
(c)	Write-off/Write-back of excess provisions	52.82	139.91
(d)	Closing Balance	454.93	465.71

10.2 Details of Loan Assets subject to Restructuring

(Rs. in lakh)

	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
i)	Total amount of loan assets subject to restructuring, rescheduling, reneogtiation	NIL	NIL
ii)	The amount of standard assets subjected to restructuring, rescheduling, reneogtiation	NIL	NIL
iii)	The amount of Sub-standard assets subjected to restructuring, rescheduling, reneogtiation	NIL	NIL
iv)	The amount of Doubtful assets subjected to restructuring, rescheduling, reneogtiation	NIL	NIL
	Note [(i) = (ii) + (iii) + (iv)]	NIL	NIL

10.3 Details of Financial Assets sold to Securitization (SC) Reconstruction Company (RC) for Assets Reconstruction (Rs. in lakh)

	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
i)	No. of Accounts	NIL	NIL
ii)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	NIL	NIL
iii)	Aggregate consideration	NIL	NIL
iv)	Additional consideration realized in respect of accounts transferred in earlier years	NIL	NIL
v)	Aggregate gain / loss over not book value	NIL	NIL

10.4 Details of non-performing Financial Assets purchased/ sold

A. Details of non-performing financial assets purchased. (Rs. in lakh)

	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
1 (a)	No. of accounts / purchased during the year	NIL	NIL
(b)	Aggregate outstanding	NIL	NIL
2 (a)	Of these, number of account restructured during the year	NIL	NIL
(b)	Aggregate outstanding	NIL	NIL

B. Details of non-performing financial assets sold. (Rs. in lakh)

Sr.	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
1	No. of Accounts Sold	NIL	NIL
2	Aggregate Outstanding	NIL	NIL
3	Aggregate consideration received.	NIL	NIL

10.5 Provisions on Standard Assets. (Rs. in Crore)

Sr.	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
01	Provisions towards Standard Assets	6.97	5.77

N.B: Provisions towards Standard Assets need not be netted from gross advances but shown separately as "Provisions against Standard Assets" under "Liabilities and Provisions - Others" in ScheduleNo.5 of the Balance Sheet.

11. Business Ratio

Sr.	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
i	Interest Income as a percentage to Working Funds	7.45%	5.70%
ii	Non-Interest Income as a percentage to Working Funds	1.08%	0.85%
iii	Operating Profit as a percentage to Working Funds	2.60%	0.78%
iv	Return on Assets	0.03%	-4.94%
v	Business (Deposits plus advances) per employee (Rs. in lakh)	777.99	774.57
vi	Profit per employee (Rs. in lakh)	0.17	-30.74

12. Asset Liability Management - Maturity pattern of certain items of assets and liabilities (Rs. in Crores)

Particulars	1 to 14 days	15 to 28 days	29 to 3 months	Over 3 months and upto 6 months	Over 6 months and upto 1 year	Over 1 year and upto 3 years	Over 3 year and upto 5 years	Over 5 year	Total
Deposits	537.58	67.29	307.01	449.20	5004.42	955.98	246.49	75.10	**7643.07**
Advances	9.14	19.48	151.39	416.28	873.70	1353.10	39.97	237.92	**3100.98**
Investments & TDRs	96.10	110.72	220.46	74.96	96.48	179.52	919.05	3701.17	**5398.46**
Borrowings	0.00	0.00	0.00	100.00	346.59	0.00	0.00	0.00	**446.59**
Foreign currency assets	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	**NIL**
Foreign currency liabilities	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	**NIL**

Note : The figure have been taken from the CBS system .

13. Exposures - Exposure to Real Estate Sector during the year. (Rs. in crore)

Sr.	Category	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
A.	Direct Exposure	210.59	184.87
(i)	Residential Mortgages Lending fully secured by mortgages on residential property that is or will be occupied by the borrower or that is rented (individual housing loan upto 20 lakh may be shown separately)	210.59	184.87
(ii)	Commercial Real Estate Lending secured by mortgages on commercial real estates (office buildings, retail space, multi-purpose commercial premises, multi-family residential buildings, multi-tenanted commercial premises, industrial or warehouse space, hotels, land acquisition, development and construction, etc.) Exposure would also include non-fund based (NFB) limits	0	0
(iii)	Investments in Mortgage Backed Securities (MBS) and other securitised exposures.	NIL	NIL
	a. Residential	NIL	NIL
	b. Commercial Real Estate	NIL	NIL
B.	Indirect Exposure	NIL	NIL
(i)	Fund based and non-fund based exposures on National Housing Bank (NHB) and Housing Finance Companies (HFCs)	NIL	NIL

14. Details of Single Borrowers (SGL),Group Borrower Limit (GBL) exceeded by the Bank.

As per RBI instructions, the present maximum permissible exposure limit of the Bank is 15 % of own fund. No such account exceeds prudential exposure limit during the year under report.

15. Disclosure of Penalties imposed by RBI

No penalty has been imposed by RBI during the current year.

16. Disclosure requirements as per Accounting Standards where the RBI has issued guidelines in respect of disclosure items for " Notes to Accounts".

16.1 Accounting Standard -9 - Revenue Recognition

The revenue recognition norms stipulated in the said accounting standard have been properly followed. The accounting policies of the Bank given under Schdule-17 describe the revenue recognition policies followed by the Bank.

16.2 Accounting Standard -15 - Employee benefit

a) Gratuity: The Bank has taken policies under Group Gratuity Scheme framed with LIC of India & India First and premium paid is charged to revenue. An amount of Rs.4.65 crores has been paid during the current year. Due to Gratuity liability of Rs.20.00 lakhs per employee, the LIC's estimate on Gratuity Liability amounts to Rs.65.39 crores. Since the corpus of the Bank towards the liability stands at Rs.66.06 crores as on 31.03.2022, there is no requirement of provision.

b) Leave encashment: The liability of the Bank arising out of Leave encashment amounts to Rs.32.84 crores on actuarial valuation against which the corpus fund of the Bank as on 31.03.2022 stands at Rs.29.03 crores, for which provisions of Rs 4.34 crores has been made on 31.03.2022.

c) Pension: Bank has introduced Utkal Grameen Bank (Employees') Pension Regulation, 2018 as per guidelines issued by NABARD vide letter no NB.IDD/344/316(Pension)/2018-19 dt:23.10.2018 and GOI Gazette notification - Extraordinary Part-III, section-4 , No-533 dt: 24.12.2018. During the year 2021-22, Rs.7.92 crores is refunded by pensioners and Rs.73.65 crores has been paid to pensioners. As per latest actuarial valuation position, the total pension liability is Rs.798.34 crores. As per RBI norms, provision required is 80% of Rs.798.34 crore which comes to Rs.638.67 crore as on 31.03.2022. From this assessed liability, as per the amortization and as per advice by Sponsored Bank, provision for Rs 159.67 crores has been made during the year 2021-22.

d) Wage revision: During the year 2021-22, UGB has provided for Rs 2.00 crores, arising out of arrears to be paid on account of 11th Bi- partite wage settlement from 01.11.2017. The total amount provided for in respect of the said wage settlement stands at Rs 48.79 crores as on 31.03.2022 out of which Rs 45.53 crores has been paid during this year.

16.3 Accounting Standard -17 - Segment Reporting

a. There is only one Business segment i.e. retail banking operation.

b. There is only one Geographical segment i.e. Domestic.

16.4 Accounting Standard -22 - Accounting for Taxes on Income

Since the Bank has huge accumulated losses, the deferred tax Asset has not been recognized and accounted for.

16.5 Accounting Standard -25 - Interim Financial Reporting

The Bank has already introduced the system of interim financial reporting as per NABARD guidelines.

17. Additional Disclosures

17.1 Provisions against Advances

(Rs. in crore)

Sr.	Particulars	Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
a.	Opening balance in the provisions account	471.49	515.46
b.	The quantum of provisions made in the accounting year	43.23	104.63
c.	Amount of draw down made during the accounting year	52.82	148.60
d.	Closing balance in the provisions account	461.90	471.49

17.2 Draw Down From Reserve

There was no Draw Down from any reserve account during the year.

17.3. Disclosure of Complaints

A. Customer Complaints

Sr.	Particulars	Details
a.	No. of complaints pending at the beginning of the year	0
b.	No. of complaints received during the year	65
c.	No. of complaints redressed during the year	62
d.	No. of complaints pending at the end of the year	3

B. Award passed by the Banking Ombudsman

Sr.	Particulars	Details
a.	No. of unimplemented Awards at the beginning of the year	NIL
b.	No. of Awards passed by the Banking Ombudsmen during the year	NIL
c.	No. of Awards implemented during the year	NIL
d.	No. of unimplemented Awards at the end of the year.	NIL

17.4 Concentration of Deposits, Advances, Exposures and NPAs (Rs. In Crores)

I.

(Rs. in Crore)

Concentration of Deposits	
Total Deposits of twenty largest depositors	148.18
Percentage of Deposits of twenty largest depositors to Total Deposits of the bank	1.94%

Concentration of Advances *	
Total Advances to twenty largest borrowers	216.82
Percentage of Advances to twenty largest borrowers to Total Advances of the bank	6.99%
*Advances should be computed as prescribed in our Circular on Strengthening of Prudential Norms - Provisioning Asset classification and Exposure Limit RPCD.RRB.BC.97/03.05.34/2000-01 dated June 11, 2001as per circular RPCD.RRB.BC.97/03.05.34/2000-01 dated June 11, 2001.	

Concentration of Exposures **	
Total Exposures of twenty largest borrowers/customers	241.37
Percentage of Exposures to twenty largest borrowers/customers to Total Exposure of the bank on borrowers/customers	7.48%
** Exposures should be computed based on credit and investment exposure as prescribed in our Circular on Strengthening of Prudential Norms - Provisioning Asset classification and Exposure Limit RPCD.RRB.BC.97/03.05.34/2000-01 dated June 11, 2001.	

Concentration of NPAs	
Total Exposure to top four NPA accounts	4.49

II. Sector -wise NPAs **(Rs. in crores)**

Sl No.	Sector*	Current Year (2021-22)			Previous Year (2020-21)		
		Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
A	**Priority Sector**						
1	Agriculture and allied activities	2039.98	528.11	25.89%	1902.42	647.55	34.03%
2	Advances to industries sector eligible as priority sector lending	398.11	95.12	23.89%	428.91	128.25	29.90%
3	Services	65.94	4.78	7.24%	58.24	7.88	13.53%
4	Personal Loans	216.57	22.92	10.58%	193.05	37.11	19.22%
	Sub-total (A)	**2720.60**	**650.93**	**23.92%**	**2582.62**	**820.79**	**31.78%**
B	**Non-Priority Sector**						
1	Agriculture and allied activities	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
2	Industry	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
3	Services	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL
4	Personal Loans	380.38	24.77	6.51%	301.64	33.42	11.08%
	Sub-total (B)	**380.38**	**24.77**	**6.51%**	**301.64**	**33.42**	**11.08%**
	Total (A+B)	**3100.98**	**675.70**	**21.78%**	**2884.26**	**854.21**	**29.06%**

*Regional Rural Banks may also disclose in the format above, sub sectors where the outstanding advances exceeds 10 percent of the outstanding total advances to that sector. For instance, if a bank's outstanding advances to the Khadi and Village industry (KVI) exceed 10 percent of the outstanding total advances to 'Industry' sector it should disclose details of its outstanding advances to KVI separately in the format above under the 'Industry' sector.

III. Movement of NPAs **(Rs. in crores)**

		Current Year (2021-22)	Previous Year (2020-21)
Gross NPAs as on 1st April of particular year (Opening balance)		854.21	810.37
Additions (Fresh NPAs) during the year		230.21	408.33
Sub-total (A)		1084.42	1218.79
Less :			
(i)	Upgradations	244.03	114.45
(ii)	Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts)	111.86	110.16
(iii)	Write-off	52.82	139.88
Sub-total (B)		408.71	364.49
Gross NPAs as on 31st March of following year (closing balance)(A-B)		675.70	854.21

18. Classification of assets (Advances) as on 31st march 2022. (Rs. in crore)

Classification	Gross Advances	Net Advances
Standard Asset	2425.28	2425.28
Sub Standard Asset	65.37	58.83
Bad, Doubtful & Loss assets	610.33	161.94
Total	**3100.98**	**2646.05**
Add: Provision on Sub-Standard & Doubtful Assets etc		454.93
Total gross Advances	**3100.98**	**3100.98**

19. Accumulated written off Advance Accounts are placed under "AUCA" (Advances Under Collection Account) and cumulative amount as on 31.03.2022 stands at Rs. 319.73 crore.

20. IBPC (Inter-Bank Participation Certificate) : The Bank takes advantage of the swapping of its advances portfolio in priority Sector with intending partner Banks including Sponsor Bank. However Bank has not participated in IBPC during the current Financial year and the outstanding as on 31.03.2022 is Nil.

21. PSLC (Priority Sector Lending Certificates): The Bank has registered itself in the e-kuber portal of RBI and is actively engaged in trading in the PSLC market. Following are the details of the trading in PSLC during the year. (Rs. in Crore)

Category of PSLC	Current FY 2021-22			Previous FY 2020-21		
	Sold	Purchase	Income	Sold	Purchase	Income
PSLC (SM)	1300	00	18.85	1320	50	26.97
PSLC (G)	0	700	1.15	0	900	4.17
PSLC (Agri)	250	0	0.02	100	0	1.30
	1550	700	17.72	1420	950	24.10

22. Data Purification and Asset Classification : Bank has implemented new NPA functionality i.e 1.1 version of Agri & URI module for more accurate classification of Assets and recognition of income as per prudential norms prescribed by NABARD & RBI.

23. Depositor Education and Awareness Fund (DEAF) Scheme :

Disclosure as required under Depositor Education and Awareness Fund Scheme - 2014 notified by the Reserve Bank of India under DBOD No. DEAF Cell.BC.114/30.01.002/ 2013-14 dated 27th May 2014 (As per details in Schedule-12) (Rs. in Lakh)

Sl. No.	Particulars	Current FY 2021-22	Previous FY 2020-21
1	Opening Balance of Amount transferred to DEAF	75.59	72.39
2	Add: Amount transferred to DEAF during the Year	2.92	3.26
3	Less: Amounts reimbursed by DEAF towards Claim	0.16	0.05
4	Closing balance of amounts transferred to DEAF	78.35	75.59

24. FRAUD CASES: During the FY the Bank has declared 4 numbers of fraud cases amounting to Rs1.52 crore against which full provision has been made.

25. During the year the Bank has booked a marginal profit Rs2.34 crore. Although this year there is accumulated loss of Rs.1372.75 crore but on account of infusion of share capital of Rs.478.32 crore by Govt of India and Sponsor Bank, the net worth of the Bank as at 31.03.2022 has turned positive.

Considering the continuous support of the Government of Odisha, Government of India and Sponsor Bank i.e. SBI, the Company is and will continue to be able to meet its financial obligations as they fall due. Accordingly, the Bank has prepared its accounts on a "Going Concern" basis.

Various indicators confirming the operational performance of the Bank and affirming the Going concern assumptions are detailed below:

a. Increased Customer Base

b. Increased in Deposit

c. Fresh Capital infusion

d. Maintenance of CRR/SLR as per statutory requirement

e. Ability to meet financial obligation when they falls due.

As per our report of even date Signatures for Schedules 1 to 18.

For **TEJ RAJ & PAL**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 304124E

SHRI A.C.BEURA
Chairman

(CA DINAKAR MOHANTY)
Partner
M.No-059390

PLACE : BOLANGIR
DATE: 20-04-2022

Inauguration of CSP at Baring, Madhapur Branch under Phulbani Region by Shri Mihir Narayan Prasad Mishra, CGM (A&S), SBI, Corp. Centre, on 05.10.2021

Performace Review by Sri Mihir Narayan Prasad Mishra (CGM A&S, SBI Corp. Centre) at Bolangir

Head Office shifted to new Premises